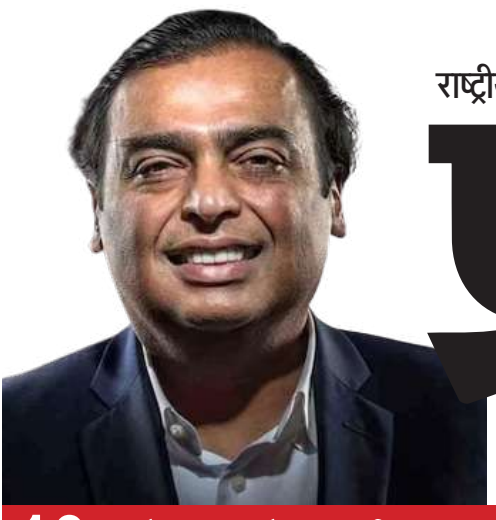

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 ओटीटी प्लेटफार्म पर अपना दबदबा बढाना चाहते हैं अंबानी.....

अश्विन को ड्रॉप करने के फैसले पर सुनील गावस्कर हुए आग बाबूला..... 11

वर्ष : 14 | अंक : 31 | नई दिल्ली, बुधवार, 14 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जी-20 देशों के विकास मंत्रियों सहित 200 मेहमान तथागत की प्रथम उपदेश स्थली देख अभिभूत

- विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के नेतृत्व में मेहमानों ने सारनाथ में किया भ्रमण
- अतिथियों का स्वागत लोकनृत्य से, विदेश मंत्री ने उप्र सरकार का आभार जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

जी-20 समिट के तीसरे और अन्तिम दिन मंगलवार को विदेशी मेहमानों ने ऐतिहासिक सारनाथ का भ्रमण किया। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर के नेतृत्व में तथागत की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ पहुंचे दुनिया के 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के विकास मंत्री सहित लगभग 200 मेहमानों का स्वागत 'हुड़क मजीरा और मयूर लोकनृत्य से किया गया। मेहमानों ने पुरातात्विक उत्खनित स्थल के अलावा धर्मराजिका स्तूप, अशोक की लाट और मूलगंध कुटी मंदिर का अवशेष देखा। धमेख स्तूप पर लगभग 26 सौ वर्ष पूर्व बनी कलाकृतियों को मेहमान अपलक देखते रहे। वहीं,सारनाथ म्यूजियम में भगवान बुद्ध के अवशेषों और भारत के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ को देख अभिभूत

नजर आए। गाइड से मेहमान प्राचीन धरोहरों की जानकारी लेते रहे। खुद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर भी बीच-बीच में गाइड की भूमिका में दिखे और मेहमानों को भारत के प्राचीन धरोहरों के बारे में बताते रहे। सारनाथ में जलपान के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी कर मेहमान दोपहर में दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मेहमानों के लिए नदेसर होटल से सारनाथ तक बनाया गया ग्रीन कॉरिडोर ऐतिहासिक सारनाथ में जी-20 के मेहमानों के भ्रमण को देखते हुए नदेसर स्थित होटल से सारनाथ तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। सुरक्षा कारणों से आशापुर चौराहे से सिंहपुर अंडरपास तिराहे तक नो इंट्री जोन रहा। जी-20 की फ्लीट के लिए पूरे सड़क को खाली कराया गया था। सफल जी-20 डेवलपमेंट मिनिस्ट्रियल के बाद आज हम वाराणसी से प्रस्थान कर रहे जी-20 समिट के तीसरे दिन विदेशी मेहमानों को ऐतिहासिक सारनाथ में भ्रमण कराने के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने ट्वीट कर वैश्विक आयोजन के सफलता के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। विदेश मंत्री ने लिखा एक सफल जी-20 डेवलपमेंट मिनिस्ट्रियल के बाद आज हम वाराणसी से प्रस्थान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए आभार। सभी प्रतिनिधि गंगा आरती और सारनाथ दर्शन की अद्भुत स्मृतियों को साथ लेकर वापस जा रहे हैं। कल जी-20 ने सतत विकास के लिए जीवन शैली पर सहमति बनायी है, जो वास्तव में जीवन दायिनी माँ गंगा की ही प्रेरणा है।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.0°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,715
चांदी	73,700
सेंसेक्स	62,625
निफ्टी	18,563

नौकरियों के लिए 'रेट कार्ड' के दिन गए, वर्तमान सरकार का ध्यान युवाओं के भविष्य की 'सुरक्षा' पर है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विरोधियों पर 'रेट कार्ड' से युवाओं को लूटने का आरोप लगाते हुए कहा कि नौकरियों के लिए 'रेट कार्ड' के दिन गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का ध्यान युवाओं के भविष्य की 'सुरक्षा' पर है। प्रधानमंत्री मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 70 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार मेला वर्तमान सरकार की नई पहचान बन गया है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि भाजपा और राजग शासित राज्य भी नियमित रूप से इसी तरह के रोजगार मेले आयोजित कर रहे हैं। यह देखते हुए कि आजादी का अमृत काल अभी शुरू हुआ है, मोदी ने कहा कि यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण है जो सरकारी सेवा में शामिल हो रहे हैं क्योंकि उनके पास अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने में योगदान देने का अवसर है। मोदी ने भर्ती प्रक्रिया में परिवारवाद की राजनीति और भाई-भतीजावाद की बुराइयों के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने 'नौकरी के लिए नकद घोटाले' के

मुद्दे पर प्रकाश डाला और इससे जुड़े विवरणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह हर जॉब पोस्टिंग के लिए एक रेस्त्रां में मेन्यू कार्ड के समान एक रेट कार्ड तैयार किया जाता था। उन्होंने 'नौकरियों के लिए भूमि घोटाले' पर भी प्रकाश डाला, जहां देश के तत्कालीन रेल मंत्री ने नौकरी के बदले में जमीन का अधिग्रहण किया था और टिप्पणी की कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और अदालतों में लंबित है। प्रधानमंत्री ने ऐसे राजनीतिक दलों के युवाओं को चेताया जो वंशवाद की राजनीति करते हैं और नौकरी के नाम पर देश के युवाओं को लूटते हैं। मोदी ने कहा, ₹एक तरफ हमारे पास राजनीतिक दल हैं जो नौकरियों के लिए रेट कार्ड पेश करते हैं, दूसरी तरफ यह वर्तमान सरकार है जो युवाओं के भविष्य की रक्षा कर रही है। अब देश तय करेगा कि युवाओं का भविष्य रेट कार्ड से चलेगा या सेफगार्ड से। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एक दशक पहले की तुलना में भारत अधिक स्थिर, सुरक्षित और मजबूत देश है। उन्होंने उस समय को याद किया जब पहले के समय में घोटाला और जनता का दुरुपयोग शासन की पहचान थी। उन्होंने कहा, ₹आज, भारत अपनी राजनीतिक स्थिरता के लिए जाना जाता है जो आज की दुनिया में बहुत मायने रखता है। आज भारत सरकार की पहचान एक निर्णायक सरकार के रूप में है। आज, सरकार अपने प्रगतिशील आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के लिए जानी जाती है।₹ उन्होंने कहा कि वैश्विक एजेंसियां ईज ऑफ लिविंग, इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में काम को स्वीकार कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था में रोजगार और स्वरोजगार के उभरते अवसरों के बारे में बात की। उन्होंने मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसे उपायों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब ये युवा जॉब क्रिएटर बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का अभियान अभूतपूर्व है। एसएससी, यूपीएससी और आरआरबी जैसे संस्थान नई व्यवस्था के साथ ज्यादा नौकरियां दे रहे हैं। ये संस्थान भर्ती प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और आसान बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने भर्ती के समय चक्र को 1-2 साल से घटाकर कुछ महीने कर दिया है। भारत और इसकी अर्थव्यवस्था में दुनिया के भरोसे को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ₹आज पूरी दुनिया भारत की विकास यात्रा में उसके साथ साझेदारी करने को उत्सुक है।₹ मोदी ने बताया कि देश में किए गए विदेशी निवेश से उत्पादन, विस्तार और नए उद्योगों की स्थापना और निर्यात को बढ़ावा मिलता है, जिससे रोजगार के अवसरों में तेजी से वृद्धि होती है। निजी क्षेत्र में रोजगार के लाखों अवसर सृजित करने वाली वर्तमान सरकार की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र का उदाहरण दिया जिसने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न देशों में यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और तिपहिया और दोपहिया वाहनों के बढ़ते निर्यात से भारत में ऑटोमोटिव उद्योग के विकास को देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मोटर वाहन उद्योग जो दस साल पहले 5 लाख करोड़ रुपये का था, आज 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। सामाजिक बुनियादी ढांचे की बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन पर करीब चार लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अन्य राजनीतिक दल भाषा के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि सरकार भाषा को रोजगार का सशक्त माध्यम बना रही है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में भर्ती परीक्षाओं पर जोर देने से युवाओं को फायदा हो रहा है।

भारत में किसानों के प्रदर्शन के दौरान सरकारी दबाव के जैक डोर्सी के दावों को केंद्र ने झूठा बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी ने दावा किया है कि इस सोशल मीडिया मंच को देश में किसानों के प्रदर्शन के दौरान सरकारी दबाव और बंद किये जाने की धमकियों का सामना करना पड़ा था। उनके इस बयान को केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने झूठा करार दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने डोर्सी के दावों को खारिज करते हुए ट्वीट किया कि "डोर्सी के समय ट्विटर प्रशासन को भारतीय कानून की संप्रभुता को स्वीकार करने में दिक्कत होती थी।" उन्होंने कहा, "कोई जेल नहीं गया और ना ही ट्विटर बंद किया गया।" ट्विटर के सह-संस्थापक और पूर्व सीईओ डोर्सी ने आरोप लगाया है कि देश में किसानों के प्रदर्शन के दौरान भारत सरकार ने ट्विटर पर दबाव डाला था और सरकार का कहना नहीं मानने पर भारत में ट्विटर को बंद करने, उसके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारने की धमकियां दी गयी थीं। चंद्रशेखर ने ट्वीट किया, "डोर्सी और उनकी टीम के समय ट्विटर लगातार और बार-बार भारतीय कानून का उल्लंघन कर रहा था। उन्होंने 2020 से 2022 तक बार-बार कानूनों की अवमानना की और जून 2022 में ही उन्होंने अंततः अनुपालन शुरू किया।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डोर्सी के समय ट्विटर को भारतीय कानून की संप्रभुता को स्वीकार करने में समस्या थी और वह ऐसे व्यवहार करता था मानो भारत के कानून उस पर लागू नहीं होते। उन्होंने कहा "एक संप्रभु राष्ट्र होने के नाते भारत के पास यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि उसके कानूनों का भारत में संचालित सभी कंपनियां पालन करें।" चंद्रशेखर ने कहा कि जनवरी 2021 में प्रदर्शनों के दौरान अनेक दुष्प्रचार किये गये और यहां तक कि नरसंहार की खबरें थीं जो कि निश्चित रूप से फर्जी थीं। उन्होंने कहा कि सरकार इस मंच से गलत सूचनाओं को हटाने के लिए बाध्य थी क्योंकि फर्जी खबरों के आधार पर हालात और बिगड़ने की आशंका थी।उन्होंने कहा, "जैक के समय ट्विटर पर पक्षपातपूर्ण रवैये का यह स्तर था कि उन्हें भारत में इस मंच से गलत सूचनाओं को हटाने में दिक्कत थी, जबकि अमेरिका में अनेक घटनाओं में उन्होंने खुद ऐसा किया।" चंद्रशेखर ने कहा कि किसी के यहां छापे नहीं मारे गये और ना ही किसी को जेल भेजा गया तथा पूरी तरह ध्यान भारतीय कानूनों के अनुपालन पर था। उन्होंने कहा, "जैक के समय ट्विटर के मनमाने, खुल्लम खुल्ला पक्षपातपूर्ण और भेदभाव वाले रवैये के तथा उस अवधि में इसके मंच पर उनके अधिकारों के दुरुपयोग के अनेक प्रमाण हैं जो अब सार्वजनिक हैं।"

राजनाथ ने यूएनएससी में स्थायी सदस्यता पर भारत के रुख को दोहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यता की भारत की मांग को दोहराते हुए कहा कि यदि सबसे अधिक आबादी वाले देश को स्थायी सदस्य के रूप में सीट नहीं मिलना संयुक्त राष्ट्र की नैतिक वैधता की कमजोरी को परिलक्षित करती है। श्री सिंह ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र निकायों को अधिक लोकतांत्रिक और नये युग की वर्तमान वास्तविकताओं का प्रतिनिधि बनाने का समय आ गया है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे बड़े योगदानकताओं में से एक रहा है। वर्ष 1950 में कोरिया में अपनी पहली प्रतिबद्धता के बाद से, भारतीय सैनिकों ने जटिल और असहनीय शांति अभियानों की निगरानी करने के साथ ही अपने पेशेवर उत्कृष्टता को लेकर के लिए सार्वभौमिक प्रशंसा अर्जित की है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के शांतिपूर्ण, और समावेशी दुनिया के निर्माण के लिए अथक परिश्रम करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शांति सैंनिकों की अटूट प्रतिबद्धता, व्यावसायिकता और बलिदान ने सभी को प्रेरित किया है। ये शांतिसैनिक संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियान स्थिरता बनाए रखने तथा संघर्षों को रोकने और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में शांति की बहाली की सुविधा प्रदान करने में सहायक रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ये मिशन संघर्ष में शामिल पक्षों की सहमति से संचालित होते हैं। यह स्थानीय समुदायों या पार्टियों पर बाहर से नहीं थोपा जाता, बल्कि इसकी मांग भीतर से उठती है। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बारे में भी चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे विभिन्न अफ्रीकी और एशियाई देशों में खाद्य संकट पैदा होने के साथ ही दुनिया में ऊर्जा संकट भी बढ़ गया है

बिपारजॉय: तट से 10 किलोमीटर के इलाके के लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

चक्रवात 'बिपारजॉय' के गुजरात के तटीय क्षेत्र के पास कच्छ जिले में जखाऊ बंदरगार के निकट पहुंचने की संभावना के मद्देनजर मंगलवार को बचाव अभियान को और तेज किया जाएगा और सरकार तट से 10 किलोमीटर के इलाके में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाएगी। कच्छ, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, जूनागढ़ और मोरबी तटीय जिलों के प्राधिकारियों ने तटरेखा के निकट रह रहे लोगों को किसी सुरक्षित जगह ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि तट से 10 किलोमीटर के इलाके में रह रहे हजारों लोगों को मंगलवार से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोशल मीडिया पर कहा, "वीएससीएस (बहुत प्रचंड चक्रवाती तूफान) बिपारजॉय 13 जून, 2023 को भारतीय समयानुसार देर रात ढाई बजे (सोमवार को आधी रात के बाद) पूर्वोत्तर और आस-पास के पूर्वी मध्य अरब सागर में पोरबंदर से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम और जखाऊ बंदरगाह से 360 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था। यह 15 जून की शाम तक वीएससीएस के रूप में जखाऊ बंदरगाह के पास सौराष्ट्र और कच्छ से गुजरेगा।" गुजरात के राहत आयुक्त आलोक पांडे ने अहमदाबाद में संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि इस चक्रवात से कोई जनहानि न हो। पांडे ने बताया कि बचाव अभियान मंगलवार से दो चरणों में शुरू किया जाएगा और सबसे पहले समुद्र तट से पांच किलोमीटर तक की दूरी पर रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद तट से पांच से 10 किलोमीटर की दूरी पर रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगा और इस दौरान बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी। पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के 12-12 दलों को चक्रवात से प्रभावित हो सकने वाले जिलों में तैनात किया गया है और लोगों के आवास, भोजन और दवाओं की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया कि राज्य सरकार संवेदनशील स्थानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाले। अधिकारियों ने बताया कि जखाऊ में बचाव अभियान सोमवार को ही आरंभ हो गया था। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात की चेतावनी के बाद से कांडला में देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बंदरगाह पर नौवहन गतिविधियां बंद कर दी गई हैं और श्रमिकों सहित लगभग 3,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। मछली पकड़ने संबंधी गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित कर दिया गया है।

रोजगार मेले भारत के युवा विश्व का करेंगे नेतृत्व : नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री.....

भारत 2047 तक बन जाएगा विकसित राष्ट्र : जनरल वीके सिंह

- रोजगार मेले में मिली नियुक्ति नौकरी नहीं राष्ट्र निर्माण का कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। भारत के युवा विश्व का नेतृत्व करेंगे। रोजगार मेले में मिली नियुक्ति नौकरी नहीं राष्ट्र निर्माण का कदम है। मंगलवार को हाथीबड़कला स्थित सर्वे ऑफ इण्डिया, ऑडिटोरियम में छठवीं रोजगार मेला राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत) राज्य मंत्री, सड़क परिवहन, राजमार्ग, एवं नागरिक उड्डयन और स्टेट बैंक के दिल्ली मंडल के महाप्रबंधक दिग्विजय सिंह ने मेले में 25 युवाओं और 123 शेष युवाओं को संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों को रोजगार प्रमाण पत्र सौंपे गये। कुल मिलाकर 16 संस्थानों से 148 युवाओं को रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र सौंपे गये। इस मौके पर वीके सिंह ने कहा कि भारत का भविष्य युवाओं पर निर्भर है। 2047 तक विकसित राष्ट्र भारत बने इस दिशा में नरेन्द्र मोदी सरकार तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। भारत 6.5 की रफ्तार से अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है। जो विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती

अर्थव्यवस्था है। चीन, अमेरिका जैसे देश भी भारत से पीछे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे मुकाम पर खड़ा होगा जहां विश्व आपको देख रहा होगा। 2047 का भारत कैसा होगा, इस विषय पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2070 तक पृथ्वी पर यंग देश भारत होगा। दुनिया भर का काम भारत के युवा करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में चारधाम से लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों के जाल के साथ रेल और हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने पर तेजी कार्य जारी है। काम पर परिणाम निर्भर करता है। आज रोजगार मेले में मिली नियुक्ति मात्र नौकरी नहीं राष्ट्र निर्माण का कदम है। रोजगार मेले के संकल्प को पूरा करना इन युवाओं की जिम्मेदारी विशेष अब बढ़ गई। निश्चित ही नियुक्ति पत्र मिलने से राज्य में पलायन कम होगा। उन्होंने बताया कि स्वरोजगार के लिए मुद्रा लोग 3 लाख करोड़ के करीब वितरित किया गया है, जिससे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। देश में हवाई अड्डे 2016 तक 74 थे आज 148 हैं। लोगों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम किया जा रहा। उन्होंने बताया कि देश में डिजिटल इंडिया की शुरूआत 2016 में हुई थी। उस समय भारत 122 नम्बर पर था। आज भारत का डाटा शीर्ष पर है। 50 फीसद दुनिया का डिजिटल भारत में है। वर्ष 2015 में स्टार्टअप शुरू हुआ और तब 428 थे। आज स्टार्टअप संख्या में भारत दूसरे नम्बर पर है। इन विभागों से मिला नियुक्ति- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 48,पीएनबी 19,बीओबी 2,सीबीआई 4,केनरा बैंक 14,यूको बैंक 5, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 12, आइओबी 3, पी एंड टी 05, डॉट 01,एसडीबीआई 01, रक्षा मंत्रालय 01,आई आरडीई 17,एम्स 03,केंद्रीय लोक निर्माण विभाग 23 सहित कुल 148 लोगों को रोजगार मेले में नियुक्ति दी गई। गौरतलब है कि देश के 43 केन्द्रों में 70000 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किये जा रहे हैं।

डॉ. मनसुख मांडविया ने की चक्रवाती तूफान बिपरजोय को लेकर किए जा रहे उपायों की समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

चक्रवाती तूफान बिपरजोय के मद्देनजर कच्छ में किए जा रहे उपायों की केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने समीक्षा की। मंगलवार को बुलाई समीक्षा बैठक में कच्छ में सभी स्तर पर किए जा रहे उपायों की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश जारी किए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बताया कि तूफान से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, एयर फोर्स, कोस्ट गार्ड, आपदा प्रबंधन की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। कच्छ और सौराष्ट्र के 0-10 किलोमीटर तक तटीय क्षेत्रों में रहने वाले वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इन बंदरगाहों पर जहाजों को भी वहां से शिफ्ट करके सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे के पास सड़क पर पलटी डॉक्टरों की कार, महिला समेत चार लोग घायल

टिहरी, एजेंसी। ऋषिकेश-गंगोत्री हाइवे पर डॉक्टरों की कार हादसे का शिकार हो गई। चारों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। देहरादून से उत्तरकाशी जा रही कार ऋषिकेश-गंगोत्री हाइवे पर कंडीसौड़ के पास सुनारगांव में सड़क पर पलटने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें सवार दो महिला डॉक्टर सहित चार लोग घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना छाम पुलिस द्वारा सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छाम पहुंचाया गया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर किया गया। प्रभारी थाना निरीक्षक छाम प्रदीप पंत ने बताया कि मिली जानकारी के अनुसार ये लोग देहरादून से उत्तरकाशी जा रहे थे, जिनकी कार सुनारगांव के पास अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई, जिन्हें एक 108 की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया। डॉ सविता चौधरी व डॉ प्रिया त्यागी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उत्तरकाशी में चिकित्सक के पद पर तैनात हैं। कार डॉ प्रिया त्यागी चला रही थी। सभी घायलों की हालत खतरे से बहार बताई जा रही। वाहन को हाइड्रा मशीन के सहारे हाईवे से साइड कर दिया गया।

मिट्टी खिसकने से खंभों की नींव हुई खोखली, गिरने का बना खतरा

चमोली, , एजेंसी। ब्लॉक के बगोली-चूला-गबनी सड़क पर निर्माण कार्य के दौरान पहाड़ी से मिट्टी खिसकने के कारण कई बिजली के खंभों की नींव खोखली हो गई है। खतरे का सबब बने इन पोल पर लगे बिजली के तारों पर हाई वोल्टेज करंट भी दौड़ रहा है। लोगों ने ऊर्जा निगम के अधिकारियों से बरसात से पहले खंभों को शिफ्ट करने की मांग उठाई। गबनी के पूर्व प्रधान धीरेंद्र भंडारी ने बताया कि पीएमजीएसवाई की ओर से बगोली-चूला-गबनी मार्ग का निर्माण किया गया। इस दौरान पहाड़ी पर लगे करीब छह बिजली के खंभों के नीचे कटाव होने व मिट्टी गिरने से खंभे नीचे से खोखले हो गए। इन्हीं खंभों पर लगी बिजली लाइन से पूरे क्षेत्र में आपूर्ति होती है। अब स्थिति यह है कि खंभे आंधी चलने पर हिलने लगते हैं। ऐसे में हर समय खंभों के गिरने का डर बना है। कहा कि हालांकि कार्यदायी संस्था पीएमजीएसवाई ने करीब पांच माह पूर्व ऊर्जा निगम को खंभे दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए 6 लाख 30 हजार रुपये जारी कर दिए हैं। मगर अभी तक निगम अभी तक लाइन शिफ्ट नहीं कर पाया है। वहीं, उर्जा निगम के इंजीनियर मुनीष कुमार ने कहा कि बिजली लाइन शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। नई लाइन बिछाने के लिए सामान मंगा दिया है।

743 अभ्यर्थी देंगे पीएचडी प्रवेश परीक्षा

टिहरी, एजेंसी। पहली बार हो रही श्रीदेव सुमन विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 743 अभ्यर्थी शामिल होंगे। 17 विषयों में 109 सीटों के लिए 25 जून को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। विवि ने ऋषिकेश कैंपस को परीक्षा केंद्र बनाया है। इन दिनों विवि प्रशासन प्रवेश परीक्षा की तैयारियों में जुटा हुआ है। 100 अंकों की प्रवेश परीक्षा होगी। प्री-पीएचडी के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे। पहला विषय से संबंधित और दूसरा पेपर रिसर्च मेथड का होगा। श्रीदेव सुमन विवि पहली बार ऋषिकेश कैंपस में वनस्पति, रसायन, भौतिक, भू-गर्भ, जंतु विज्ञान, कॉमर्स, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी, इतिहास, गणित, संगीत, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, समाज शास्त्र विषयों में प्री पीएचडी कराने जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीपी श्रीवास्तव ने बताया कि पीएचडीसी प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि पांच जून तक निर्धारित की गई थी। अंतिम तिथि तक 743 अभ्यार्थियों ने आवेदन किया है जिसमें से 412 अभ्यर्थी शुल्क भी जमा कर चुके हैं। बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारियां अंतिम चरण में है। आवेदनपत्रों की जांच कर जल्द ही अभ्यर्थियों को प्रवेशपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

घायल बच्चे को उठाने की कोशिश करती रही हथिनी, सड़क हुई जाम, वीडियो वायरल हुआ तो पहुंची टीम

कोटद्वार, एजेंसी। कोटद्वार दुगड्डा के बीच यातायात थोड़ी देर के लिए इस वक्त रोक दिया गया, जब एक हथिनी अपने बच्चे को उठाने की कोशिश कर रही थी। हाथियों का झुंड खोह नदी में पानी पीने के लिए उतरा था। तभी एक बच्चा फिसलने से घायल हो गया। शनिवार देर शाम को सिद्धबली मंदिर के सामने से बच्चे समेत हाथियों का एक झुंड खोह नदी में पानी पीने के लिए उतरा। पानी पीने के दौरान फिसलने से शिशु हाथी घायल हो गया। देर शाम तक हथिनी अपने बच्चे को उठाकर खड़ा करने का प्रयास करती रही, लेकिन वह खड़ा नहीं हो पा रहा था। रेंज अधिकारी अजय ध्यानी ने बताया कि सिद्धबली मंदिर के पास हथिनी और उसके बच्चे की लोकेशन मिली है। वन कर्मियों को मौके पर भेजा गया है। बताया कि शाम करीब छह बजे हाथियों का झुंड तिलवाढांग वन चौकी के पास से खोह नदी में पानी पीने के लिए उतरा था। सड़क पर हाथियों को देखते ही कोटद्वार दुगड्डा के बीच यातायात थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया था। इस दौरान हाथियों के झुंड के साथ चल रहा शिशु हाथी लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना रहा। यह शिशु हाथी कई दिनों से अपनी मां के साथ आसपास के जंगल में घूम रहा है। कई दिन पहले इसकी वीडियो भी वायरल हुई थी। शनिवार शाम को शिशु हाथी के घायल होने की सूचना मिली है।

चार धाम यात्रा के दौरान यहां जाना न भूलें, भगवान कार्तिकेय की पूजा के साथ देखने को मिलेगा दृश्य

रूद्रप्रयाग, एजेंसी।
देवभूमि उत्तराखंड में इन दिनों चार धाम यात्रा जोरों पर है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने आराध्य देवों के दर्शन को पहुंच रहे हैं। चार धाम यात्रा के दौरान आप अपने अराध्य शिव के पुत्र कार्तिक के इस मंदिर में भी जा सकते हैं।

राज्य के कनकचौरी, रुद्रप्रयाग के पास एक पहाड़ी की चोटी पर बसा है कार्तिक स्वामी मंदिर। यह मंदिर राज्य में भगवान शिव के पुत्र भगवान कार्तिक को समर्पित सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है। क्रौंच पर्वत के ऊपर स्थित मंदिर भगवान कार्तिक को श्रद्धांजलि देता है, जिसे भारत के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा या भगवान मुरुगन के रूप में भी जाना जाता है और उनके माता-पिता के प्रति समर्पण है। इस मंदिर के बारे में कई

कहानियां प्रचलित हैं। इनमें से सबसे लोकप्रिय उस युग की है जब भगवान शिव और देवी पार्वती के दो पुत्रों - भगवान कार्तिक और भगवान गणेश को ब्रह्मांड की सात बार परिक्रमा करने के लिए कहा गया था। भगवान कार्तिक ने ब्रह्मांड के सात चक्कर लगाने के चुनौतीपूर्ण कार्य को अंजाम देते हुए परिक्रमा की शुरुआत की जबकि भगवान गणेश ने अपने माता-पिता को अपना ब्रह्मांड बताते हुए उनके चक्कर लगाए। जब भगवान कार्तिक वापस लौटे और उन्हें पता चला कि कैसे भगवान गणेश ने कार्य पूरा किया और भगवान शिव की प्रशंसा प्राप्त की, तो वे क्रोधित हो गए। पुराणों के अनुसार, इस हार से क्रोधित होकर भगवान कार्तिक अपने माता-पिता के निवास कैलाश को छोड़कर क्रौंच पर्वत पर पहुंचे और इसके बाद, वह दक्षिण भारत में श्रीशैलम नाम के एक पर्वत पर गए, जहां उन्हें भगवान मुरुगा, भगवान मुरुगन और भगवान सुब्रमण्य के अलावा उनके कई नामों में से एक स्कंद के नाम से जाना जाता था।

मंदिर के पुजारी के अनुसार, कहा जाता है कि भगवान कार्तिक इतने क्रोधित थे कि उन्होंने अपने माता-पिता को खुश करने के लिए क्रौंच पर्वत पर अपने शरीर से मांस का दान कर दिया था इसलिए यहां भगवान कार्तिकेय की हड्डी स्वरूप की पूजा की जाती है। पुजारी जी ने बताया कि भगवान के मांस त्यागने के बाद देवों ने उन्हें मक्खन और घी का लेप लगाया तब से ही भगवान को मक्खन का भोग लाया जाता है।

यहां आप भगवान कार्तिकेय की पूजा के साथ-साथ पहाड़ से सुंदर वादियों को निहार सकते हैं। इसके साथ ही आप ट्रैकिंग, ग्रामीण क्षेत्र में रुकने का आनंद व सुंदर पक्षियों को भी देखने का लुफ्त उठा सकते हैं।

पेपर लीक मामले में ईडी की बिजनौर में बड़ी कार्रवाई, मास्टरमाइंड केंद्रपाल के घर पर मारा छापा

देहरादून, एजेंसी। यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार केंद्रपाल फिलहाल सुद्धोवाला जेल में बंद है। मंगलवार सुबह ईडी ने मास्टरमाइंड केंद्रपाल के घर धामपुर में छापा मारा।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में ईडी ने बिजनौर में बड़ी कार्रवाई की। मास्टरमाइंड केंद्रपाल के घर धामपुर में ईडी ने छापा मारा। केंद्रपाल के घर पर पेपर याद कराने के लिए सेंटर बनाया गया था। एसटीएफ ने पिछले साल केंद्रपाल को गिरफ्तार किया था।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार केंद्रपाल फिलहाल सुद्धोवाला जेल में बंद है। ईडी की टीम मौके पर लोगों से सघन पूछताछ में जुटी है। बताया गया कि मुख्य आरोपी की पत्नी को हिरासत में लेकर पंजाब नेशनल बैंक मंडी शाखा में पहुंच कर टीम ने बैंक अकाउंट और लॉकर खंगाला है।

साल 2021 में उत्तराखंड में हुए पेपर लीक के मामले में धामपुर निवासी केंद्र पाल मुख्य भूमिका में था। करीब 8 महीने पहले एसटीएफ देहरादून ने उसे बिजनौर जेल से जमानत पर ले जाकर अपने यहां हिरासत में ले लिया था। केंद्र पाल तभी से देहरादून की एसटीएफ की हिरासत में बंद है।

केंद्र पाल पर पेपर लीक कराने के बदले मोटी रकम कमाने के आरोप लगे थे। तभी एसटीएफ ने केंद्र पाल सहित अन्य आरोपियों की ईडी से संपत्ति जांच की मांग की थी। इस मामले में धामपुर निवासी सहारनपुर के जल संस्थान में तैनात जूनियर इंजीनियर ललित राज शर्मा भी देहरादून की जेल में बंद है। ललित राज के घर पर आरोपियों ने परीक्षा केंद्र बनाकर दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों को परीक्षा कराई थी।

यात्री बनकर यूपी से बदरीनाथ धाम आया बदमाश, दिया अपराध को

गोपेश्वर, एजेंसी। बदरीनाथ धाम की यात्रा में यात्रियों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। यात्रियों की भीड़ के साथ अपराधी किस्म के लोग भी धाम में यात्रियों के वेश में पहुंच गए हैं। यूपी के बरेली से आए एक युवक को श्रद्धालुओं की जेब काटने व दुकान में चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया गया कि आरोपित यहां के होटलों में ठहरता था तथा दर्शनों के लिए लाइन या तप्त कुंड में जाकर जेब पर हाथ साफ करता था।

बदरीनाथ धाम में दर्शनों के दौरान व तप्त कुंड के आसपास से पिछले कई दिनों से यात्रियों के कपड़ों से जब कटने सहित सामान गायब होने की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। लेकिन यात्री पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराते थे। बीते दिनों बदरीनाथ धाम के तप्त कुंड के पास स्थित एक प्रसाद, माला की दुकान के गल्ले से अज्ञात चोर द्वारा 35 हजार रुपए नकद व अन्य कीमती सामान को चोरी किए जाने की शिकायत थाना बदरीनाथ में दर्ज कराई गई।

पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने धाम में आपराधिक घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित कर कार्रवाई को कहा। क्षेत्राधिकारी चमोली प्रमोद शाह ने मामले में कोतवाल कैलाश चंद्र भट्ट के साथ टीम के अन्य सदस्यों को यात्रियों की भीड़-भाड़ वाले स्थानों में सादी वर्दी में रहने को कहा। वहीं सीसीटीवी भी खंगाली गई। तो चोरी के मामले में एक संदिग्ध श्रद्धालु पुलिस की रडार पर आ गया।

बताया गया कि यह संदिग्ध कई बार दर्शनों को जाते देखा गया। पुलिस ने बदरीनाथ धाम से बामणी गांव की तरफ जाने वाले रास्ते पर सरकारी अस्पताल के पास उक्त संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ व तलाशी में आरोपित के कब्जे से चोरी की राशि व सामान बरामद हुआ। आरोपित ने अपना नाम राहुल श्रीवास्तव पुत्र सिद्धेश्वर श्रीवास्तव निवासी 155/156 ए वीर सावरकर नगर निकट डेलापीर चौक थाना-इज्जत नगर, जिला- बरेली उत्तर प्रदेश बताया।

आरोपित के पास से चोरी के 35000 हजार रुपयों के अलावा एक टेबलट, एक एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन, एक इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, दो चांदी के सिक्के व अन्य कीमती सामान व दस्तावेज बरामद हुआ। चोरी किए गए माल बरामदगी के आधार पर आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

भोले के पर्व के लिए तैयारियां शुरू, उत्तराखंड पुलिस ने केंद्र से मांगी 10 पैरामिलिट्री कंपनियां

देहरादून, एजेंसी।
आगामी जुलाई महीने से शुरू होने का जा रही कांवड़ को देखते हुए पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों और कानून एवं शांति व्यवस्था को देखते हुए जनपदों के वरिष्ठ व पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग का आयोजन किया।

इस दौरान डीजीपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा में सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय से 10 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स मांगी गई है। उन्होंने बताया कि आगामी 16 जून को कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक बुलाई गई है, जिसमें पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश, हिमाचल, हरियाणा, जम्मू कश्मीर सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

इसके अलावा डीजीपी ने निर्देशित किया कि सत्यापन अभियान बृहद स्तर पर लगातार एवं प्रभावी रूप से चलाया जाए। सत्यापन प्रक्रिया त्वरित गति से करने एवं संबंधित राज्य से सत्यापन रिपोर्ट समय से प्राप्त करने के लिए अन्य राज्यों को सकुर्लर जारी किए जाने का निर्णय लिया गया है। वहीं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के

विरुद्ध अन्य विभागों से सामंजस्य स्थापित कर कार्रवाई की जाए।

कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ एवं उकसाने वाले वीडियो बनाने वाले लोगों की काउंसलिंग के साथ ही कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। सभी जिलों के इंटरनेट मीडिया मानिटरिंग सेल को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किये गए।

कानून का उल्लंघन करने वाले को किसी भी दशा में बख्शा न जाए। हिंसा, जन संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। हेट स्पीच के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के क्रम में स्वतः संज्ञान लेते हुए तुरंत मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

तल्ली हल्द्वानी और फूलचौड़ क्षेत्र में छह घंटे बिजली गुल

हल्द्वानी, एजेंसी। तल्ली हल्द्वानी और फूलचौड़ क्षेत्र में विद्युत अनुरक्षण कार्यों के चलते सोमवार को छह घंटे के लिए विद्युत आपूर्ति प्रभावित रही। इस कारण हजारों की आबादी भीषण गर्मी से बेहाल रही। बिजली आपूर्ति बाधित होने से नलकूपों का संचालन भी बंद रहा। इस कारण लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा।

ऊर्जा निगम ग्रामीण शाखा के अंतर्गत टीपीनगर और फूलचौड़ फीडर से जुड़ी विद्युत लाइनों में ट्री लॉपिंग का कार्य किया जा रहा है। इस कारण सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक विभिन्न क्षेत्रों में शटडाउन लिया गया। भीषण गर्मी के मौसम में बिजली गुल होने से कूलर, पंखा, फ्रिज आदि उपकरण नहीं चल पाए। ऐसे में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इनवर्टर भी दो से तीन घंटे में जवाब दे गए। स्थानीय लोगों ने विद्युत कटौती के खिलाफ रोष जताया है। उर्जा निगम ग्रामीण डिवीजन के ईई डीडी पांगती ने बताया कि ट्री लॉपिंग कार्य के चलते तल्ली हल्द्वानी और फूलचौड़ क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रही।

ट्री लॉपिंग कार्य के चलते धनपुरी और जजफार्म क्षेत्र में मंगलवार सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इस दौरान पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित होने के आसार हैं।

प्रदेश में एक दिन में 78 स्थानों पर लगी जंगल में आग, 647 पर पहुंचा वनाग्नि का आंकड़ा

देहरादून, एजेंसी।
बीते छह दिनों में वनाग्नि की 171 से अधिक मामले दर्ज किए गए, जबकि बीते 24 घंटे में गढ़वाल में 34, कुमाऊं में 41 और संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में तीन जगह आग लगी है। वनाग्नि की घटनाओं में 98 हेक्टेयर वन क्षेत्रफल को नुकसान पहुंचा है। साथ ही दो लाख 30 हजार रुपये के आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया।

प्रदेश में प्रचंड गर्मी के साथ वनाग्नि की घटनाओं में अचानक तेजी आ गई है। बीते 24 घंटे में वनाग्नि की 78 घटनाएं दर्ज की गईं, जो इस वनाग्निकाल में एक दिन में दर्ज सर्वाधिक घटनाएं हैं। प्रदेश में वनाग्नि का आंकड़ा 647 पर पहुंच गया है। बीते कुछ दिनों से रोज तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। साथ ही प्रदेश में वनाग्नि की घटनाएं

भी बढ़ने लगी हैं। बीते छह दिनों में वनाग्नि की 171 से अधिक मामले दर्ज किए गए, जबकि बीते 24 घंटे में गढ़वाल में 34, कुमाऊं में 41 और संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में तीन जगह आग लगी है। वनाग्नि की घटनाओं में 98 हेक्टेयर वन क्षेत्रफल को नुकसान पहुंचा है। साथ ही दो लाख 30 हजार रुपये के आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया। एक नवंबर 2022 से शुरू हुए वनाग्निकाल में अब तक 647 वनाग्नि की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें कुल 769 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा, जबकि करीब 19 लाख 59 हजार रुपये की आर्थिक क्षति का आकलन किया गया है। प्रदेश में वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं पर पूर्व सीएम हरीश रावत ने चिंता जताते हुए कहा कि इन दिनों पौड़ी, अल्मोड़ा और नैनीताल अंचल के भ्रमण पर हैं। रास्ते में जगह-जगह जंगल जलते हुए दिखाई दिए हैं। कहा, वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं से जहां एक तरफ प्रकृति को नुकसान पहुंच रहा, वहीं जल स्रोत सूखने से जल संकट भी पैदा हो रहा है।

प्रशासन ने नहीं सुनी तो खुद पैदल मार्ग दुरुस्त करने में जुट गए ग्रामीण

चमोली, एजेंसी। पिलखी गांव का पैदल रास्ता दुरुस्त करने के लिए ग्रामीणों ने कई बार विभाग और प्रशासन से कहा। मगर इस संबंध में कोई कार्रवाई न होता देख उर्गम घाटी के पिलखी गांव के ग्रामीण एकजुट हुए और गैंती, सब्बल और फावड़ा उठाकर श्रमदान करके पैदल मार्ग दुरुस्त करने में जुट गए। पहले दिन ग्रामीणों ने करीब आधा किमी तक रास्ते का सुधारीकरण किया।

पीएमजीएसवाई की ओर से बनाई जा रही भर्की, भेंटा चक उर्गम सड़क कटिंग से पिलखी गांव का पैदल रास्ते का काफी हिस्सा ध्वस्त हो गया था जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने विभाग और प्रशासन से कई बार रास्ता दुरुस्त करने की मांग की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

धारी देवी और राजराजेश्वरी मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य का होगा शिलान्यास

पौड़ी, एजेंसी। भाजपा की ओर से आयोजित श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में पिछले लोक सभा चुनाव से ज्यादा मतों से जीत दर्ज करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने के टिप्स दिए। शनिवार देर शाम खिर्सू में भाजपा संयुक्त मोर्चा सम्मेलन हुआ। इस दौरान डॉ. रावत ने कहा कि बिनसर महादेव मंदिर में जल्द ही 5,000 लोगों का भंडारा रखा जाएगा। उसके बाद धार्मिक-पर्यटन सर्किट के तहत धारी देवी मंदिर और देवलगढ़ स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने सभी अलग-अलग मोर्चों को महापुरुषों की याद में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा टिंचरी माई, युवा मोर्चा पंथ्या दादा व बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ मोलाराम तोमर पर कार्यक्रम आयोजित करे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुषमा रावत और संचालन खिर्सू मंडल महामंत्री मनीषा बहुगुणा ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक लखपत भंडारी, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर जोशी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संपत रावत व जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र रावत आदि ने विचार व्यक्त किए।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर आस्था से खिलवाड़, पकड़े जा रहे शराब तस्कर

रुद्रप्रयाग, एजेंसी।
केदारनाथ यात्रा पड़ावों पर प्रतिबंध के बावजूद शराब बिक्री के मामले सामने आ रहे हैं। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद से अब तक डेढ़ माह के अंतराल में ऐसे 19 मामले पकड़ में आ चुके हैं।

इस दौरान 61 पेटी यानी 728 बोतल अंग्रेजी शराब पकड़ी गई। इनमें सात पेटी शराब पुलिस ने रविवार को गौरीकुंड (केदारनाथ) हाईवे पर काकड़ागाड़ और ऊखीमठ में पकड़ी। साथ ही चार शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से केदारनाथ यात्रा पड़ावों पर शराब तस्कर सक्रिय हैं। सोनप्रयाग, गौरीकुंड, रामपुर, फाटा, सीतापुर समेत विभिन्न यात्रा पड़ावों पर चोरी-छिपे शराब की बिक्री की जा रही है। पुलिस ने भी शराब तस्करों के विरुद्ध अभियान छेड़ रखा है। एसओजी और यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले सभी थानों के प्रभारी लगातार दबिश दे रहे हैं। बावजूद इसके शराब तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही। रविवार को एसओजी ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गौरीकुंड हाईवे पर ऊखीमठ के काकड़ागाड क्षेत्र में नेपाली मूल के दो व्यक्तियों को 48 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार किया। दूसरी तरफ, ऊखीमठ थाने के पास भी पुलिस ने चेकिंग के दौरान नेपाली मूल के दो व्यक्तियों से 30 बोतल शराब बरामद की। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपितों की पहचान सुभाष बुड़ा, सूरज बुड़ा, कोश बहादुर और अर्जुन बहादुर के रूप में हुई, जोकि गौरीकुंड और सोनप्रयाग में रहते हैं। वह यात्रा पड़ावों पर बिक्री के लिए शराब ले जा रहे थे। दोनों मामलों में आरोपितों के विरुद्ध ऊखीमठ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक डा. विशाखा अशोक भदाणे का कहना है कि यात्रा मार्ग पर शराब तस्करी के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। अब तक जो शराब पकड़ी गई है, उसकी अनुमानित कीमत 4.73 लाख रुपये है। वहीं हरिद्वार में कनखल के जगजीतपुर क्षेत्र में शराब ठेके के आसपास खुलेआम सड़क पर जाम छलकाने वालों पर पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की। ऐसे 21 पियक्कड़ों को पकड़कर उन पर जुर्माना लगाया गया। थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि ठेके के आसपास कई दिन से खुले में शराब पीने की शिकायतें मिल रही थी।

अधिकार बताकर बाल विवाह रोकने के लिए जागरूक कर रहे बाल विधायक

देहरादून, एजेंसी।
छोटी सी उम्र में बाल विधायक बड़े काम कर रहे हैं। चाहे बात शिक्षा की हो, बाल विवाह की या फिर बाल अधिकार की, समाज के लिए विभिन्न मुद्दों पर बाल विधायक बखूबी काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड में 14 से 18 साल के कुल 70 बाल विधायक इन मुद्दों पर काम कर रहे हैं। इनमें 37 लड़कियां और 33 लड़के हैं। देहरादून में 10 बाल विधायक लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने बताया कि आयोग और प्लान इंडिया की ओर से यह बाल विधायक चुने गए हैं। बाल विधायकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। छह महीने के डाटा के मुताबिक बाल विधायकों ने बेहतर काम किया है। गैरसैंण विधानसभा में बाल विधानसभा सत्र का आयोजन हुआ था। इसमें बाल विधायकों ने सभी कार्यों की रूपरेखा देखी और पूरी विधानसभा का भ्रमण किया। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने बाल विधानसभा को वृहद रूप देने की बात कही है। डॉ. गीता ने बताया कि बाल विधायक पूरी प्रक्रिया से चुने गए हैं। सभी बाल विधायकों को आईडी दी गई है। उन्हें समाज की बारीकियां, मुश्किलों के साथ ही यह भी पता चल रहा है कि एक विधायक किस तरह काम करता है और कमियों को दूर करने के लिए किस तरह से काम करना चाहिए।

शिल्पकारों को सम्मानित कर बोले सीएम केजरीवाल, रोजगार पैदा करने में बड़ी भूमिका निभा सकती है हस्तशिल्प कला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

हस्तशिल्प कला को अपना करियर बनाने वाले शिल्पकारों को मंगलवार को उनकी बेहतरीन कलाकारी का सम्मान मिला। सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सचिवालय में हस्तशिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 16 कलाकारों को स्टेट अवार्ड और स्टेट मेरिट अवार्ड 2020 व 2021 देकर सम्मानित किया। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश में बेरोजगारी बहुत बढ़ गई है। ऐसे में बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने में हस्तशिल्प कला बहुत बड़ी भूमिका निभा सकती है। इसके लिए जरूरी है कि सरकार भी हस्तशिल्प कलाकारों को प्रोत्साहित करे। अगर सरकार शिल्पकारों को आर्थिक मदद के साथ उनको स्किल ट्रेनिंग दे देती है तो हस्तशिल्प के क्षेत्र में बड़े स्तर पर रोजगार पैदा हो सकता है। दिल्ली सरकार इस दिशा में काम करेगी। दिल्ली में हजारों हस्तशिल्प कलाकार हैं। सभी को एक मंच पर लाने के लिए जल्द योजना बनाई जाएगी। इस अवसर पर उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज समेत उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हस्तशिल्प कलाकारों को सम्मानित कर सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री होने के नाते मैं दिन-रात यही सोचता हूं कि लोगों को कैसे ज्यादा से ज्यादा रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मुहैया कराए जाए। मैं सोचता हूं कि अगर सरकार की तरफ से बड़े स्तर पर हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन मिले तो यह रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली सरकार अपने हस्तशिल्प कलाकारों को दिल्ली हाट जैसे स्थानों पर अपना प्रोडक्ट प्रदर्शित करने के लिए जगह देती है। साथ ही उन्हें पुरस्कार देकर प्रोत्साहित भी करती है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कलाकारों के साथ ये चर्चा भी होनी चाहिए कि वे अपनी कला को बड़े स्तर पर कैसे ले जा सकते हैं? मुझे लगता है कि पैसे की जरूरत पड़ती होगी। अगर हम ठीक से आर्थिक मदद मुहैया करा सकें तो कलाकार अपनी कला को कई गुना बढ़ा सकते हैं। मसलन, कई कलाकारों का कहना है कि उनको एक प्रोडक्ट तैयार करने में कई बार एक महीने का समय लग जाता है। अगर सरकार कलाकारों को उनकी क्षमता बढ़ा दे तो वे एक साथ कई लोगों को रोजगार देकर एक समय पर एक तरह के कई सारे प्रोडक्ट बना सकते हैं। साथ ही, वे अपनी कला को दूसरे लोगों को सिखा सकते हैं, उनका गुरु बन सकते हैं। इससे कई लोगों को रोजगार मिलने के साथ ही बड़ी संख्या में प्रोडक्ट भी तैयार किए जा सकेंगे।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हस्तशिल्प कला एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निवेश की इतनी जरूरी नहीं है, जितना कि कलाकारों की अच्छी कला की जरूरत है। इसलिए हस्तशिल्प कला के अंदर स्किल ट्रेनिंग की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। अगर एक तरफ हम हस्तशिल्प कलाकारों को समय से वित्तीय सहायता मुहैया करा सकें और दूसरी तरफ बड़े स्तर पर स्किल ट्रेनिंग दे सकें तो हम इस क्षेत्र में बड़े स्तर पर रोजगार मुहैया करा सकते हैं। हम हस्तशिल्प कला को दिल्ली सरकार की स्टार्ट-अप योजना में भी शामिल कर सकते हैं। सरकार की जानकारी में दिल्ली में 20 हजार से ज्यादा हस्तशिल्प कलाकार हैं। इसके अलावा भी बहुत सारे युवा कुछ न कुछ रचनात्मक कार्य जरूर कर रहे हैं। अगर हम विज्ञापन के जरिए सभी कलाकारों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं तो दिल्ली में करीब 2 लाख कलाकार मिल जाएंगे। अगर इन कलाकारों की रचनात्मकता को ही उनका रोजगार बना दिया जाए तो उन्हें रोजगार भी मिलेगा और उनकी रचनात्मकता भी बढ़ेगी। हम इस दिशा में कार्य करेंगे और जल्द ही बैठक कर इस पर प्लान बनाया जाएगा।

सीएम ने हर काउंटर पर जाकर शिल्पकारों की देखी कला

अवार्ड समारोह के दौरान शिल्पकारों ने अपने प्रोडक्ट को भी प्रदर्शित किया। शिल्पकारों को सम्मानित करने से पहले सीएम अरविंद केजरीवाल ने सभी सम्मानित शिल्पकारों के काउंटर पर जाकर उनके प्रोडक्ट को देखा। सीएम ने कहा कि मैं एक-एक काउंटर पर जाकर कलाकारों की कला को देखा। सभी कलाकारों ने बहुत ही खूबसूरत चीजें बनाई हैं। किसी ने मधुबनी की पेंटिंग तो किसी ने कैमल बोन से हार बनाया हुआ है। इस तरह की कई मनमोहक कलाकारी देखने को मिली। सरकार हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए शिल्पकारों को करती है सम्मानित दिल्ली सरकार का उद्योग आयुक्त कार्यालय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने दिल्ली के उत्कृष्ट हस्तशिल्प कारीगरों को राज्य पुरस्कार देता है। सरकार द्वारा शिल्पकारों को अपनी विरासत को संरक्षित करने, शिल्पकारों के उत्कृष्ट योगदान, शिल्प कौशल और शिल्प के विकास को पुनर्गठित करने, कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए ये पुरस्कार दिए जाते हैं। इस अवॉर्ड को हासिल करने के लिए कारीगरों से आवेदन मांगे गए थे। प्राप्त शिल्पकारों के कार्य स्थल का निरीक्षण करने के लिए उद्योग आयुक्त की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एक निरीक्षण कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने राज्य पुरस्कार के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों में दी गई जानकारियों को सत्यापित किया। इसके बाद राज्य पुरस्कार के लिए शिल्पकारों से प्राप्त हस्तशिल्प वस्तुओं को चयन कमेटी के सामने चयन करने के लिए प्रदर्शित किया गया। दिल्ली सरकार कलाकारों को देती है स्टेट और स्टेट मेरिट अवार्ड दिल्ली सरकार हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिल्पकारों को हर साल अवार्ड देकर सम्मानित करती है। सरकार द्वारा स्टेट अवार्ड और स्टेट मेरिट अवार्ड दिया जाता है। स्टेट अवार्ड के तहत तीन शिल्पकारों को और स्टेट मेरिट अवार्ड से पांच शिल्पकारों को सम्मानित किया जाता है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आज आयोजित समारोह में भी स्टेट और स्टेट मेरिट अवार्ड से शिल्पकारों को सम्मानित किया। स्टेट अवार्ड के तहत प्रत्येक शिल्पकार को 30 हजार रुपए, अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र दिया गया, जबकि स्टेट मेरिट अवार्ड के तहत प्रत्येक को 20 हजार रुपए, अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र दिया गया।

स्टेट अवार्ड 2020 से ये हुए सम्मानित स्टेट अवार्ड 2020 से राजीव वर्मा, अंजू देवी और बबुद्दीन को सम्मानित किया गया। राजीव वर्मा को मेटल क्रॉफ्ट में पीलत का मटका बनाने, अंजू देवी को टेरा कोटा में मटका बिंदरी वर्क और बबुद्दीन को वुड वेयर में फ्रेम मिरर बनाने के लिए सम्मानित किया गया।

स्टेट मेरिट अवार्ड 2020 से ये हुए सम्मानित स्टेट मेरिट अवार्ड के तहत पांच लोग सम्मानित हुए। शिल्पकार कहकशां को कैमल बोन ज्वैलरी में नेकलेस सेट, विक्की को एप्लिके वर्क में वॉल पीस, कुमारी दीपा को मधुबनी पेंटिंग में कृष्ण लीला, गोबिंद कुमार झा को मधुबनी पेंटिंग में शिव भक्त द्वादेश, पायल वैष्णव को तंजौर पेंटिंग में बिहारी जी बनाने के लिए सम्मानित किया गया।स्टेट अवार्ड 2021 से ये हुए सम्मानित इस दौरान स्टेट अवार्ड 2021 के तहत भी तीन शिल्पकारों को सम्मानित किया गया। इसमें धर्म चंद को टेरा कोटा में बिग हुक्का, मोहम्मद मार्धूब को वुड क्रॉफ्ट में मिरर फ्रेम और ज्योति लाल कर्ण को मधुबनी पेंटिंग में ट्री ऑफ लाइफ बनाने के लिए सम्मानित किया गया। स्टेट मेरिट अवार्ड 2021 से ये हुए सम्मानित इसी तरह स्टेट मेरिट अवार्ड 2021 के अंतर्गत पांच शिल्पकार सम्मानित किए गए। इसमें जुनैद नबी को बांस शिल्प में सीधी बांसुरी, रितेश कुमार को कृत्रिम ज्वैलरी में रानी हार, ईशा गुप्ता को क्रोकेट क्रॉफ्ट में पोर्ट्रेट ऑफ पैरेंट्स, राजेश कुमार को सिक्की ऑर्ट में दिल्ली दर्शन और स्निग्धा को मधुबनी पेंटिंग में ट्री ऑफ लाइफ बनाने के लिए सम्मानित किया गया।

कलाकार मन से बहुत भोला और साफ दिल का होता है- अरविंद केजरीवाल

इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कई कलाकार से बात भी की। सीएम ने उनसे उनकी कला और प्रोजेक्ट पर हुए खर्च के बारे में जानकरी ली। सीएम ने कहा कि मैंने एक कलाकार से पूछा कि आपने कितने रुपए खर्च कर प्रोडक्ट को बनाया है और कितने रुपए में बेचेंगे? इस पर उस कलाकार कहना था कि उसे नहीं पता कि प्रोडक्ट को बनाने में कितने रुपए खर्च हुए। उसने बताया कि वो अपनी कला को नहीं बेचेगा, बल्कि दान करेगा। इससे यह पता चलता है कि एक कलाकार मन से बहुत भोला और साफ दिल का इंसान होता है। कोई कलाकार बनता ही तब है जब उसके अंदर ये सारे गुण होते हैं, क्योंकि कला तो आत्मा से निकलती है। आज पुरस्कृत ज्यादातर कलाकारों ने अपने पिता या गुरु से कला सीखी है। हमारे देश में सदियों से चली आ रही गुरु-शिष्य की परंपरा आज भी जीवित है।

चार महिला पहलवानों ने सौंपे बृजभूषण के खिलाफ साक्ष्य

नई दिल्ली। बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली छह महिला पहलवानों में से चार ने दिल्ली पुलिस को ऑडियो, वीडियो के साक्ष्य उपलब्ध करा दिए हैं। साथ ही महिला पहलवानों ने दिल्ली पुलिस को व्हाट्स एप चैट भी सुबूत के रूप में सौंपे हैं। दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवानों से हाल ही में वह साक्ष्य सौंपने के लिए कहा था, जो उनके आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त हों। सूत्रों के अनुसार साक्ष्य मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने इन्हें खिलाड़ियों के आरोप को साबित करने के लिए अपर्याप्त बताते हुए और सबूत देने की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि महिला खिलाड़ी अपने पक्ष में जितने साक्ष्य दे सकेंगे केस उतना ही अधिक मजबूत होगा। वहीं दो महिला पहलवानों ने अब तक कोई साक्ष्य नहीं दिया है। इधर बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन शोषण मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस को 15 जून तक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करनी है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में मीटिंग चल रही है। पुलिस सूत्रों की मानें तो पिछले 15 दिनों से रोजाना इस मामले पर वरिष्ठ अधिकारी जांच टीमों से मीटिंग में रिपोर्ट ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और गृह मंत्री अमित शाह से पहलवानों की मुलाकात के बाद मामले की जांच में तेजी आई है।

सूत्रों की मानें तो दिल्ली पुलिस के लिए इस मामले की जांच बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई है। कारण यह है कि 2012 से लेकर 2022 तक के दौरान की गई कथित तौर पर छेड़छाड़ के मामले में महिला खिलाड़ियों ने सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप लगाए हैं। इस मामले में ठोस सुबूत का अभाव है और उनकी जांच भी कठिन है। दूसरी तरफ इतने ही सुबूतों के आधार पर आंदोलनरत खिलाड़ी सांसद की गिरफ्तारी का दबाव बनाए हुए हैं। पुलिस की समस्या यह है कि उसे जांच के आधार पर सुबूत माने गए हर एक मामले में न्यायालय को जवाब देना होगा। इसीलिए दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी फूंक फूंक कर कदम रख रहे हैं।

कालिंदी कुंज में गांजा तस्करी की सूचना पुलिस को देने पर मारी थी गोली, गिरफ्तार

नई दिल्ली। कालिंदी कुंज इलाके में तीन जून की रात को हुई फायरिंग के मामले में क्राइम ब्रांच ने तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनसे 4 पिस्तौल, 19 कारतूस, एक लाख रुपए और चोरी की एक स्कूटी बरामद की है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रीनिवासपुरी निवासी शूटर आरिफ, पश्चिम बंगाल निवासी सफीक अली संफई उर्फ बाबू हकला और मदनपुर खादर निवासी तरुण उर्फ रंजन के रूप में हुई है. पुलिस जांच में पता चला है कि बाबू हकला इलाके में गांजा बेचने का धंधा करता है. उसे पता चला कि उसके गिरोह के लोगों के बारे में मदनपुर खादर निवासी बबलू पुलिस को सूचना देता है. इस कारण उसमें बबलू की हत्या करवाने की साजिश रची. उसने अपने साथियों आरिफ और रंजन से संपर्क किया और तीन लाख रुपए की सुपारी दे दी. उसने एक लाख रुपए एडवांस दिए. बाबू हकला के कहने पर तारिक और रंजन ने तीन जून की रात बबलू पर हमला किया था. ये आरोपी लाजपत नगर में हुई 40 लाख रुपए की लूट मामले में भी वांछित थे. क्राइम ब्रांच के विशेष पुलिस आयुक्त आरएस यादव ने बताया कि तीन जून की रात कालिंदी कुंज में आरोपियों ने जिस वक्त बबलू पर हमला किया उस वक्त बबलू बाइक से अपने घर जा रहा था. अचानक गोली चलाए जाने से वह बाइक समेत गिर गया. आरोपियों ने युवक पर 6 गोलियां चलाई, जिनमें से एक गोली युवक के पैर में लगी. उसके बाद मौके पर कुछ होकर पहुंच जाने के कारण बदमाश भाग गए. जांच में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि तारिक ने अपनी गर्लफ्रेंड के घर में फ्रिज में दो पिस्तौल छुपा रखे थे. पुलिस पूछताछ पता चला है कि राजधानी दिल्ली में बिकने वाला गांजा विशाखापट्टनम से आता है. यह खेप डिलीवरी के माध्यम से भी आती है. कभी-कभी बाबू हकला गांजे की खेप लेने खुद भी विशाखापट्टनम जाता है. गांजे की खेप पकड़े जाने पर बाबू हकला को शक था कि बबलू पुलिस की मुखबिरी करता है, इसीलिए उसने हत्या की साजिश रच डाली. मोबाइल नंबर सर्विलांस के माध्यम से पुलिस ने सबसे पहले आरिफ को गिरफ्तार किया. इसके बाद उसकी निशानदेही पर बाकी अन्य आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए.

न्यूयॉर्क, ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग की तरह दिल्ली में भी होगी फूड ट्रक पॉलिसी, केजरीवाल ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

न्यूयॉर्क, ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग की तरह ही अब दिल्ली की भी अपनी फूड ट्रक पॉलिसी होगी। इसके तहत दिल्ली में रहने वाले लोग रात में भी विभिन्न लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। इस पॉलिसी के लागू होने से दिल्ली में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और दिल्ली की अर्थव्यवस्था भी बढ़ेगी। दिल्ली फूड ट्रक पॉलिसी 2023 को विस्तार से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया, जिसे सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। साथ ही सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस पॉलिसी के तहत जिन स्थानों पर फूड ट्रक की व्यवस्था की जाएगी, वहां सज्जा और साफ-सफाई का खास तौर पर ध्यान रखा जाएगा। प्रारंभिक तौर पर दिल्ली के 16 स्थानों पर फूड ट्रक योजना को लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे दिल्ली के अन्य स्थानों पर लागू किया जाएगा।

दिल्ली की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी फूड ट्रक पॉलिसी- अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली फूड ट्रक पॉलिसी पर ट्वीट कर कहा कि दिल्ली में अर्थव्यवस्था एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए बहुत जल्द दिल्ली सरकार ह्लफूड ट्रक पॉलिसीह्व ला रही है। इसे आज एक बैठक के दौरान मंजूरी दी गई है। इस योजना से दिल्लीवासियों को दिल्ली में देर रात भी लजीज भोजन उपलब्ध हो पाएगा। इसके अलावा बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

दिल्लीवालों के लिए दिल्ली सरकार बनाएगी फूड कल्चर हब पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल सरकार फूड ट्रक पॉलिसी लाने जा रही है। इससे दिल्ली में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और रात के समय में दिल्ली की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के तहत दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में फूट कोर्ट बनाए जाएंगे, जहां पर कई फूड ट्रक एकसाथ खड़े हो सकेंगे। साथ ही दिल्लीवालों के लिए फूड कल्चर हब्स बनाए जाएंगे। जिससे रात के समय में दिल्ली की अर्थव्यस्था और रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा। विदेशों की तर्ज पर दिल्ली में भी लोग उठाएंगे फूड ट्रक का लुत्फ अब जल्द ही दिल्ली में लोगों को घूमते-फिरते हुए खाने पीने के भरपूर व्यवस्था मिलेगी। क्योंकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फूट ट्रक पॉलिसी को अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब राजधानी आने वाले लोग दिल्ली में इन फूड ट्रक में मिलने वाले जायके का लुफ्त उठा सकेंगे। दुनिया के कई बड़े शहरों और पर्यटन जगहों पर पहले से ही फूड ट्रक का चलन रहा है। न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी, सैन फ्रांसिस्को, एम्स्टर्डम, ब्रुसेल्स, लंदन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, टोक्यो और हांगकांग समेत कई देशों में फूड ट्रक काफी प्रचलित हैं। इसी तर्ज पर अब केजरीवाल सरकार भी दिल्ली में फूड कल्चर को बढ़ावा देने के लिए ये पॉलिसी लाने जा रही है। जिससे कि दिल्ली में रहने वाले लोग भी विदेशों की तरह भारत के विभिन्न शहरों के फूड कल्चर का लुत्फ उठा सकें।

फूड ट्रक योजना का दिल्ली को ऐसे मिलेगा फायदा दिल्ली फूड ट्रक योजना का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को फूड ट्रक राजधानी बनाना है। फूड ट्रक योजना लाने के पीछे दिल्ली सरकार का मकसद है कि दिल्ली में छोटे-छोटे बिजनेस को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ, दिल्ली में रोजगार के अवसर पैदा हों और रात में दिल्ली की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले। दिल्ली के लोग किसी भी समय स्वादिष्ट जायकों का लुफ्त उठा सकें और राजधानी में फूड कल्चर प्रचलित हो। दिल्ली में 16 जगाहों पर बनाए जाएंगे फूड ट्रक हब्स फूड ट्रक योजना के संचालन के लिए दिल्ली सरकार अलग-अलग स्थानों पर फूड ट्रक हब बनाएगी।

50 लाख की लूट की गुत्थी सुलझी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले की एंटी नारकोटिक्स स्कवाडव एंटी ऑटो थेफ्ट स्कवाड की संयुक्त टीम ने प्रसाद नगर इलाके में हथियार के बल पर 50 लाख की लूट के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनमें से एक इन्फॉर्मर और दूसरा षड्यंत्रकारी है और तीसरा हत्या, लूट सहित कई मामलों में शामिल बदमाश है। पुलिस ने इनके पास से 31 लाख रुपए, सेमीऑटोमेटिक पिस्टल और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल को भी बरामद किया है। डीसीपी संजय कुमार सेन ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए लुटेरे की पहचान सुरेश उर्फ काला के रूप में हुई है। यह नजफगढ़ से आगे दिचाऊं का रहने वाला है। जबकि इसके दूसरे साथी की पहचान हितेंद्र सिंह के रूप में हुई है, यह उत्तर प्रदेश के शामली का रहने वाला है। पहले यह एक्साइज डिपार्टमेंट में कॉन्ट्रैक्ट बेसिक पर काम करता था। लॉकडॉउन में नौकरी गई,तो उसके बाद यह बेरोजगार हो गया। जबकि इसका दूसरा साथी श्याम करोलबाग का रहने वाला है और आरओ के कारोबार में शामिल है। यह तीनों ही आपस में गहरे दोस्त हैं, इनकी मुलाकात शामली में एक शादी समारोह में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, 19 मई को प्रसाद नगर इलाके में 50 लाख लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। जब एक फाइनेंस कंपनी के दो इम्प्लाई से वारदात को अंजाम दिया गया था। उस मामले में स्थानीय पुलिस पूरी जांच कर रही थी। उसमें नारकोटिक्स और एएटीएस की टीम भी लगी हुई थी। एसीपी ऑपरेशन ए के सिंह की देखरेख में पुलिस टीम दर्जनों सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आखिरकार इस वारदात को सुलझाने में कामयाब हुई। पुलिस ने वारदात वाली जगह से डंप डाटा निकाला और उसके आधार पर निकाले गए मोबाइल नंबर से भी मदद मिली और सबसे पहले पुलिस ने हितेंद्र सिंह के बारे में पता लगाया जो उत्तर प्रदेश के शामली का रहने वाला था। फिर पुलिस टीम ने उसके ठिकाने के बारे में पता लगाकर उसे दबोचा, उससे पूछताछ हुई तो उसने बताया कि उसका साथी श्याम यादव और सुरेश उर्फ काला लूट की इस वारदात में शामिल है। श्याम पटेल नगर का रहने वाला है लूटे गए कैश को पटेल नगर ले जाया गया था। पुलिस टीम ने फिर छापा मारकर श्याम को भी पकड़ा और उसके बाद सुरेश को भी दिचाऊं से पकड़ा गया। इन लोगों ने पुलिस को बताया कि लूट की योजना बनाने के बाद सुरेश ने अपनी बाइक की नंबर प्लेट चेंज की। उसी बाइक से सुरेश और हितेंद्र वहां पर वारदात को अंजाम देकर फिर फरार हो गए।

सौ रुपये न देने पर युवक को चाकू से गोदा

नई दिल्ली। वेलकम इलाके में सौ रुपये न देने पर बदमाशों ने युवक को चाकू से गोद दिया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। वेलकम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल 25 वर्षीय मुशर्रफ शेख को नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल मुशर्रफ शेख वेलकम इलाके में रहता है और कूड़ा बीनने का काम करता है। सोमवार रात को वह ठेली लेकर घर की तरफ जा रहा था, तभी कुछ बदमाशों ने उसे घेर लिया और सौ रुपये मांगने लगे। मुशर्रफ ने रुपये देने से इनकार किया तो बदमाशों ने उसे चाकू मारकर घायल कर दिया। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी खंगालकर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

कंफर्म टिकट का झांसा देकर सामान उड़ाने वाले दबोचे

नई दिल्ली। लोगों को कंफर्म टिकट दिलाने का झांसा देकर उनका सामान चोरी करने वाले पांच बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 17 मोबाइल, एक लैपटॉप और अन्य सामान बरामद हुआ है। आरोपी मो. फिरोज, संजीव कुमार उर्फ अब्दुल, अमरेंद्र कुमार, हर किशोर और भिखारी पासवान मूलतः बिहार के सीतामढ़ी और शिवहर के रहने वाले हैं।

पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि लखीमपुर खीरी यूपी के रहने वाले एक युवक ने 20 अप्रैल को लोधी गार्डन थाना पुलिस को शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन से जोर बाग मेट्रो स्टेशन जा रहे थे। तभी मेट्रो में दो लोग मिले। उन्होंने बताया कि वह भी उनके राज्य के ही रहने वाले हैं। उनका एक और साथी था, जिसे वह रेलवे में अधिकारी बता रहे थे। आरोपियों ने ट्रेन का कंफर्म टिकट दिलाने का झांसा दिया। फिर मेट्रो के बाहर आते ही एक ने सुरक्षा के नाम पर उनका बैग और मोबाइल ले लिया। जबकि दो लोग टिकट दिलाने की बात कहकर साथ ले गए। कुछ देर बाद वे फरार हो गए। पीड़ित वापस आया तो उसे कोई नहीं मिला। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और 11 जून को फिरोज को जनकपुरी से गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर चार अन्य आरोपियों को भी दबोच लिया गया।

फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 50 लाख की लूट, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

● सेंट्रल जिला पुलिस के डीसीपी संजय सैन ने इस लूट के मामले का खुलासा करते हुए

आसानी से रुपये कमाने की लालच में अंजाम की परवाह किए बिना इंसान कभी-कभी बड़ा जुर्म कर डालता है. ऐसा ही एक मामला राजधानी दिल्ली के सेंट्रल जिले से सामने आया है. यहां संत नगर स्थित दीनदयाल नामक फाइनेंस कंपनी के एक कर्मचारी से बाईक सवार दो बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर 50 लाख रुपए लूट लिए. दिल्ली पुलिस ने मामले में तीन लुटेरे सहित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है. दिल्ली के करोल बाग स्थित एक मकान के ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले श्याम यादव (30) ने अपने पड़ोसी को 50 लाख रुपये के लेनदेन की बात फोन पर करते हुए सुना. शॉर्टकट से रुपए कमाने का लालच देकर उसने अपने दो दोस्तों हितेंद्र (33) और सुरेश (44) को इसके बारे में जानकारी दी. तीनों ने मिलकर इस लूट की घटना को अंजाम देने का प्लान बनाया. इसके लिए पहले आरोपियों ने एक अपाचे मोटरसाइकिल का नम्बर प्लेट बदला. फिर शाम को 6:30 जैसे ही फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी रुपए से भरा बैग लेकर करोल बाग से रवाना हुआ. श्याम यादव ने दोनों लुटेरों को इसकी सूचना दे दी. दोनों ने पीछा करके कर्मचारी को पिस्तौल दिखाकर रुपए लूट लिए और फरार हो गए. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू किया. तमाम सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने यूपी के शामली से हितेंद्र, नजफगढ़ से सुरेश उर्फ काला और श्याम यादव को करोलबाग से गिरफ्तार कर लिया. इनके कब्जे से लूट के 32 लाख रुपए एक आटोमेटिक पिस्तौल और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद किया गया. सेंट्रल जिला पुलिस के डीसीपी संजय सैन ने इस लूट के मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस लूट का मुख्य साजिशकर्ता श्याम यादव है. वहीं हितेंद्र नामी बदमाश है जिस पर पहले से लूट और हत्या के कई मामलें दर्ज हैं. जबकि सुरेश शामली का रहने वाला है. इन तीनों की दोस्ती दस साल पहले युपी के शामली में हुई थी. फिलहाल पुलिस मामले में आगे की छानबीन कर रही है.

गोली मारकर टैक्सी ड्राइवर की हत्या

नई दिल्ली। द्वारका जिले के नजफगढ़ इलाके में आपसी रंजिश में देर रात कार सवार एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान धीरेंद्र उर्फ ढिल्लू (36) के रूप में हुई है। उसे माथे में गोली मारी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक धीरेंद्र जब खैरा रोड पर अपनी टैक्सी वाली गाड़ी लेकर पहुंचा था। उसी दौरान पीछे से एक सिलेरियो गाड़ी में दूसरा शख्स पहुंचा, वह उतरकर धीरेंद्र की गाड़ी में आया। उसकी गाड़ी में बैठा और फिर कुछ देर के बाद उसकी गोली मारकर हत्या करके वहां से फरार हो गया। धीरेंद्र पेशे से टैक्सी ड्राइवर था। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया की मौके पर एक गोली चलने का सबूत मिला है। जिस तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है उससे लग रहा है कि आपसी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस लोकल इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलेंस की मदद से संदिग्ध आरोपी की शिनाख्त करने में कामयाब हो चुकी है। वहीं मृतक के ऊपर भी एक्साइज एक्ट के तहत एक मामला पहले से दर्ज था।

दिल्ली में झुग्गियों में रहने वालों को मिलेगा अपना घर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

इन-सीटू स्लम पुनर्वास यानी जहां झुग्गी, वहीं मकान योजना के तहत दिल्ली में गरीबों को फ्लैट आवंटन की उम्मीदें परवान चढ़ने लगी है। वजह, कालकाजी के बाद जेलोरवाला बाग के ईडब्ल्यूएस फ्लैट भी जुलाई तक बन जाएंगे।

कालकाजी में 3024 फ्लैट बनकर तैयार अति महत्वाकांक्षी कठपुतली कालोनी प्रोजेक्ट के फ्लैटों का निर्माण कार्य भी दिसंबर तक पूरा हो जाने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा 10 कालोनियों में डीडीए 22,752 ईडब्ल्यूएस फ्लैट और बनाने जा रहा है।

विभिन्न आय वर्गों के लिए आवासीय योजनाएं लाने के साथ ही डीडीए स्लम पुनर्वास के तहत ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाने पर भी फोकस कर रहा है। इसी दिशा में कालकाजी में 3,024 फ्लैट बनकर तैयार हो गए हैं।

जेलोरवाला बाग के 1,675 फ्लैट पहले मार्च तक तैयार हो जाने की बात थी, लेकिन जल बोर्ड के साथ विवाद के चलते इनका निर्माण कार्य थोड़ा विलंबित हो गया है।

डीडीए के मुताबिक अब यह निर्माण जुलाई आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। ऐसे ही कई समय सीमा पार कर चुके कठपुतली कॉलोनी में भी 2800 फ्लैट इसी वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएंगे।

जल्द शुरू होगा एहर फ्लैटों का निर्माण जानकारी के मुताबिक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा दिलशाद गार्डन, शालीमार बाग, हैदरपुर एवं रोहिणी के अलग अलग सेक्टरों की 10 झुग्गी बस्तियों में भी जल्द ही ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का निर्माण शुरू हो जाएगा।

वहीं कालकाजी एक्सटेंशन, कुसुमपुर पहाड़ी और ओखला औद्योगिक क्षेत्र में आठ स्लम के लिए भी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

मालूम हो कि इन सीटू डेवलपमेंट के तहत स्लम क्लस्टरों में रहने वाले लोगों कैं लिए वहीं पर पक्के मकान बनाए जा रहे हैं, जहां वे झुग्गी में रहते हैं।

ये फ्लैट पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) माडल के तहत डीडीए की देखरेख में प्राइवेट बिल्डर बना रहे हैं। अपना व्यय निकालने के लिए बिल्डरों को उस क्षेत्र का कुछ हिस्सा व्यावसायिक उपयोग के लिए दिया जा रहा है।

झुग्गी बस्तियों में कहां-कितने बनने हैं फ्लैट

झुग्गी बस्ती फ्लैटों की संख्या

1. जिला केंद्र द

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 14 जून, 2023

मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार में मंत्री रहें अखंड प्रताप सिंह आप में शामिल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में टोपी व पटका पहनाकर अखंड प्रताप सिंह का आम आदमी पार्टी परिवार में किया शामिल
- अखंड प्रताप सिंह तीन बार विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं और मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विकास परिषद के अध्यक्ष रहे हैं
- अखंड प्रताप सिंह के आम आदमी पार्टी में आने से मध्यप्रदेश में बहुत मजबूती मिलेगी- संजय सिंह
- मैं आम आदमी पार्टी का सिपाही बनकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करूंगा, भविष्य में मध्यप्रदेश में आप की सरकार बनेगी- अखंड प्रताप सिंह

मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार में दो बार मंत्री रहें अखंड प्रताप सिंह आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की नीतियों से प्रभावित अखंड प्रताप सिंह आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। उन्हें राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में टोपी और पटका पहनाकर आप परिवार में शामिल किया। अखंड प्रताप सिंह तीन बार विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं और मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विकास परिषद के अध्यक्ष रहे हैं। वरिष्ठ नेता संजय सिंह का कहना है कि अखंड प्रताप सिंह को आने से मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी को बहुत मजबूती मिलेगी।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि आम आदमी पार्टी की मध्य प्रदेश इकाई लगातार अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है। आज मध्य प्रदेश सरकार में दो बार मंत्री और तीन बार विधायक रहे चुके अखंड प्रताप सिंह आप आदमी पार्टी परिवार में शामिल हुए हैं। अखंड प्रताप सिंह ने तीन बार मध्य प्रदेश विधानसभा में टीकमगढ़ क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। इनके पिता ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया था।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि जनता पार्टी के समय में जब पूरे देश में आपातकाल के विरुद्ध आंदोलन चल रहा था, अखंड प्रताप सिंह उस आंदोलन से निकले हैं। इन्होंने उस समय समाजवादी आंदोलन का हिस्सा बनकर आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। 1977 में वे पहली बार विधायक बने। इसके बाद 1993 में दूसरी बार और 2003 में तीसरी बार विधायक बने। उनके आप में शामिल होने से मध्यप्रदेश में पार्टी को मजबूती मिलेगी। निश्चित रूप से आम आदमी पार्टी का कारवां और तेजी व मजबूती के साथ मध्य प्रदेश में आगे बढ़ेगा। दिल्ली और पंजाब में आप की सरकार की जन हितकारी नीतियों की बदौलत आज आम आदमी पार्टी का विस्तार पूरे देश में हो रहा है और तमाम अच्छे लोग आम आदमी पार्टी परिवार में शामिल हो रहे हैं।

इस मौके पर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए अखंड प्रतात सिंह ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का आभार जताते हुए कहा कि अच्छे को बुरा साबित करना दुनिया की पुरानी आदत है। आज कुछ लोग आम आदमी पार्टी पर इसलिए उंगली उठाते हैं, क्योंकि आप का देश में कोई मुकाबला नहीं है। आम आदमी पार्टी इस देश के जन-जन में बस गई है। मैंने जब भी चुनाव लड़ा है तो कभी भी सत्ता दल से नहीं लड़ा। वही पार्टी सत्ता में आई है जिससे मैंने चुनाव लड़ा है। मेरे 50 वर्षों के राजनीतिक जीवन में कोई भी मेरे उपर उंगली नहीं उठा सका। आज मैं आम आदमी पार्टी का सिपाही बन रहा हूं। मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे मैं अच्छे से निर्वहन करूंगा। आने वाले समय में मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी।

अखंड प्रताप सिंह के बारे में

पिता स्वर्गीय पन्नालाल यादव के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के चलते अखंड प्रताप सिंह को जन्म से ही राजनीति में रूचि थी। उन्होंने शासकीय सेवा छोड़कर राजनीति में प्रवेश किया। वह जनपद पंचायत पलेस के उपाध्यक्ष अध्यक्ष, 1977 में छटवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित एवं 1978 में प्राक्कलन समिति के सदस्य रहें। 1978 में मध्य प्रदेश जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री, मध्य प्रदेश कांग्रेस (अर्स) के प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग संगठन, मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन, मध्य प्रदेश यादव महासभा, आदर्श शिक्षा समिति टीकमगढ़ एवं बुन्देलखण्ड किसान संरक्षण संस्था के अध्यक्ष, बुंदेलखंड विकास मंच के संयोजक, 1993 में दसवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन विभाग रहें। 1996 में रेलवे उपभोक्ता सलाहकार मंडल मुंबई के सदस्य, 1999 में 13वीं लोकसभा के लिए खजुराहो संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी, मध्य प्रदेश भाजपा कोर कमेटी संभाग सागर एवं जिला टीकमगढ़ के सदस्य भी रहें। उन्होंने कई शिक्षा संस्थाएं शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई। इसके अलावा किसानों और मजदूरों के आंदोलनों का नेतृत्व भी किया। अखंड प्रताप सिंह मार्केटिंग सोसायटी जतारा एवं सहकारी समिति जेवर में पदाधिकारी रह चुके हैं।

सरिता विहार फ्लाईओवर पर मरम्मत के दौरान चल सकेंगे वाहन, पीडब्ल्यूडी ने सरकार से मांगी अनुमति

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत के मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली सरकार से मंजूरी मांगी है।

सरकार को लिखे पत्र में पीडब्ल्यूडी ने सरकार से कहा है कि सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत जरूरी है। इसलिए इसके लिए अनुमति दे दी जानी चाहिए। पीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनकी ओर से पांच दिन पहले फाइल भेज दी गई है।

अनुमति मिलते ही शुरू होगा मरम्मत कार्य: अधिकारी उन्होंने कहा कि हम मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं जैसे ही अनुमति आती है। हम मरम्मत का काम शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि इस काम में अभी एक सप्ताह और लग सकता है। उन्होंने बताया कि काम शुरू किए जाने से पहले इसके बारे में प्रचार किया जाएगा ताकि इस फ्लाईओवर से जाने वाले वाहन दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें। 4 हिस्सों में बांटेगा मरम्मत कार्य उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए यातायात पुलिस में करीब छह माह पहले आवेदन किया था, अब यातायात पुलिस ने अनुमति दे दी है। अधिकारी के अनुसार, काम को इस तरह अंजाम दिया जाएगा कि जनता को कम-से-कम परेशानी हो। इस काम को चार भागों में बांटा जाएगा। एक भाग को पूरा करने में 12 दिन का समय लगेगा। इस तरह 50 दिन का समय लगेगाा। मरम्मत के दौरान फ्लाईओवर की एक तरफ की सड़क पर पूरी तरह यातायात जारी रहेगा। वहीं, दूसरी ओर की सड़क का आधा हिस्सा बंद किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि चिराग दिल्ली फ्लाईओवर की मरम्मत के दौरान लोगों को हुई परेशानी को देखते हुए पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने विभाग को लिखित में आदेश देकर कहा है कि किसी भी फ्लाईओवर की मरम्मत से पहले उनसे अनुमति ली जाए। वह जब इस बात से सहमत होंगी कि जनता को कम-से-कम परेशानी होने दी जाएगी, तभी मरम्मत के लिए अनुमति देंगी। भुगतान नहीं हुआ तो कंपनी ने रोका काम

आश्रम एक्सटेंशन फ्लाईओवर बना रही कंपनी का 15 करोड़ का भुगतान न होने पर कंपनी ने काम रोक दिया है। कंपनी ने पीडब्ल्यूडी से भुगतान का अनुरोध किया है जिस पर पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली सरकार को पत्र लिखा है और भुगतान किए जाने के लिए अनुरोध किया है।

आश्रम फ्लाईओवर विस्तार से जुड़े सराय काले खां से लाजपत नगर की ओर जाने वाले लूप का काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। जिसकी वजह से इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस लूप की सड़क पर रोड़ी इत्यादि को डालकर छोड़ दिया गया है और बैरिकेडिंग कर इसे बंद कर दिया गया है। मार्ग पर करीब 200 मीटर के लूप के न बन पाने के कारण यह पूरा मार्ग बाधित हो रहा है।

वायुमंडल की जलवाष्प से बुझेगी रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों की प्यास

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सभी रेलवे स्टेशनों पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती है। ज्यादा परेशानी छोटे रेलवे स्टेशनों पर होती है।

इस समस्या के समाधान के लिए स्टेशनों व अन्य रेलवे परिसरों में वायुमंडल में मौजूद जलवाष्प से पानी बनाने वाली एटमास्फेरिक वाटर जेनरेटर मशीन लगाने की तैयारी है। रेलवे बोर्ड ने सभी क्षेत्रीय रेलवे को पत्र लिखकर इसकी संभावना तलाशने को कहा है। किन देशों में हो रहा इस तकनीक का उपयोग?

शहर हो या गांव हर जगह शुद्ध पेयजल का संकट है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए नई तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। हवा से पानी बनाने की तकनीक भी इसमें से एक है। इजरायल, स्पेन, अमेरिका, चीन सहित लगभग 80 देशों में इस तकनीक का प्रयोग हो रहा है। भारत में इस तकनीक से प्रतिदिन छह लीटर से लेकर 30 लीटर तक पानी बनाने वाली मशीन उपलब्ध है। क्षमता के अनुसार ढाई लाख से डेढ़ करोड़ रुपये तक कीमत है। रेलवे इसके उपयोग की योजना तैयार कर रहा है।

दूरदराज के स्टेशनों पर है ज्यादा समस्या शुद्ध पेयजल आपूर्ति की सबसे ज्यादा दिक्कत दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित छोटे रेलवे स्टेशनों पर है। रेलवे क्रासिंग पर तैनात कर्मचारियों, शहर से दूर स्थित रेलवेकर्मियों के आवास व अन्य रेलवे परिसरों में भी शुद्ध पेयजल की समस्या रहती है। जल बोर्ड व अन्य एजेंसियों द्वारा नियमित जल आपूर्ति नहीं होने को लेकर अक्सर शिकायत रहती है। इन स्थानों पर यह तकनीक मददगार हो सकती है। रेलवे बोर्ड ने भी छोटे स्टेशनों, अस्पताल, रेलवे क्रासिंग, रेलवे क्वार्टर, कार्यालय आदि में यह मशीन लगाने को कहा है।

कैसे काम करती है मशीन?

यह मशीन एयर कंडिशनर की तर्ज पर हवा में मौजूद आर्द्रता को खींच लेती है। इसके बाद आर्द्रता को ठंडा कर पानी बनाया जाता है। साथ ही इसमें एक फिल्टर लगा होता है जो पानी को पीने लायक बना देता है। मशीन का रखरखाव भी आसान है।

किसी भी स्थान पर इसे सामान्य बिजली आपूर्ति के साथ जोड़कर इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी तरह की पाइप या सेटअप लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है। स्टेशनों व अन्य परिसर में बिजली की जरूरत पूरी करने के लिए सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। रेलवे बोर्ड ने इस मशीन के लिए भी सौर ऊर्जा का उपयोग करने का निर्देश दिया है।

बाइक से झपटते थे मोबाइल, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मध्य जिले के राजेंद्र नगर थाना पुलिस टीम ने दिल्ली की सड़कों पर हाई स्पीड बाइक से फरार्टा भरते पलक झपकते मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। साथ ही इसके एक रिसीवर साथी को भी पकड़ा गया है। इनके पास से 10 मोबाइल और चोरी की बाइक बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान प्रियांशु के रूप में हुई है, जिसके ऊपर पहले से दिल्ली के अलग-अलग थाना इलाकों में आठ मामले दर्ज हैं। यह पहाड़गंज का रहने वाला है जबकि इसका साथी सोनू नबी करीम का रहने वाला है।

डीसीपी संजय कुमार सेन ने मंगलवार को बताया कि इनकी गिरफ्तारी से फिलहाल राजेंद्र नगर थाना के तीन मामलों का खुलासा किया गया है। बाकी और भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार करोल बाग एसीपी विदुषी कौशिक की देखरेख में इलाके में टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। उसी दौरान पुलिस की नजर एक हाई स्पीड बाइक पर सवार दो युवकों पर पड़ी जो एक व्यक्ति का मोबाइल छीनकर वहां से भाग रहे थे।

पेट्रोलिंग कर रहे हेड कांस्टेबल मुरारी ने बिना देर किए उसका पीछा करना शुरू किया तो बाइक सवार फिल्मी स्टाइल में जिगजैग करते हुए शार्ट टर्न लेकर भागने की कोशिश की। लेकिन हेड कांस्टेबल उसके पीछे लगा रहा और इसी आपाधापी में दोनों बाइक सवारों ने पुलिस से बचने के लिए बाइक की स्पीड बढ़ा दी और दोनों सड़क पर गिर गए। एक तो मौके से भागने में कामयाब हो गया लेकिन हेड कॉन्स्टेबल मुरारी ने दूसरे बाइक सवार को वहीं पर दबोच लिया। उसे हिरासत में लेकर जब पूछताछ की गई तो उसकी पहचान प्रियांशु के रूप में हुई। जो पहाड़गंज का रहने वाला निकला। उसके खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

महावीर इंटरनेशनल के देशव्यापी अभियान गरिमा

- झिझक छोड़ो, चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो) के पोस्टर का योग गुरू बाबा रामदेव ने किया विमोचन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

महावीर इंटरनेशनल द्वारा संचालित राष्ट्रीय अभियान गरिमा (झिझक छोड़ो, चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो) के पोस्टर का विमोचन महावीर इंटरनेशनल कनक, भीलवाड़ा वीरा केंद्र की चेयरपर्सन वीरा दीपा सिसोदिया, उरफडिप्टी डायरेक्टर वीरा एकता ओस्तवाल द्वारा विश्व प्रसिद्ध योग गुरू बाबा रामदेव से करवाया गया। पूरे भारत वर्ष में अपने 340 केंद्रों के कार्यशालाओं के माध्यम से लगातार संचालित यह जागरूकता अभियान सरकारी स्कूलों में, कच्ची बस्तियों में सफलता पूर्वक चल रहा है। योग गुरु बाबा रामदेव ने इस प्रोजेक्ट की खूब सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देने का यह अनूठा व अनुकरणीय प्रयास हैं।

महावीर इंटरनेशनल 47 वर्षों से निरंतर कार्यरत, किसी भी धर्म, जाति, रंग, पंथ और मान्यताओं से परे, प्राणीमात्र की सेवा में समर्पित एक प्रतिष्ठित एवम विश्वसनीय नाम है। इसका मूलभूत ध्येय है:- सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो। मगर प्यार और सत्कार से।

आज यह एक देशव्यापी संस्था है जो 10 रीजन, 30 जोन, 340 केंद्रों और 10000 परिवारों के माध्यम से विभिन्न प्रोजेक्ट्स जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, स्किल डेवलपमेंट, नारी सशक्तिकरण, बाल विकास आदि को जरूरतमंदों के लिए लगातार सफलता पूर्वक संचालित करके प्राणिमात्र के लिए निस्वार्थ सेवा का पर्याय बनी है। वर्तमान में इसका नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन, दिल्ली कर रहें हैं।

पानी के बकाया बिल का वन टाइम सेटेलमेंट स्कीम लेकर आई केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों के लिए राहत भरी खबर. मंगलवार को दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में वन टाइन सेटेलमेंट योजना को मंजूरी मिल गई. अब योजना को कैबिनेट में रखा जाएगा, वहां से स्वीकृति मिलते ही लागू हो जाएगी. इसके बाद लोग अपने बकाया बिल को एक बार जमा कर छुट पा सकते हैं.मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना के दौरान लोगों की मीटर की रीडिंग नहीं हो पाई थी. इसके कारण पुराना बिल नए बिल में आ गया है. दिल्ली में 27.6 लाख पानी के उपभोक्ता है. इसमें से 11.7 लाख उपभोक्ताओं के ऊपर पानी का बिल बकाया है. इनके ऊपर करीब 5737 करोड़ रुपये बकाया है. उन्होंने कहा कि लोग वन टाइम सेटलमेंट योजना के जरिए पानी का बिल भर सकते हैं. उन्होंने सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली सरकार वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लेकर आई है. इससे लोगों को काफी पायदा होगा. जिन लोगों की दो या दो से अधिक ओके रीडिंग है या इससे कम होगी, उनके बिल की रीडिंग को माह के हिसाब से बांटा जाएगा. जिन लोगों की एक से या एक से कम ओके रीडिंग होगी, तो बीच वाले मीटर रीडिंग से एवरेज निकाला जाएगा. एवरेज लेकर महीनों में अगर बिल नहीं भरा है तो उन सब को उस महीनों में डाल देंगे.केजरीवाल ने कहा कि जिन लोगों के 1 या 1 से कम बिल रीडिंग है, तो उसके पड़ोसियों को देखकर औसत बिल के हिसाब से उसे महीने का भुगतान करना होगा. ऐसा करने से दिल्ली के सात लाख उपभोक्ताओं के बिजली बिल जीरो हो जाएगा. अभी इसे जल बोर्ड ने अपनी मीटिंग में पास किया है. अब इसे कैबिनेट में लाया जाएगा. एक अगस्त से इसे यह सुविधा लोग लाभ उठा सकेंगे. उन्होंने कहा है कि करीब 11 लाख उपभोक्ताओं में से आधे उपभोक्ताओं का बिल 20 आएगा. इस स्कीम से आम जनता को बहुत फायदा होगा और उनके ऊपर से एक बोझ भी कम हो जाएगा.

सफदरजंग अस्पताल में बच्चों के लिए डायलिसिस सुविधा शुरू

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल में मंगलवार से बच्चों के लिए हेमो डायलिसिस की सुविधा शुरू हो गई। बाल रोग विभाग की इस सुविधा का शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. (प्रो) बीएल शेरवाल ने किया। इसके साथ ही सफदरजंग अस्पताल उत्तर भारत में बच्चों के लिए ये सुविधा प्रदान करने वाला केंद्र सरकार का दूसरा केंद्र बन गया है।

डॉ. शेरवाल ने कहा कि बाल रोग विभाग में बच्चों के लिए दो डायलिसिस मशीनें लगाई गई हैं। इनकी मदद से हर दिन चार मरीजों की डायलिसिस की जा सकेगी। अस्पताल में हर साल हजारों की संख्या में बाल मरीज आते हैं। इनमें काफी मरीज ऐसे होते हैं जिन्हें डायलिसिस की जरूरत होती है। वहीं, विभाग के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चों में गुर्दे की विफलता असामान्य नहीं है। एक्यूट किडनी फेल्योर के कारण बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हो जाती है। इसमें ने काफी बच्चे ऐसे होते हैं जिन्हें उपचार करके बचाया जा सकता है। विभाग में उपचार के लिए आने वाले बच्चों में करीब 10 फीसदी बच्चे क्रॉनिक किडनी फेल्योर के होते हैं जो एक बहुत बड़ा आंकड़ा है। इसमें से अधिकांश को प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा अवधि में एचडी की आवश्यकता होती है। मौजूदा समय में मांग और उपलब्ध सेवाओं के बीच बड़ा अंतर है। इस सेवा के शुरू होने पर दिल्ली के साथ-साथ आसपास के राज्यों से आने वाले किडनी फेल्योर वाले बच्चों को फायदा होगा।भेजा जाता था एम्स भी तक सुविधा न होने के कारण बच्चों को एम्स व अन्य अस्पताल में भेजा जाता था। सुविधा शुरू होने के बाद बच्चों को अस्पताल में ही सुविधा मिल सकेगी। व्यस्कों की सुविधा में होगा विस्तार सफदरजंग अस्पताल में व्यस्कों को मिल रही डायलिसिस की सुविधा में जल्द ही विस्तार होगा। अभी यहां व्यस्कों के लिए 10 डायलिसिस की मशीन की सुविधा है। इन पर तीन शिफ्ट में 25 से 30 मरीजों को सुविधा मिलती है। इस बारे में अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. हिमाशु वर्मा ने बताया कि व्यस्कों को मिल रही सुविधा में विस्तार के प्रयास किए जा रहे हैं।

नकदी के साथ सटोरिया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सदर बाजार थाना पुलिस ने नकदी के साथ एक सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद शुऐब है पुलिस ने इसके पास से 940 रुपए नकदी, डायरी, पेन और कलम बरामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि थाना अध्यक्ष कन्हैया लाल यादव की देखरेख में पुलिस टीम पेट्रोलिंग ड्यूटी कर रही थी। ऑपरेशन विघात के तहत जब वह सदर बाजार के सिंघाड़ा चौक के पास पहुंचे तो एक मुखबिर ने उन्हें बताया कि एक व्यक्ति खड़ी लोडिंग गाडिों के पीछे सट्टा लिख रहा है। अगर समय रहते छापेमारी की जाती तो उसे पकड़ा जा सकता था। सूचना स्थल पर पहुंची। पुलिस टीम को देख व्यक्ति के पास जमा भीड़ तितर-बितर हो गई। पुलिस टीम एक व्यक्ति को पकड़ लिया।

कंफर्म टिकट का झांसा देकर सामान उड़ाने वाले दबोचे

नई दिल्ली। लोगों को कंफर्म टिकट दिलाने का झांसा देकर उनका सामान चोरी करने वाले पांच बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 17 मोबाइल, एक लैपटॉप और अन्य सामान बरामद हुआ है। आरोपी मो. फिरोज, संजीव कुमार उर्फ अब्दुल, अमरेंद्र कुमार, हर किशोर और भिखारी पासवान मूलतः बिहार के सीतामढ़ी और शिवहर के रहने वाले हैं। पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि लखीमपुर खीरी यूपी के रहने वाले एक युवक ने 20 अप्रैल को लोधी गार्डन थाना पुलिस को शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन से जोर बाग मेट्रो स्टेशन जा रहे थे। तभी मेट्रो में दो लोग मिले। उन्होंने बताया कि वह भी उनके राज्य के ही रहने वाले हैं। उनका एक और साथी था, जिसे वह रेलवे में अधिकारी बता रहे थे। आरोपियों ने ट्रेन का कंफर्म टिकट दिलाने का झांसा दिया। फिर मेट्रो के बाहर आते ही एक ने सुरक्षा के नाम पर उनका बैग और मोबाइल ले लिया। जबकि दो लोग टिकट दिलाने की बात कहकर साथ ले गए। कुछ देर बाद वे फरार हो गए।

एलजी ने चार गांव लिए गोद, पर्याप्त नागरिक सुविधाएं मिलेंगी

नई दिल्ली। दिल्ली में सांसदों की तर्ज पर एलजी वीके सक्सेना ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली में निजामपुर, जौंती और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में रावता, देवराला को गोद लिया है, इन्हें मॉडल गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पहले एलजी ने उत्तर पश्चिम दिल्ली के कुतुबगढ़ गांव को गोद दिया था, इसे मॉडल गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके उत्साहजनक परिणामों से उत्साहित एलजी ने चार और गांवों को गोद लेने में दिलचस्पी दिखाई है। इन गांवों को पर्याप्त नागरिक बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया जाएगा। चारों गांवों में पहले व्यापक स्तर पर जल प्रबंधन होगा। बड़े पैमाने पर पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाई जाएगी। गांव की विरासत को संरक्षित किया जाएगा। इन्फ्रा, स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं विकसित की जाएंगी। वैज्ञानिक तरीके से पशुधन प्रबंधन व विकास के लिए गांव में काम शुरू किया जाएगा और लोकल स्तर पर आजीविका के अवसर पैदा किए जाएंगे। जौंती गांव को इससे पहले पूर्व सांसद उदित राज ने गोद लिया था, लेकिन गांव में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ। मॉडल गांव बनाने की पहल शुरू हुई एलजी कार्यालय के मुताबिक, इन चार गांवों को मॉडल गांव के तौर पर विकसित करने की पहल शुरू की गई है। 2011 की जनगणना के मुताबिक निजामपुर गांव की जनसंख्या करीब 6000-7000 और जौंती की करीब 8000-9000 है, जबकि रावता की जनसंख्या करीब 2933 और देवराला की 524 है। इन चार गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक कल्याण में सुधार के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। कृषि, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। कुतुबगढ़ गांव के विकास मॉडल को दोहराया जाएगा सितंबर 2022 में एलजी ने कुतुबगढ़ को गोद लिया था, एलजी की अध्यक्षता में 500 किसानों ने चंदन के 1000 पौधे लगाए थे। बाद में एलजी वीके सक्सेना ने 13 अप्रैल 2023 को एक बार फिर कुतुबगढ़ गांव का दौरा किया और ग्रामीणों को 2000 अमरूद और 1000 अंगूर के पौधे वितरित किए। एलजी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कुतुबगढ़ को एक मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया था।

डीपीसीसी,एमसीडी और दिल्ली फायर सर्विस को लैंडफिल साइट पर कड़ी निगरानी रखने के दिए गए निर्देश:गोपाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कल गाजीपुर लैंडफिल साइट में लगी आग की घटना को देखते हुए बताया कि डीपीसीसी,एमसीडी और दिल्ली फायर सर्विस को लैंडफिल साइट पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए है` लैंडफिल साइट पर आग की घटनाओ पर काबू पाने और बुझाने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश भी सभी सम्बंधित विभागों को जारी किये गए है उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम के दौरान, हर साल दिल्ली में लैंडफिल साइटों से आग लगने की घटनाओं की सूचना मिलती है। ऐसी आग की घटनाओं को रोकने और किसी लैंडफिल साइट पर आग लगने की स्थिति में उन्हें नियंत्रित करने के लिए विभिन्न मानदंड/अनुदेश पहले से ही विद्यमान हैं। ऐसे में कल गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग की घटना के मामले आज डीपीसीसी,एमसीडी और दिल्ली फायर सर्विस को लैंडफिल साइटों पर आग लगने की ऐसी घटनाओं को रोकने और नियंत्रित करने के लिए निर्धारित मानदंडों/अनुदेशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए है` ताकि इस तरह की आग लगने से रोका जा सके और किसी लैंडफिल साइट पर आग लगने की घटना के मामले में आग को नियंत्रित करने और बुझाने के लिए तत्काल कदम उठाए जा सके।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने लैंडफिल साइट्स पर लगने वाली आग की घटनाओं पर अधिक जानकारी देते हुए बताया कि लैंडफिल साइट्स में आग लगने का सबसे बड़ा कारण उसमे से लगातार निकलने वाली मीथेन गैस है, जो ना केवल आग की घटनाओं को बढ़ावा देती है बल्कि वायुमंडल के लिए भी हानिकारक है ऐसे में लैंडफिल साइट्स पर आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए एक एसओपी भी तैयार की गई है। इस एसओपी को कड़ाई से लागू करने के लिए लैंडफिल साइट्स में आग लगने की घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी सम्बंधित विभागों की टीमें को 24 घंटे निगरानी रखने के लिए निर्देश जारी कर दिए गए है` यह टीमें ना केवल लैंडफिल साइट्स का सतत निरीक्षण करेंगी बल्कि आग की घटनाओं को रोकने का भी काम करेंगी`

लैंडफिल साइट्स पर आग की घटनाओं के नियंत्रण के लिए उपाय :-

- 24*7 कर्मियों की तैनाती और सीसीटीवी लगाने के निर्देश
- फायर टेंडर की तैनाती
- अनधिकृत व्यक्तियों और कूड़ा बीनने वालों के प्रवेश का निषेध
- नो स्मोकिंग जोन घोषित करना
- वहाँ के तापमान की लगातार निगरानी

महिलाओं के लिए और सुरक्षित होगी दिल्ली, डार्क स्पॉट खत्म करने के लिए केजरीवाल सरकार लगाएगी स्मार्ट स्ट्रीट लाइटें

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में महिला सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत दिल्ली सरकार द्वारा पूरी दिल्ली में स्मार्ट स्ट्रीट लाइटें लगाकर सभी डॉर्क स्पॉट को खत्म करेगी। इन लाइटों को सेंट्रलाइज्ड नियंत्रित किया जाएगा। अब अगर कोई भी स्ट्रीट लाइट खराब हुई तो उसकी सेंट्रलाइज्ड निगरानी की जाएगी। इससे बिजली की खपत भी कम होगी। कैबिनेट मंत्री आतिशी ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में स्मार्ट स्ट्रीट लाइट पॉलिसी को सीएम अरविंद केजरीवाल के सामने पेश किया, जिसे सीएम ने अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि महिला सुरक्षा की दिशा में दिल्ली सरकार बड़ा कदम उठा रही है। पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कों पर स्मार्ट-स्ट्रीट लाइट योजना लागू की जाएगी। इसकी निगरानी के लिए एक कंट्रोल रूम बनेगा। कोई लाइट खराब हुई तो अपने आप पता चल जाएगा और उसे तुरंत बदल दिया जाएगा। दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को हुई बैठक के दौरान पीडब्ल्यूडी विभाग ने सीएम अरविंद केजरीवाल के समक्ष स्मार्ट स्ट्रीट लाइट योजना को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अवगत कराया कि वर्तमान में मौजूदा स्ट्रीट लाइट्स की टेक्नॉलॉजी आउटडेटेड होने के चलते स्पेयर पार्ट्स आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाते है। वहीं, ऊर्जा की बेहद ज्यादा खपत होती थी। ऐसे में ज्यादा खपत से बिजली के बिलों में काफी ज्यादा खर्च आता था। इसके अलावा मौजूदा स्ट्रीट लाइट्स की मॉनिटरिंग मैनुअल तरीके से की जाती है और रियल टाइम मॉनिटरिंग न होने के कारण शिकायतों का निस्तारण उचित समय पर नहीं हो पाता। इसलिए दिल्ली के विभिन्न इलाकों में 90,953 स्मार्ट स्ट्रीट लाइट्स लगाई जाएगी। इससे दिल्ली में डार्क स्पॉट खत्म होंगे और महिलाओं के साथ अंधेरी जगहों पर वारदातों को खत्म करने में यह योजना कारगर साबित होगी।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ समय में महिला संबंधी काफी अपराध सामने आए हैं। ऐसे में महिला अपराध को रोकने में दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में जितने भी काम है, वो सारे काम किए जा रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध दिल्ली सरकार स्मार्ट स्ट्रीट लाइट्स के जरिए डॉर्क स्पॉट्स खत्म करेगी। दि

संक्षिप्त खबरें

दरवाजे पर बैठी महिला को मारपीट कर काट ली उंगली, प्राथमिकी दर्ज

भोरे प्रातः किरण संवाददाता

भोरे थाना क्षेत्र के चकरवा खास गांव में अपने घर के दरवाजे पर बैठी एक महिला को कुछ लोगों ने पहले गाली गलौज की बाद में घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान चाकू से उसकी उंगली काट ली गई। मामले को लेकर पीड़िता के बयान पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। बताया जाता है कि चकरवा खास गांव के कमलेश्वर राय की पत्नी पूनम देवी अपने घर के दरवाजे पर बैठी थी कि तभी उसी गांव के श्रीकांत भगत, राम आशीष भगत, कलश कुमारी, रेनू कुमारी सहित छह लोग आए और गाली गलौज करने लगे जब उसने गाली गलौज करने से मना किया, तो उक्त लोगों ने अपने हाथ में लिए हथियार से मारपीट कर जख्मी कर दिया। इस दौरान चाकू लगने से उसकी एक उंगली कट गई। इस मामले को लेकर पीड़िता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पानी गिरने से मना करने पर हुई मारपीट में युवती घायल

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र के रकबा गांव में पानी गिराने से मना करने पर एक युवती को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। मामले में युवती के दादा ने स्थानीय थाने में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया जाता है कि रकबा गांव के मुल्तान मियां की पोती रजिया खातून अपने पड़ोसियों को अपनी जमीन में पानी गिराने से मना करने गई, तो उसे उसी गांव के खुदादीन मियां, शरफुद्दीन मियां, अमर अली सहित सात लोगों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया।

अनियंत्रित पिकअप पलटने से चार नतर्की सहित छह घायल

गोपालगंज । जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के करमैनी ढाला के समीप एक पिकअप पलटने से पिकअप पर सवार चार नतर्की सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगो की मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने एक नतर्की की हालत को नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। घायलों में कोलकाता की रहने वाली काजल अधिकारी, अनुष्का मिश्रा, मधु कुमारी और अंजली कुमारी के अलावा दो मासूम सायन और सपना कुमारी शामिल हैं। ये नर्तकियां कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा के पास रहकर आर्केस्ट्रा में काम करती हैं।

मारपीट की घटनाओं में पांच लोग घायल

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में पांच लोग घायल हो गए। घायलों में दुबौली गांव के दोस्त महम्मद, कतालपुर के रिहत हैदर, बैकुंठपुर के विशाल कुमार, महेश राय व चमनपुरा के नरेश राय शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएचसी में आशा कार्यकताओं को दी गई ट्रेनिंग

बैकुंठपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को आशा कार्यकताओं को एक दिवसीय ट्रेनिंग दी गयी। हेल्थ मैनेजर कमरान अहसन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान आशा कार्यकताओं को आंगनबाड़ी केंद्र व हेल्थ सब सेंटरों पर नियमित टीकाकरण से संबंधित जानकारी दी गयी। गर्भवती महिलाओं की देखभाल व नवजात शिशु के टीकाकरण से संबंधित निर्देश दिया गया।

गंडक नदी के दियारे में चलाया गया सर्च अभियान

गोपालगंज । जिले के बैकुंठपुर थाने की पुलिस ने मंगलवार की सुबह गंडक नदी के तटवर्ती इलाके में सर्च अभियान चलाया। चुलाई शराब बरामदगी को लेकर चलाए गए अभियान के तहत सैकड़ों लीटर अर्धनिर्मित शराब नष्ट किया गया। थानाध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि छापेमारी की भनक मिलते ही धंधेबाज दियारा छोड़कर फरार हो गए।

डीएम के आदेश पर बंद किए गए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर प्रखंड में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र व निजी विद्यालय मंगलवार से बंद कर दिए गए। बीडीओ अशोक कुमार ने बताया कि भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए 18 जून तक सभी शिक्षण संस्थानों को बंद करने का निर्देश मिला था। बीडीओ ने बताया कि निर्देश के बावजूद निजी विद्यालय का संचालन करने की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी।

तत्काल टिकट के लिए काउंटर पर भटक रहे रेलयात्री

गोपालगंज । थावे-मशरक रेलखंड के दिघवा दुबौली रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकट के लिए यात्री भटक रहे हैं। लंबी दूरी की एक्सप्रेस व सुपरफास्ट ट्रेनों में जुलाई तक नो रुम की समस्या बरकरार है। ऐसे में तत्काल टिकट के लिए काउंटर पर भीड़ उमड़ रही है। महज चार से पांच यात्रियों का ही तत्काल टिकट निकल पा रहा है। अन्य यात्रियों को बैरंग लौटना पड़ रहा है।

फुलवरिया में महागठबंधन के प्रखंड अध्यक्षों ने धरना को लेकर किया बैठक

भाजपा की 9 साल की शासन के विरुद्ध 15 जून को होगा धरना प्रदर्शन

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

सुबे के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के गृह प्रखंड के परिसर में आगामी 15 जून को एक दिवसीय महागठबंधन के सभी दलों की ओर से भाजपा के विरुद्ध धरना प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। इसको लेकर मंगलवार को माड़ीपुर बाजार स्थित पैक्स गोदाम के समीप महागठबंधन के प्रखंड अध्यक्षों ने एक विशेष बैठक आयोजित किया। जिसकी अध्यक्षता राजद युवा जिलाध्यक्ष संतोष यादव एवं जदयू जिला उपाध्यक्ष मनोज पासवान ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर अली अकबर अंसारी, सीपीआईएमएल के प्रखंड अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, सीपीआईएम प्रखंड अध्यक्ष सफी अहमद, जदयू प्रखंड अध्यक्ष लाल बाबूराम तथा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष जटाशंकर सिंह सहित अन्य पार्टी के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे। जिलाध्यक्ष संतोष यादव ने कहा मोदी शासन के 9 साल में जनता की चरम तबाही-बबार्दी, लूट-दमन और नफरत का भयावह दौर साबित हुआ है। महंगाई की मार से जनता त्रस्त हैं। भाजपा सरकार जो खाद पदार्थों से लेकर पाठ्य पुस्तकों व सामग्री पर भी टैक्स जीएसटी लगा रही है। रसोई गैस की कीमत 13 सौ रुपए प्रति सिलेंडर पार कर गई। लोग पुनः गोईठा व लकड़ी के युग में लौटने को विवश हो गए, उज्जवला योजना के नाम पर गरीबों को मूर्ख बनाया। प्रत्येक साल दो करोड़ रोजगार का वादा भी पूरी तरह से झूठ साबित हुआ। जदयू के जिला उपाध्यक्ष मनोज पासवान ने कहा कि 2024 में भाजपा के वापस लौटने का मतलब होगा संविधान और लोकतंत्र का खात्मा। आरक्षण व्यवस्था की समाप्ति। भाजपा सरकार को आने वाले चुनाव में सत्ता से बाहर कर देना ही देश की जनता और लोकतंत्र व अमन पसंद नागरिकों का पहला कार्यभार होना चाहिए।

जातीय गणना, महंगाई बेरोजगारी। संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग, किसानों की आय दोगुनी करने, उन्माद-उत्पाद की राजनीति पर रोक, दलित गरीबों की आवास एवं खाद्य योजना बंद करने की साजिश, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा जैसे जैसे तमाम सवालों को लेकर आगामी 15 जून को महागठबंधन के बैनर से धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक के बाद राजद युवा जिलाध्यक्ष संतोष यादव के नेतृत्व में सभी अध्यक्षों ने बीडीओ अजीत कुमार रोशन को एक ज्ञापन सौंपा। मौके पर आरजेडी प्रखंड महासचिव सोनू सिंह उर्फ विकास सिंह, अभिषेक कुमार अभय, विकास कुमार सहित काफी संख्या में महागठबंधन के प्रखंड स्तरीय नेता उपस्थित रहे।

रक्तदान दिवस पर आज होगा शिविर का आयोजन

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

स्वस्थ महिला स्वस्थ परिवार एवं स्वस्थ बिहार को लक्ष्य मानकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही समाजसेवी संस्था ह्लमनीषा वेलनेस केयर फाउंडेशनह्व के तत्वाधान में आज विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर तपस्या फाउंडेशन द्वारा संचालित, तपस्या ब्लड सेंटर गोपालगंज के प्रांगण में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। ह्लमनीषा वेलनेस केयर फाउंडेशनह्व की चेयरपर्सन स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर हमारी संस्था द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान का आयोजन किया गया है, जिसमें दर्जनों युवक एवं युवती स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का संकल्प लेंगें। डॉ. मनीषा ने बताया कि जिले मे महिलाओ को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए हमारी संस्था प्रखंडवार सेमिनार का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्र के महिलाओ को भी रक्तदान हेतु प्रेरित करेगी। उन्होंने बताया कि रक्तदान को लेकर जो भी भ्रांतियां समाज में फैली हुई हैं, उस भ्रांतियों को तोड़कर जनमानस को सेवा भाव से रक्तदान के प्रति जागरूक होना ही समाज सेवा का मूल कर्तव्य है। डॉ मनीषा के अनुसार गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को रक्त के अभाव में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है जिस वजह से प्रसव के दौरान प्रसूती को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए समाज के जागरूक महिलाओं को रक्तदान हेतु आगे आकर रक्त की पूर्ति हेतु स्वैच्छिक रक्तदान पर बल देना चाहिए। रक्त के पूर्ति को समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाकर ही पूर्ति किया जा सकता है।

पहले बनाए अवैध संबध, अब कर रही थी अनदेखा, नाराज प्रेमी ने उतारा मौत के घाट

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के थावे थाने के गवंदरी गांव में महिला की चाकू मारकर निर्मम हत्या किए जाने के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर लिया है। इस मामले में चैंकाने वाला खुलासा हुआ है। महिला की हत्या प्रेमी को अनदेखा करने व दुसरे से अवैध संबध को लेकर की गयी है। इसकी जानकारी मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रेसवार्ता के दौरान एसपी स्वर्ण प्रभात ने दी। उन्होंने बताया कि आरोपी सुदामा साह और विवाहिता के बीच काफी समय से अवैध संबध चल रहा था। इधर कुछ दिनों से महिला का एक अन्य युवक से अवैध संबध स्थापित हो गया था जिसके कारण महिला आरोपी को अनदेखा कर रही थी। इसी बात से नाराज आरोपी ने महिला को बुलाया और चाकू गोदकर मौत के घाट उतार दिया। गौरतलब हो कि थावे थाने के गंवदरी गांव में रविवार की सुबह एक महिला की चाकू गोदकर निर्मम हत्या कर दी गयी थी। हत्या के बाद सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया था। गठित एसआइटी ने 24 घंटे के अंदर हत्या में शामिल सुदामा साह को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल की गई चाकू व मृतका का मोबाइल भी बरामद कर लिया। एसपी ने बताया कि गंवदरी गांव की बबिता देवी का गांव के ही सुदामा साह से काफी समय से प्रेम प्रसंग व अवैध संबध चल रहा था। इसी बीच महिला का एक अन्य व्यक्ति से अवैध संबध स्थापित हो गया और वह सुदामा साह का अनदेखा करने लगी। इसी बात से नाराज सुदामा साह ने रविवार की सुबह महिला बबिता देवी को फोन कर बुलाया और चाकू गोदकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के पंहुची पुलिस ने साक्ष्यों व अनुसंधान के क्रम में मोबाइल की जांच करते हुए हत्या में शामिल उसके प्रेमी सुदामा साह को गिरफ्तार कर लिया। प्रेमी सुदामा साह की गिरफ्तारी के बाद हत्या का राज खुल गया। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू व मृतका का मोबाइल बरामद कर लिया। गठित एसआइटी में सदर एसडीपीओ प्राजंल के अलावे सदर इंस्पेक्टर हीरालाल प्रसाद, थावे थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार सहित अन्य शामिल थे।

रंगदारी को लेकर दुकानदार पर जानलेवा हमला, प्राथमिकी दर्ज

भोरे । भोरे थाना क्षेत्र के बेलवां मित्र गांव में पांच लाख रुपए की रंगदारी नहीं देने पर 10 लोगों ने एक दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें वे गंभीर उसे जख्मी हो गए। जिन्हें भोरे रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति में गोपालगंज के लिए रेफर कर दिया। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के बेलवा मिश्र गांव के दीपू पांडेय ने गांव में ही एक किराने की दुकान खोल रखी है। दीपू पांडेय से 5 दिन पहले से ही पांच लाख की रंगदारी मांगी जा रही थी। जिसे वे एक मजाक समझ रहे थे। उन्होंने जैसे ही अपनी दुकान खोली थी, तभी पांच बाइक पर सवार 10 लोग वहां पहुंचे और उन पर अपने हाथ में लिए हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में बुरी तरह जख्मी हो गए। इस दौरान हमलावरों ने काउंटर में रखे 30000 और पीड़ित के गले से सोने की चेन छीन ली। तत्काल ही आसपास के लोगों ने उन्हें उठाकर स्थानीय अस्पताल पहुंचा दिया। जहां से डॉक्टरों ने उन्हें गंभीर स्थिति में गोपालगंज के लिए रेफर कर दिया। वहीं दीपू पांडेय के फर्द बयान के आधार पर पांडेय चकिया गांव के अतुल ओझा, तनु ओझा, हिमांशु पांडेय सहित सात अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला, रंगदारी का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

श्यामपुर गांव में अगलगी में तीन लाख की संपत्ति जलकर राख

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के महम्मदपुर थाने के श्यामपुर गांव में सोमवार की देर रात अचानक आग लगने से हीरा मांझी का घर जलकर राख हो गया। अगलगी में नगदी, कपड़ा, बर्तन, अनाज, फर्नीचर सहित करीब तीन लाख रुपए मूल्य की संपत्ति जलने का अनुमान है। घटना के संबंध में बताया गया कि हीरा मांझी के परिजन रात में खाना खाकर सो रहे थे। देर रात आग की तेज लपटें निकलने लगी। आग की भयावह स्थिति को देखते हुए आसपास के लोग भी अपने-अपने घरों से सामान खाली करने लगे। घटना की सूचना महम्मदपुर थाने को दी गयी। सूचना मिलने के बाद महम्मदपुर थाने से अग्निशमन की गाड़ी श्यामपुर गांव पहुंची। फायर बिग्रेड टीम व ग्रामीणों के घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन संपत्ति के नाम पर कुछ भी नहीं बच पाया। पीड़ित परिजनों ने अगलगी की सूचना बैकुंठपुर के सीओ पंकज कुमार को दी। सीओ ने बताया कि घटनास्थल पर जांच के लिए राजस्व कर्मचारी को भेजा गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पीड़ित परिवार को मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। भाजपा के मंडल अध्यक्ष रामनरेश सिंह ने अग्नि पीड़ितों से मिलकर उन्हें आर्थिक सहायता दी। अग्निपीड़ितों को तत्काल सरकारी स्कूल में रहने के लिए प्रधानाध्यापक से अनुमति ली गयी।

गोपालगंज में अंतरराज्यीय पशु तस्कर गिरोह के 6 सदस्य गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज पुलिस ने मवेशियों की अवैध तरीके से अंतरप्रांतीय तस्करी करने वाले एक गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने मंगलवार सुबह मवेशियों से लदे तीन वाहनों को जब्त किया है, जिसमें गाय, बछड़े सहित कुल 45 पशुओं को लादकर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने पशु तस्कर, चालक और वाहन मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि प्रशिक्षु डीएसपी सह कुचायकोट थानाध्यक्ष साक्षी राय को गुप्त सूचना मिली थी कि पशु तस्कर यूपी से पशुओं की खेप लेकर बिहार के रास्ते तीन वाहनों में मवेशियों को भरकर ले जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने सासामुसा दाहा नदी पुल के समीप वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। चेकिंग के दौरान तीन वाहनों को संदेह के आधार पर रोका और वाहन चालक से पूछताछ की लेकिन वाहन चालक ने कोई संतोषजनक जबाव नहीं दिया। उसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाशी ली। वाहन में लदे मवेशी, बछड़ा से संबधित कोई वैध कागजात नहीं प्रस्तुत किए जाने पर पुलिस ने तीनों वाहन के चालक और वाहन में सवार लोगो को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी गोपालपुर थाना क्षेत्र के अहिरौली दुबौली गांव के अरमान अली, उचकागांव थाने के नवादा परसौनी गांव के अरमान आलम,नवादा गावं के क्यामुदीन, यूपी के शामली जिले के लपराना गाजरा गांव के पुष्पेद्र, जौनपुर जिले के साहगंज थाने के कोहड गावं के सावन कुमार और अनुराग कुमार बताए गए है। पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ करने में जुटी हुयी है।

कई राज्यों में फैला है पशु तस्करों का सिंडिकेट

पशु के कारोबारी का सिंडिकेट पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड के कई जिलों तक फैला हुआ है। पशुओं के अवैध कारोबार का कनेक्शन बिहार, झारखंड और बंगाल के रास्ते बंगाल और बांग्लादेश तक है। बिहार के गोपालगंज, सीवान, बक्सर, गया, नवादा और बरबीघा की मंडिओं से छोटे-छोटे पशु व्यापारी मवेशियों को खरीदकर छोटे-छोटे हाट पर पहुंचाते हैं। मांझा के कोइनी व अन्य जगहों पर पशुओं की हाट लगती है। वहां से तस्करों द्वारा ट्रक के माध्यम से पशु बंगाल ले जाया जाता है। फिर उसे बांग्लादेश पहुंचाया जाता है।

फुलवरिया में बीडीओ ने दिलायी मुखिया, वार्ड व पंच प्रतिनिधियों को शपथ

त्रिस्तरीय उपचुनाव में जीते प्रतिनिधियों ने शपथ के बाद कार्य की कही बात

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया प्रखंड मुख्यालय के सभागार में मंगलवार को त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव में जीते प्रत्याशियों ने शपथ लिया। शपथ ग्रहण के दौरान बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी अजित कुमार रौशन ने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत राज चुरामन चक के मुखिया प्रत्याशी गया कुमार सिंह को विधि सम्मत संविधान के अनुसार कार्य करने का पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसके बाद निर्विरोध निर्वाचित हुए ग्राम पंचायत राज गिदहाँ के वार्ड संख्या 13 के वार्ड सदस्य नंद मांझी को पंचायत के मुखिया अशोक साह ने शपथ दिलायी। वही ग्राम पंचायत राज गणेश डूमर के ग्राम कचहरी के पंच राम जनक साह को सरपंच चंद्रमा राम ने शपथ दिलायी। इसकी जानकारी देते हुए बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी अजीत कुमार रोशन ने बताया कि प्रखंड में उपचुनाव को लेकर 3 पंचायतों में ग्राम पंचायत राज चुरामन चक में मुखिया पद, गीदहाँ पंचायत से वार्ड सदस्य पद तथा गणेश डूमर पंचायत वार्ड संख्या 14 से ग्राम कचहरी के पंच पद के चुनाव में जीते उक्त प्रत्याशियों को शपथ दिलाई गई। मौके पर सीओ खुशबू खातून, बीएओ आनंद ठाकुर, सीडीपीओ पुष्पराज हिमांशु, पीओ अमरेंद्र प्रताप सिंह तथा वरिष्ठ शिक्षक चंद्रिका बैठा के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फुलवरिया में बीडीओ ने मुखिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर दी दिशा निर्देश

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया प्रखंड मुख्यालय के सभागार में मंगलवार को बीडीओ अजीत कुमार रोशन की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीओ खुशबू खातून, सीडीपीओ पुष्पराज हिमांशु, पीओ अमरेंद्र प्रताप सिंह, बीएओ आनंद ठाकुर तथा बीईओ रत्ना घोष के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी व प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया जनप्रतिनिधि बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक में बीडीओ श्री रोशन ने आगामी 16 जून को प्रखंड मुख्यालय परिसर में मोबाइल लोक अदालत के आयोजन को लेकर प्रचार प्रसार करने को लेकर दिशा-निर्देश दी। आगामी 28 जून को जिला पदाधिकारी द्वारा प्रखंड व पंचायतों की जांच को लेकर कई हिदायत जनप्रतिनिधियों को दी गई। इसके अलावा बाढ़ व उखाड़, साथ ही प्रखंड व पंचायत स्तर पर अनुश्रवण समिति का गठन सहित 5 बिंदुओं को लेकर अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों को बीडीओ श्री रोशन ने दिशा निर्देश दिया है। बीडीओ श्री रोशन ने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो कार्रवाई तय है। जिसकी जवाबदेही अधिकारी कर्मी व जनप्रतिनिधि खुद होंगे। बैठक में मुखिया फिरोज अंसारी, अल्ताफ हुसैन, अशोक साह, दिनेश कुमार साहू, गुलाम रसूल कप्तान, आनंद मोहन राय, दिलीप बैठा, महंथ पंडित के अलावे सभी विभागों के अधिकारी व पंचायतों के मुखिया जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बंगरा निवासी संजय हत्याकांड में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर थाने के कृतपुरा बंगरा गांव में 22 वर्षीय युवक संजय कुमार साह के फंदे से शव लटकने के मामले में चार लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। प्राथमिकी मृत युवक के बड़े भाई रोहित कुमार ने दर्ज करायी है। जिसमें संतोष राम, दिलीप राम, उपेंद्र राम व अर्जुन कुमार को नामजद किया गया है। आरोप है कि चारों आरोपित अन्य लोगों के साथ हत्या की घटना को अंजाम दिए हैं। घटना में शामिल आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। लेकिन दूसरे दिन भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। दर्ज प्राथमिकी में रोहित कुमार ने कहा है कि उसकी चचेरी बहन पूजा की शादी हो रही थी। जयमाला के दौरान कुछ लोग मनपसंद गाना के लिए दबाव बना रहे थे। पनपसंद गाना का संजय ने इसका विरोध किया। विरोध करने के दौरान संजय के साथ मारपीट करने की कोशिश की गयी। लेकिन बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया गया। जयमाला के दौरान संजय अचानक गायब हो गया। कुछ देर बाद परिजनों को जानकारी मिली कि सतदेव राम के घर फंदे से संजय लटक रहा है।

नगर आयुक्त ने सफाई कर्मियों के हित में बेहतर कार्य किया

छपरा। नगर आयुक्त के पदस्थापन के बाद से हीं नगर निगम में व्यापक रूप से सफाई कार्य और सफाई कर्मियों के हित में अनेकों कार्य किया गया। पहली बार नगर आयुक्त ने सफाई कर्मियों के साथ सफाई स्थल पर ही आपस मे समनव्य स्थापित कर सफाई कर्मी की आवश्यक संसाधन की मांग और उनको संसाधन की आपूर्ति की गयी। नगरआयुक्त सुमित कुमार ने सभी सफाई कर्मियों के साथ चाय का भी आनंद उठाया। बता दें कि नगर आयुक्त के पदस्थापन होते हीं खासकर सफाई कर्मियों के हित में अनेकों कार्य किए जो नगर निगम में आज तक नहीं हो पाया था। उन्होंने सफाई कर्मियों के हित में 11 ऐसे कार्य किए हैं जो उनके लिए अति आवश्यक था। उन्होंने सफाई कर्मियों को भी आवश्यक संसाधन एवं उपकरण उपलब्ध कराया गया। जबकि सफाई कर्मियों के लिए इपीएफ की सुविधा के लिए नगर निगम मे विशेष कैंप आयोजन कर उसका निवारण किया गया। चैथा कार्य -सफाई कर्मियों के लिए हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। पांचवा सफाई कर्मियों का मानदेय का भुगतान मे बढ़ोतरी की गई। सफाई कर्मियों के हित में छठा कार्य मानदेय का भुगतान पहली तारीख से 10 तारीख के बीच भुगतान करने का निर्णय लिया गया। सातवा कार्य -सफाई कर्मियों का भुगतान सीधे ट्रेजरी के माध्यम से किया गया। आठवां -सफाई कर्मियों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम नगर निगम में आयोजन किया गया। वम कार्य - सफाई कर्मियों के साथ नगर आयुक्त ने हाथ मिलाकर उनका अभिवादन किया । दसवा- सफाई कर्मियों की प्रतिनियुक्ति उन्हीं के वार्ड में कर दी गई।

चिन्हित एकल उपयोग प्लास्टिक पर लगाये गये प्रतिबंध को सख्ती से करें लागू: डीएम

छपरा। जिलाधिकारी सह-अध्यक्ष, जिला स्तरीय विशेष टास्क फोर्स, सारण, छपरा की अध्यक्षता में एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक कार्यालय कक्ष में आहूत की गयी। जिलाधिकारी के द्वारा बैठक में संबोधन के दौरान निदेश दिया गया कि चिन्हित एकल उपयोग प्लास्टिक पर लगाये गये प्रतिबंध को सख्ती से लागू करें। वन प्रमंडल पदाधिकारी-सह-सचिव, जिला स्तरीय विशेष टास्क फोर्स, सारण, छपरा द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों को बताया गया कि एकल उपयोग प्लास्टिक (एस.यू.पी.) के अंतर्गत ईयर बड्स की डंडियों, गुब्बारों की प्लास्टिक की डंडियाँ प्लास्टिक के झंडे, कैन्डी स्टिक, आईसक्रीम के प्लास्टिक के इंडिया पॉलीस्टाइरीन (थर्मोकॉल) की सजावटी सामग्री, प्लेट, कप, गिलास, तथा कटलरी जैसे कोटा चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, टू, स्टिटर, मिठाई के डब्बे, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली प्लास्टिक की फिल्मे 100 माईक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पी.वी.सी. के बैनर तथा गैर बुना हुआ प्लास्टिक कैरी बैग 60 ग्राम प्रति वर्ग मीटर (जी.एस.एम.) से कम नहीं का उपयोग प्लास्टिक अपशिष्ट नियमावली 2021 के तहत दिनांक 01.07.2022 से प्रतिबंधित किया गया है। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय गये। इसमें जिला स्तरीय विशेष टास्क फोर्स का नियमित अंतराल पर बैठक आयोजित किया जाना शामिल है। जिला पदाधिकारी, सारण, छपरा द्वारा प्रत्येक माह में नियमित रूप से बैठक आयोजित करने का निदेश दिया गया तथा बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिवेदन के साथ बैठक में उपस्थित रहने की हिदायत भी दी गयी। जिला पदाधिकारी, सारण द्वारा सभी सरकारी कार्यालयों में एकल उपयोग के प्लास्टिक उत्पादों एवं किसी प्रकार के गैर-विघटनीय उत्पादों का उपयोग नहीं किये जाने का निदेश दिया गया। बैठक में उपस्थित जिला स्तरीय टास्क फोर्स के सभी सदस्यों को एकल प्लास्टिक उपयोग पर प्रतिबंध लगाने हेतु अपने-अपने स्तर से व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया गया।

नगर निकाय के अपशिष्ट संग्रहण वैन ध वाहन से माईकिंग कर एस.ओ.पी. के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने हेतु जागरूकता पैदा करने के लिए निदेशित किया गया। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी, सारण को विद्यालयों में एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सारण को अपने स्तर से ग्रामीण क्षेत्र में एस.यू.पी. के उपयोग पर लगाये गये प्रतिबंध पर बच्चों एवं आम जनता के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए प्रचार-प्रसार कराने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, छपरा, सोनपुर, मढ़ौरा एवं अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, सदर, छपरा, सोनपुर, मढ़ौरा को निरंतर छापेमारी करने का निदेश दिया गया।

पागल कुत्ते ने 15 लोगों को काटा सीएचसी में भर्ती

गोपालगंज । पिछले 24 घंटे के दौरान पागल कुत्ते ने 15 लोगों को काटकर जख्मी कर दिया है। जख्मी लोगों में बच्चों की संख्या अधिक बतायी जा रही है। जख्मी लोगों में रेवतिथ गांव की रोशनी कुमारी, मडई साह, कमल किशोर सिंह, सद्दाम हुसैन, दीपक कुमार, सिरसा गांव के झगरू महतो, ममीना खातून, मानपुर के कैलाश राम, हरपुर जान गांव के पवन कुमार, बेलसर की प्रीति कुमारी, चमनपुरा के रामबच्चन राय, भगवानपुर के विशाल कुमार, बिजुलपुर गांव के निर्मल ठाकुर शामिल हैं। पीड़ितों को इलाज के लिए मंगलवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि ओपीडी में जख्मी लोगों का इलाज डॉ मनीष कुमार ने किया। उसके बाद इमरजेंसी वार्ड में मरीजों को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगायी गयी। इलाज के बाद जख्मी लोगों की स्थिति सामान्य बतायी गयी। सुबह पांच बजे से दोपहर बाद तक एक-एक कर पागल कुत्ते के काटने से जख्मी लोगों के अस्पताल आने का सिलसिला जारी रहा। देर शाम तक जख्मी लोगों की संख्या बढ़ने की संभावना जतायी जा रही है।

सम्पादकीय

लगातार हारने की चैंपियन

क्रिकेट की टीम इंडिया ने लगातार छठी बार बड़े टूनार्मेंट का फाइनल हारा है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रनों से करारी पराजय दी है। खेल में हार-जीत चिंता का सबब नहीं होना चाहिए, लेकिन पराजय ही जब मनोवृत्ति बन जाए और टीम विश्व कप तथा वैश्विक मैचों में पराजय की सोच के साथ ही उतरने लगे, तो कईतरफा सवाल उठने लगते हैं। करोड़ों रुपए का जो खर्च खिलाडिों पर किया जाता रहा है, वह भी फिजूल लगता है। सवाल ये भी किए जाने चाहिए कि क्या भारत में क्रिकेट की नई पीढ़ी ने जन्म लेना ही छोड़ दिया है अथवा हमारा उस पर फोकस ही नहीं है? ऑस्ट्रेलिया एकदिनी क्रिकेट का पांच बार का विश्व चैम्पियन है। वह 2021 में टी-20 क्रिकेट के फटाफट प्रारूप का भी विश्व चैम्पियन बना और अब पांच दिनी टेस्ट क्रिकेट का भी बादशाह है। कुछ माह पहले ऑस्ट्रेलिया की यही भरी-पूरी टीम भारत के प्रवास पर थी, जब टीम इंडिया ने एकतरफा मुकाबलों में उसे पराजित कर शृंखला जीती थी। अब लंदन के ओवल मैदान में हम एकदम फिसड्डी क्यों रहे? क्या फाइनल मुकाबले भी इस तरह एकतरफा होते हैं? दरअसल हमारे क्रिकेटरों की मानसिकता ऐसी हो चुकी है कि वे अपने खेल की आलोचना पसंद ही नहीं करते। कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान एवं 28 शतकों वाले बल्लेबाज विराट कोहली और टीम इंडिया की नई दीवार के विशेषण वाले चेतेश्वर पुजारा, यकीनन, महान बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन आज बड़े मैचों में वे नर्वस होकर नाकाम क्यों रहे हैं? वे खेलते हुए नौसीखिया लगते हैं और अक्सर गलत शॉट पर आउट होते हैं। हम गलत हो सकते हैं, लेकिन हमारा सरोकार राष्ट्रीय है कि टीम इंडिया 2013 के बाद से लगातार हार क्यों रही है और टीम एक भी आईसीसी ट्रॉफी क्यों नहीं जीत पाई है? बड़े मुकाबलों में 10,15, 20 या कभी-कभार अर्द्धशतक बनाने वाले बल्लेबाजों को, कमोबेश, महान श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

इस पर हमारे क्रिकेटरों का अहंकार ऐसा है कि वे प्रैक्टिस करना तौहीन समझते हैं और मैदान पर, खेल शुरू होने के, औसतन 30-45 मिनट पहले ही उतरना पसंद करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाडिों ने, भारत में शृंखला हारने के बाद, बल्लेबाजी, गेंदबाजी और कैच का लगातार अभ्यास किया। अधिकतर क्रिकेटर ने आईपीएल खेलने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। टीम इंडिया के ज्यादातर क्रिकेटरों ने जमकर आईपीएल खेला और जाहिर है कि अभ्यास भी किया होगा। कमोबेश गेंदबाजी की धार, लाइन, लेंथ, गति आदि तो सटीक रहनी चाहिए। बल्लेबाजी जरूर प्रभावित होती है, लेकिन महान बल्लेबाज तो महान ही होते हैं! टीम इंडिया के पुराने चावल अजिंक्या रहाणे ने ही कंगारुओं का जमकर, डटकर, मुकाबला किया। दरअसल हमारे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के खेल में निरंतरता की जबरदस्त कमी दिखाई देती रही है। तेज गेंदबाजों में शमी और सिराज पर ही भरोसा करना पड़ा। उमेश यादव तो टीम पर पुराने बोझ हैं। कभी श्रेष्ठ गेंदबाज रहे होंगे! क्रिकेट के महान विशेषज्ञों का स्पष्ट आकलन है कि ओवल की पिच 469 रन बनाने वाली नहीं थी, लेकिन टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को दो-दो शतक समेत ढेरों रन बटोरने दिए। भारत की हार की प्रस्तावना यहीं से लिख दी गई थी। जिस गेंदबाज आर. अश्विन ने करीब 475 विकेट लिए हों और कई मैचों में टीम इंडिया को जिताने का श्रेय जिसे कई बार मिला हो, उसे बाहर बिठा कर रखा गया। यह रणनीति और दलील समझ में नहीं आती। ऐसा कई बार हो चुका है। इसके अलावा, टीम इंडिया के विकेटकीपर के. भरत एक अंतराल से खेल रहे हैं। वह लगातार रन बनाने में अक्षम और नाकाम रहे हैं। क्या इतने बड़े देश में एक प्रशिक्षित विकेटकीपर का भी संकट है? बहरहाल इसी साल के अंत में एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप भारत में ही होना है। उसमें भारत किस तरह का चैम्पियन रहेगा, यह देश जरूर देखेगा।

कर्नाटक की जीत से मजबूत होगी कांग्रेस

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद तो उनका उत्साह देखते ही बनता है। इससे पूर्व दिसम्बर में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा का चुनाव जीता था। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस ने भाजपा की सरकार को हराकर चुनाव जीता है। इससे कांग्रेस कार्यकताओं का मनोबल भी बढ़ा है। जिसका लाभ कांग्रेस पार्टी को आगामी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में व 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल सकता है। 2014 के बाद लगातार हार पर हार झेल रही कांग्रेस पार्टी के लिए कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में चुनावी जीत एक नई संजीवनी साबित हुई है। अब कांग्रेस की राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक में सरकार बन गई है। वही झारखंड, बिहार व तमिलनाडु में कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है। इस तरह से देखे तो कांग्रेस देश के सात प्रदेशों में सत्तारूढ़ है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को कुछ खास सफलता नहीं मिली थी।

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है

कांग्रेस पार्टी के नेता इन दिनों उत्साह से भरे नजर आ रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद तो उनका उत्साह देखते ही बनता है। इससे पूर्व दिसम्बर में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा का चुनाव जीता था। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस ने भाजपा की सरकार को हराकर चुनाव जीता है। इससे कांग्रेस कार्यकताओं का मनोबल भी बढ़ा है। जिसका लाभ कांग्रेस पार्टी को आगामी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में व 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल सकता है। 2014 के बाद लगातार हार पर हार झेल रही कांग्रेस पार्टी के लिए कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में चुनावी जीत एक नई संजीवनी साबित हुई है। अब कांग्रेस की राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक में सरकार बन गई है। वही झारखंड, बिहार व तमिलनाडु में कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है। इस तरह से देखे तो कांग्रेस देश के सात प्रदेशों में सत्तारूढ़ है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को कुछ खास सफलता नहीं मिली थी। इस दौरान कांग्रेस पार्टी बहुत से राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी हार कर सत्ता से बाहर हो गई थी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का कर्नाटक में भारी बहुमत से जीतना पार्टी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

मलिकार्जुन खरगे के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहले हिमाचल और फिर कर्नाटक में कांग्रेस को जीत हासिल हुई है। जिससे उनके नेतृत्व क्षमता की भी धमक सुनायी देने लगी है। हालांकि कर्नाटक मलिकार्जुन खरगे का गृह प्रदेश है। जहां उन्होंने कई दशकों तक राजनीति की है। खरगे कर्नाटक के हर क्षेत्र व हर स्थिति से वाफिक है। जिसका फायदा उन्हें कर्नाटक के विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने में भी मिला। मलिकार्जुन खरगे वर्षों से कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते उनके पास मुख्यमंत्री बनने का सुनहरा अवसर था। मगर उन्होंने केंद्र की राजनीति में ही रहना उचित समझा और अपने सुपुत्र प्रियांक खरगे को राज्य सरकार में मंत्री बनवा दिया। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत से कांग्रेस पार्टी के नेताओं का मनोबल तो ऊंचा हुआ है। इसके साथ ही दोनों प्रदेशों में आने वाले समय में कांग्रेस को राज्यसभा सीटों का भी फायदा मिलेगा। कर्नाटक में तो कांग्रेस ने भारी बहुमत हासिल किया है। ऐसे में उनकी राज्यसभा सीटें भी बढ़कर दोगुनी से अधिक हो जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस को कर्नाटक विधान परिषद में भी बहुत सीटों का लाभ मिलेगा।

देश में विपक्ष की राजनीति में हाशिए पर चल रही कांग्रेस पार्टी कर्नाटक चुनाव में जीत के बाद विपक्षी राजनीतिक में केन्द्रीय भूमिका में आ गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश के सभी भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों की 12 जून को पटना में एक मीटिंग का आयोजन किया था। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी ने शामिल होने में असमर्थता प्रकट की थी। उस कारण से नीतीश कुमार ने 12 जून की मीटिंग को स्थगित कर उसके स्थान पर 23 जून को आयोजित कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में जीत के कारण ही ऐसा कर पाई है। देश में विरोधी दलों को एक करने के प्रयास में लगे नीतीश कुमार को भी अच्छे से पता चल गया है कि कांग्रेस के बिना भाजपा विरोधी दलो को एक मंच पर लाना मुश्किल ही नहीं असंभव है। इसीलिए नीतीश कुमार स्वयं दिल्ली आकर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से व्यक्तिगत मुलाकात कर विपक्षी एकता को सिरे चढ़ाने की अपील कर चुके हैं। कांग्रेस पार्टी वर्षों से यूपीए गठबंधन चला रही है। जिसमें काफी संख्या में विरोधी दल शामिल है।

हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री व भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव, बसपा अध्यक्ष मायावती, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी जैसे नेताओं को आज भी कांग्रेस से परहेज है। इन सभी नेताओं का अपने-अपने प्रदेशों में व्यापक जनाधार है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल जैसे प्रदेशों में कांग्रेस की वहां के सत्तारूढ़ दलों से सीधी टक्कर है। इस कारण वहां सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दलों से कांग्रेस का समझौता होना मुश्किल है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पिछले दिनों कहा था कि जिस प्रदेश में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव है वहां कांग्रेस को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। ऐसे में तो कांग्रेस बहुत कम क्षेत्र में सिमट कर रह जाएगी। इसका प्रतिवाद करते हुए लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी से किसी भी तरह का गठबंधन करने से इनकार कर दिया था।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यसभा में कांग्रेस से समर्थन मांग रहे हैं। मगर कांग्रेस के ही बहुत से वरिष्ठ नेताओं ने अरविंद केजरीवाल को किसी भी प्रकार का साथ देने का विरोध किया है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि केजरीवाल कांग्रेस के वोटों को हथिया कर मजबूत हो रहा है। कांग्रेस के नेता भाजपा विरोधी दलों के गठबंधन में भी प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी का नाम आगे कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी आज भी लोकसभा व राज्यसभा में सबसे बड़ा दल है। देश के अधिकांश प्रदेशों में उनका प्रभाव है। ऐसे में यदि सभी विपक्षी दल मिलकर भाजपा को हरा देते हैं तो प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी सबसे उपयुक्त दावेदार होंगे। यदि विपक्षी दल इस बात पर सहमत है तो हम साथ आ सकते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिस तरह से कर्नाटक में धुआंधार चुनाव प्रचार किया गया था। उसके उपरांत भी कांग्रेस पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की थी। उसके बाद से विपक्षी दलों को लगने लगा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ग्लैमर अब ढ़लान पर है। ऐसे में उनके सामने प्रधानमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार को मैदान में उतारा जाए तो उनको आसानी से हराया जा सकता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के सामने विपक्ष के सबसे मजबूत प्रत्याशी हो सकते हैं। अब देखना होगा कि आगामी 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की मीटिंग में क्या निर्णय लिया जाता है और उस मीटिंग से देश की राजनीति में कितना बदलाव हो सकेगा। उस पर ही विपक्षी एकता की बात निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा विरोधी दलों को लोकसभा चुनाव तक प्रधानमंत्री के चेहरे पर चर्चा ना कर भाजपा को हराने पर चर्चा करनी चाहिये। तभी विरोधी दल एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतर पाएंगें व देश की जनता को भी भरोसा दिला पाएंगे कि यदि भाजपा हारती है तो विपक्षी दलों की तरफ से देश को एक सशक्त व टिकाऊ सरकार मिलेगी।

सभी के लिए आवास

डा. अश्विनी महाजन

प्राचीन काल में भारत में आवासविहीन लोगों का कोई जिक्र नहीं मिलता है। एक ऐसा देश जो धनाढ्य था, जहां उद्योग और कृषि उन्नत अवस्था में थे और विश्व की एक-तिहाई से ज्यादा जीडीपी भारत में पैदा होती थी, गरीबी अथवा बेघरपन कल्पना से परे था। अपवाद के रूप में कभी-कभी अकाल जैसी स्थितियों की चर्चा इतिहास में मिलती है, लेकिन देश में सबसे भीषण अकाल ब्रिटिश शासन के दौरान ही देखने को मिलता है। आजादी से पूर्व लगभग 150 वर्ष के ब्रिटिश शासन काल में देश में गरीबी बढ़ी, इस पर सभी इतिहासकार एक हैं। एक देश जहां सभी लोग अपनी छत के नीचे रहते थे, ब्रिटिश शासन के दौरान कृषि और उद्योगों के पतन के साथ बढ़ती गरीबी के चलते बड़ी संख्या में लोग बेघर होते चले गए। 1947 में देश के विभाजन ने इस समस्या को और अधिक बढ़ा दिया। आजादी के बाद हर जनगणना में बेघर लोगों का बड़ा आंकड़ा दिखाई देता है। लेकिन वे सब लोग जो अपने घरों में अपनी छत के नीचे रहते रहे हैं, उनमें से भी एक बड़ा हिस्सा कच्चे और अत्यंत जीर्ण घरों में निवास करता रहा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) के 65वें चक्र के अनुसार सम्पूर्ण देश में 12.6 प्रतिशत गृहस्थ पूर्णतया कच्चे घरों में रहते थे। ग्रामीण क्षेत्र में यह आंकड़ा 17 प्रतिशत का था और शहरों में 2.1 प्रतिशत का। इसके अलावा 21.3 प्रतिशत लोग आधे-अधूरे पक्के घरों में रहते थे।

इसके अलावा 2011 की जनगणना के अनुसार 77.7 लाख लोग बेघर थे। गरीबी के चलते कच्चे और अधूरे पक्के मकानों में आवास करते लोगों के बारे में यह अपेक्षा भी करना बेमानी होगा कि उनके घरों में पर्याप्त पेयजल और शौचालय इत्यादि की भी व्यवस्था होगी। सामान्यतः गांवों में पक्के घरों में निवास करने वाले लोगों के पास भी उचित पेयजल अथवा शौचालय इत्यादि की व्यवस्था होना जरूरी नहीं। हालांकि एनएसएसओ के आवास संबंधी सर्वेक्षणों में लगातार कच्चे घरों की तदाद में लगातार कमी आई है और उसके स्थान पर पक्के घरों का अनुपात ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ा है। इस संबंध में देश में वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि का योगदान अधिक रहा है। लेकिन देखा जाए तो हालांकि पूर्व में सरकारों द्वारा शहरी और ग्रामीण आवास में सुधार हेतु हमेशा कुछ न कुछ खर्च होता रहा है।

तमाम प्रकार की आवास परियोजनाओं का भी जिक्र मिलता है। इन सब योजनाओं और परियोजनाओं को या तो रोजगार सृजन कार्यक्रमों के साथ अथवा आसान शर्तों और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराते हुए आवास की व्यवस्था की जाती रही। लोगों के स्वयं के प्रयास से अथवा सरकारी मदद से उधार लेकर अथवा सरकार द्वारा सस्ते दामों में भूमि आवंटन इत्यादि के माध्यम से आवास में विकास होता रहा है। देश में ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र में पक्के घरों के निर्माण हेतु केन्द्र और राज्य सरकारों के सम्मिलित प्रयास से 25 जून 2015 में प्रारंभ प्रधानमंत्री आवास योजना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। स्लम बस्तियों समेत आर्थिक दृष्टि से विपन्न, निम्न आय वर्ग एवं मध्यम आय वर्ग, सभी को शामिल करते हुए हर पात्र गृहस्थ को वर्ष 2022 तक एक पक्का मकान उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना प्रारंभ की गई थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) : 25 जून 2015 को प्रारंभ इस योजना में विभिन्न प्रकार की श्रेणियों में घरों की कमी की समस्या से निपटने के लिए योजना बनाई है। इस योजना के अनुसार वर्ष 2022 तक आर्थिक रूप से विपन्न/निम्न आय वर्ग, स्लम निवासी एवं मध्यम आय वर्ग के श्रेणी के सभी लोगों को पक्के घर की व्यवस्था करने का लक्ष्य रखा गया। लक्ष्य तो यह था कि जब देश अपनी आजादी के 75 साल पूर्ण कर रहा होगा तो सभी के पास एक पक्का घर होगा। इस योजना में घरों की कमी के बारे में राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में घरों की कमी के बारे में आकलन लगाया जाना तय किया गया। राज्य स्तर पर नोडल एजेंसियों, शहरी स्थानीय निकायों, केन्द्रीय नोडल एजेंसियों और प्राथमिक ऋण दाता संस्थाओं को इसमें मुख्य हितधारक के रूप में रखा गया। सभी प्रकार के शहरी क्षेत्र जिसमें सरकारी कस्बे, अधिघोषित योजना क्षेत्र, विकास प्राधिकरण, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, औद्योगिक विकास प्राधिकरण समेत सभी प्रकार के क्षेत्रों को इसमें शामिल किया गया। यह तय किया गया कि जो घर बनाए जाएंगे, उनमें शौचालय, जल आपूर्ति, बिजली और रसोई की मौलिक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से नए बने घर या तो महिला के नाम होंगे अथवा संयुक्त नाम से। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की बात कहें तो 1.23 करोड़ घरों के निर्माण के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है, 1.1 करोड़ घरों की शुरूआत होने के बाद 71 लाख घर बन चुके हैं। 2.03 लाख करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता के वचन के साथ 1.41 लाख करोड़ रुपए की सहायता राशि दी जा चुकी है। इन घरों के निर्माण में कुल 8.31 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की बात करें तो भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय का लक्ष्य 2.94 करोड़ घरों के निर्माण का था, जबकि 3.17 करोड़ लोगों ने इस हेतु पंजीयन कराया जिसमें से 2.85 करोड़ घरों के निर्माण की स्वीकृति दी गई, जिसमें से 2.16 करोड़ घर अभी तक बन चुके हैं और इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा 2.86 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।

छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामले देश और समाज को झकझोरने वाले हैं

इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अत्यधिक मानसिक दबाव के कारण देश के प्रमुख कोचिंग हब बने राजस्थान के कोटा में तो अक्सर छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आती ही रहती हैं, अब नामीगिरामी इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में भी छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के बढ़ते मामले समाज को झकझोरने लगे हैं। छात्रों में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सरकार के साथ-साथ समाज को भी गंभीर चिंतन-मनन के लिए विवश करने हेतु पर्याप्त है। कुछ मामलों में परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी छात्र हताश होकर जान देने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से ऐसी दुखद घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

योगेश कुमार गोयल

लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं

परीक्षाएं नजदीक आने के साथ ही छात्रों में चिंता और अवसाद बढ़ने लगता है और कुछ मामलों में यही बढ़ता अवसाद उनके आत्महत्या करने का कारण बन जाता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अत्यधिक मानसिक दबाव के कारण देश के प्रमुख कोचिंग हब बने राजस्थान के कोटा में तो अक्सर छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आती ही रहती हैं, अब नामीगिरामी इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में भी छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के बढ़ते मामले समाज को झकझोरने लगे हैं। छात्रों में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सरकार के साथ-साथ समाज को भी गंभीर चिंतन-मनन के लिए विवश करने हेतु पर्याप्त है। कुछ मामलों में परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी छात्र हताश होकर जान देने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से ऐसी दुखद घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। देश के युवा वर्ग और खासकर 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। शिक्षा तथा कैरियर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता तथा शिक्षकों की बढ़ती अपेक्षाओं के चलते छात्रों पर पढ़ाई का बढ़ता अनावश्यक दबाव इसका सबसे बड़ा कारण है, जिसने छात्रों के समक्ष विकट स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते, जिसके चलते उनमें अवसाद पनपता है।

कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि परीक्षाएं नजदीक आने के साथ ही छात्रों में चिंता और अवसाद बढ़ने लगता है और कुछ मामलों में यही बढ़ता अवसाद उनके आत्महत्या करने का कारण बन जाता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है, वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों में सामान्य स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी अब जबरदस्त मारामारी होने लगी है। ऐसे में छात्र अपनी शिक्षा और भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में रहते हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता है तो कोई पारिवारिक वित्तीय संकट से जूझ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े देखें तो जहां 2020 में देशभर में कुल 12526 छात्रों ने आत्महत्या की, वहीं 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 13089 हो गया। वैसे आत्महत्या की यह समस्या अब केवल छात्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि देश में आत्महत्या के मामलों में जिस प्रकार साल दर साल उछाल आ रहा है, वह समूचे समाज के लिए गंभीर चिंता का कारण बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा तो काफी चिंताजनक है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब भी कोई व्यक्ति या युवा गहरे मानसिक तनाव से जूझ रहा होता है तो उसके व्यवहार में पहले की अपेक्षा कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। ऐसे में आसपास मौजूद लोगों तथा परिजनों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे व्यक्ति अथवा युवा को इमोशनल, मेंटल या फिजिकल जैसी भी जरूरत हो, सहयोग करें, उसका मनोबल बढ़ाने का प्रयास करें ताकि वह व्यक्ति स्वयं को अकेला महसूस न करे। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। जहां तक छात्रों की बात है तो छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों के लिए कहीं न कहीं अभिभावक भी दोषी हैं। दरअसल अधिकांश मामलों में देखने को मिलता है कि ज्यादातर माता-पिता या अभिभावक अपने बच्चों की क्षमता और अभिरूचि को सही ढंग से नहीं समझ पाते और उनसे जरूरत से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हुए परीक्षा के समय भी उनकी मनोदशा से अनभिज्ञ रहते हैं। कई मामलों में ऐसे छात्र जरूरत से ज्यादा मानसिक दबाव के कारण गलत कदम उठा बैठते हैं। ऐसे मामलों में छात्रों को मानसिक दबाव से बाहर निकालने में सबसे बड़ी भूमिका अभिभावकों, करीबी लोगों और शिक्षकों की ही हो सकती है, जो उन्हें सहानुभूतिपूर्वक समझाएं कि किसी भी असफलता से उनके जीवन का निर्धारण नहीं होता और हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे सकारात्मक सोच के साथ अपनी क्षमतानुसार मेहनत करके भी सफलता की बुलंदियों को छू सकते हैं। हालांकि सरकार, सामाजिक संस्थाओं शिक्षण संस्थानों की ओर से हाल के वर्षों में छात्रों की काउंसलिंग के साथ उनकी पढ़ाई में मदद करने तथा जरूरत महसूस होने पर चिकित्सकीय परामर्श मुहैया कराने के प्रयास हो रहे हैं लेकिन इन प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है।

सीमित दायरे में ओपीएस क्यों?

संजय कुमार

13 जनवरी 2023 का ऐतिहासिक दिन कर्मचारियों के लिए हमेशा याद रहने वाला अध्याय छोड़ कर गया है। प्रदेश का सरकारी कर्मचारी हमेशा इसे याद रखेगा क्योंकि इसी दिन कर्मचारियों की लंबित मांग को वर्तमान की सुक्खू सरकार ने मानते हुए ओपीएस को लागू करने की घोषणा की और अब पुरानी पेंशन को लागू भी कर दिया। पुरानी पेंशन सरकारी कर्मचारियों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प है। ओपीएस बहाली की घोषणा करने वाला हिमाचल प्रदेश देश का पांचवां राज्य बन गया है। पुरानी पेंशन की मांग को स्वीकारते हुए लगभग डेढ़ लाख कर्मचारियों को बुढ़ापे का सहारा देकर इतिहास रचा है। विधानसभा चुनाव के दौरान ओपीएस को बहाल करना वर्तमान सरकार की दस में से एक गारंटी थी और इसी गारंटी ने सरकार को सत्ता में आने के लिए फायदा भी दिया। प्रदेश का ऐसा सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने जो वादा किया था वो सत्ता में आने के बाद पूरा भी किया। प्रदेश के लाखों कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली के लिए वर्ष 2015 से लगातार संघर्षरत थे तथा अब एक अप्रैल 2023 से उनको इसका लाभ मिलना शुरू भी हो जाएगा। जिस प्रदेश का मुखिया अपनी कार्यशैली से अपने लोगों के जीवन की खुशहाली के लिए योजनाओं को धरातल पर उतारता है, तब उस प्रदेश के सुखद भविष्य को कोई नकार नहीं सकता। कर्मचारी किसी भी सरकार की रीढ़ होते हैं। उन्हीं के कठिन परिश्रम और सहयोग से राज्य सरकार अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को सही दिशा में क्रियान्वित कर सकती है। कर्मचारियों का स्वाभिमान लौटाने तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुरानी पेंशन योजना पर ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। प्रदेश के संसाधन सीमित होने के बाद भी मुख्यमंत्री सुक्खू ने यह फैसला लिया जिसका अनुसरण अब दूसरे प्रदेश भी करेंगे जिनके संसाधन हमसे बेहतर हैं। वर्ष 2003 से सेवानिवृत्ति के पश्चात कर्मचारियों की स्थिति दयनीय बनती जा रही थी। चंद रुपए जो पेंशन के रूप में मिलते थे उससे घर का खर्च चलाने के लाले पड़ जाते थे। इसी स्थिति को भांपते हुए कर्मचारियों ने एकजुटता का रास्ता अपनाया और संघर्ष किया तथा प्रदेश के मुखिया ने ओपीएस रूपी फल प्रदेशवासियों को प्रदान किया। आंदोलन के समय में भी हिमाचल के बोर्ड और निगमों के कर्मचारियों ने भी बढ़ -चढ़ कर सहयोग दिया और धर्मशाला आभार रैली में भी अपना समर्थन दिया। लगातार कई वर्ष मेहनत करने के बाद एक व्यक्ति कर्मचारी चयन आयोग या लोक सेवा आयोग से चयनित होकर नौकरी में आता है। चयन आयोग उनको विभागों में या बोर्ड या कॉर्पोरेशन में नियुक्ति देता है। प्रदेश के इतिहास का काला सच यह भी है कि प्लेसमेंट अगर विभागों में होती है तो आज उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा, पेंशन उनके बुढ़ापे का सहारा बनेगी और जिंदगी के आखिरी मुकाम में उन

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन की चपेट में आकर किसान मौत, परिजनों में मचा कोहराम

अमरोहा। फसल की सिंचाई करने खेत पर जा रहे किसान की रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। मंगलवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा देखकर परिजनों के होश उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीती रात को चककाली लेट रेलवे स्टेशन और कैलसा के बीच में हुआ।क्षेत्र के गांव लोधीपुर में राम चरन सिंह का परिवार रहता है। 80 वर्षीय रामचरण पेशे से किसान थे।उनके परिवार में बच्चे भी हैं।परिजनों के मुताबिक सोमवार की रात दो बजे रामचरन सिंह खेत पर फसल की सिंचाई करने के लिए जा रहे थे।करीब 2:30 बजे चककाली लेट रेलवे स्टेशन से दो सौ मीटर कैलसा की ओर जैसे ही रेलवे लाइन पार करने लगे। तभी किसी ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर मौत हो गई। मंगलवार की सुबह रेलवे लाइन पर बुजुर्ग का शव देखकर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलने पर परिजन भी पहुंच गए। मौके पर पहुंची देहात थाना पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह पुंडीर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की तरफ से इत्तफाकिया तहरीर मिली है।

कहासुनी के बाद प्लंबर को मारी गोली, अस्पताल में कराया भर्ती

नौगांवा सादात।थानाक्षेत्र के गांव सिरसा जट में कहासुनी के बाद प्लंबर उस्मान को गोली मार दी गई। पेट में गोली लगने से प्लंबर घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।सिरसा जट गांव में किसान बाबू का परिवार रहता है। उनका बेटा उस्मान प्लंबर का काम करता है। सोमवार की शाम उस्मान पाइप लाइन दुरुस्त करके घर लौट रहा था। घर से करीब 200 मीटर पहले गांव का ही रहने वाला शाकिर मिला। इस दौरान दोनों बातचीत करने लगे। तभी किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि शाकिर में उस्मान के पेट में गोली मार दी और मौके से भाग गया। गोली लगते ही उस्मान लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही नौगांवा सादात पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल उस्मान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सीओ सतीश चंद पांडेय ने बताया कि घायल उस्मान के बहनोई शानू की तहरीर पर आरोपी शाकिर के खिलाफ जानलेवा हमला करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जनता की समस्याओं का हो त्वरित समाधान : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है। इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराएं। श्री योगी ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने इस दौरान करीब 500 लोगों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कई महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को उन्होंने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। मंगलवार सुबह जनता दर्शन में एक ऐसे दंपति भी पहुंचे थे जो किसी समस्या के निस्तारण की गुहार लेकर नहीं आए थे। बल्कि उनकी इच्छा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों अपनी सात माह की बिटिया का अन्नप्राशन कराने की थी। सीएम ने उनकी यह ख्वाहिश पूरी करते हुए बच्ची को गोद में लेकर खीर खिलाई।

मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर शिक्षक विधायक ने गिनाई उपलब्धियां

विश्व में भारत का बढ़ा सम्मान: ढिल्लो

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा।केंद्र में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर मंगलवार को भाजापा से वरिष्ठ नेता एवं शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों ने अपने कैम्प कार्यालय पर प्रेस वार्ता कर भारत सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने बताया कि सेवा सुशासन और गरीब कल्याण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है। केंद्रीय योजनाओं का लाभ देश भर के लोगों को मिल रहा है। मोदी की सोच और काम से पूरे विश्व में भारत और भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है।गरीब कल्याण और गरीब सशक्तिकरण के लिए यह सरकार काम कर रही है। वंचितों को उनका अधिकार देने के लिए प्रधानमंत्री ने जंग छेड़ी है। सबका साथ सबका विश्वास के साथ संपूर्ण देश के विकास के लिए यह सरकार काम कर रही है।आगे बताया कि तकनीक में हमलोग पिछड़े हुए थे। नौ वर्षों में हम इस दिशा में काफी आगे बढ़ गए है। अब भारत की पहचान आत्मनिर्भर देश के रूप में होती है।2014 से पहले भारत आर्थिक रूप से विकसित देशों में 11वें नंबर पर था, आज ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनेगी। जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर।नए संसद भवन में आधुनिकता के साथ प्राचीन संस्कृति और पूरे देश के योगदान के योगदान की झलक। श्री ढिल्लों ने पूर्व की काग्रेंस सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि पहले की सरकार कहती थी एक रुपया केंद्र सरकार से भेजती थी तो लाभार्थी के पास 15 पैसे पहुंचते थे। जनधन खाता और तकनीक से अब पूरे एक रुपये पहुंच रहे हैं।पहले वैक्सीन के लिए दूसरे देशों पर आश्रित रहने वाले भारत ने मोदी के संकल्प से कोरोना में भारत ने दो वैक्सीन तैयार किए। 210 करोड़ टीके लगाए।100 देशों में टीके भेजे गए।यह भारत की क्षमता और बदलती छवि का उदाहरण है।बेहद कम देश का आत्मविश्वास ही कमजोर पड़ चुका था। 10 साल में भारत की हालत क्या हो गई थी ये बात न दुनिया से छिपी थी, न देशवासियों से देश की 130 करोड़ जनता ने नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर भरोसा किया और इस भरोसे ने 2014 से 2023 के 9 साल में ही देश में शांति, समृद्धि और विकास की स्पीड भी दिखाई और स्केल भी दिखाई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर आपदा में देशवासियों के साथ खड़ा है, उनकी सेवा में दिन-रात जुटा है। भारत ने वो दिन भी देखा है, जब पोलियो, टेटनस और बौसीजी जैसे टीकों को भारत आने में 50 से ज्यादा साल लग गए थे।महिलाओं के प्रति अपराध घटे, बीमारियों से दूरी बढ़ी और पर्यावरण को भी पहुँच रहा है लाभ अब महिलाओं की मूल जरूरत शौचालय उनके पास है।मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि पिछड़े वर्ग को उनके सपनों को साकार करने के लिए हर संभव मदद व सहयोग मिले। दिव्यांग जनों के लिये भी अवसरों का नया आकाश खोला गया है. क्या आपने कभी सोचा है? वही देश है, वही तंत्र है, वही संसाधन हैं लेकिन ये सब शानदार परिणाम दे रहे हैं।छोटे-छोटे शहरों तक हवाईयात्रा की सुविधा का विस्तार क्षेत्रीय विकास और देश को जोड़ने की मुहिम में महत्वपूर्ण कदम है. 2014 तक 12 किमी प्रति दिन की रफ़्तार से बनते हाईवे आज लगभग 40 किमी प्रतिदिन तक पहुँच गए हैं।उड़ान जैसी सुविधाओं के कारण देश में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है।जलमार्ग बनाने के विषय में कभी सोचा ही नहीं. अमेरिका और अन्य विकसित देशों से तुलना में, वंदे भारत लोगों के लिए सुलभ मूल्य पर उपलब्ध होती हैं. यह विश्व के लिए किसी क्रांति से कम नहीं, आज रहे है बहुत देश इस टेक्नोलॉजी को अपने देश में उपयोग कर ने की बात कर रहे हैं।

बिना लाइसेंस व प्रशासनिक अनुमति के चल रही अवैध कबाड़ी की दुकान

प्रात: किरण, संवाददाता

हसनपुर।तहसील क्षेत्र में इन दिनों प्रत्येक चौक चौराहों से लेकर गली मोहल्लों तक कबाड़ की दुकानें धड़ाधड़ खुली हुई हैं।बिना लाइसेंस के सालाना लाखों रुपये की आमदनी दुकानदार उठा रहे हैं।क्षेत्र में अवैध तरीके से चल रही कबाड़ की दुकानों पर सरकारी तंत्र का कोई नियंत्रण ही नहीं रह गया है। हसनपुर नगर से लेकर रहरा थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में कबाड़ की दुकानें बगैर लाइसेंस के खुलेआम चल रहीं हैं। बिना अनुमति के संचालित इन दुकानों में कीमती सामानों को सस्ते दामों पर खरीदकर कारोबारी लाखों रुपये कमा रहे हैं।इन दुकानों में कबाड़ की खरीद-बिक्री की न तो रसीद दी जाती है और न ही कोई रिकार्ड रखा जाता है।इतना ही नहीं इनके दलाल ग्रामीण क्षेत्रों से कबाड़ खरीदकर दुकान में खपा देते हैं ,वहीं इन दुकानदारों द्वारा लाखों रुपये लगाकर जुगाड़ रूपी वाहन बनाये गए,जिनमे बिना कागज की मोटरसाईकिल का इस्तेमाल किया गया व इन्हें ठेली का रूप देकर ग्राम बार भेजा जा रहा है जहां इनके करीबी ओने पोने दामों पर माल खरीदकर इन्हें मुहैया करा रहे हैं। हैरत की बात यह है कि इस व्यवसाय में पुलिस और प्रशासन का भी कोई रोकटोक नहीं रहता। प्रशासनिक ढिलाई के चलते जिले के बाहर से आए लोग इस व्यवसाय में सक्रिय नजर आ रहे हैं।लोहे के सामान व घरेलू उपयोग की वस्तुओं सहित कई कीमती सामान कबाड़ी अपने दलालों के माध्यम से खरीद कर लाखों कमा रहे हैं जिससे क्षेत्र में चोरियों को भी बढ़ावा मिलता है,हसनपुर -अलीगढ़ मार्ग व आसपास कई बिना लाइसेंस की दुकानें चल रही हैं,जिनमें धडल्ले से किमती सामानों को बेंचा जा रहा जबकि दिहाड़ी मजदूरों की साइकिलें व मोटरसाइकिलों की चोरी होने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा है,बावजूद सरकारी तंत्र इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है !चर्चा तो यहां तक है कि यह सब कबाड़ी दुकानदार चोरी की बाइकें,पम्पसेट,डीजल इंजन,कार व फैक्ट्रियों की पाइपों व कीमती सामानों आदि को कम कीमत पर चोरों से खरीद कर माला-माल हो रहे हैं।बताते चलें कि सभी कबाड़ी बिना लाइसेंस के खरीदी गई चोरी की मोटरसाइकिलों और अन्य गाड़ियों को गैस बिल्डिंग मशीन से काटकर कबाड़ में बदलकर पुर्जे जरूरतमंद लोगों एवं मिस्त्रियों में बेच कर माला-माल हो रहे हैं।घनी आबादी के बीच चलने वाली इन दुकानों पर चोरी की हर चीज कबाड़ के भाव खरीदी जाती है।छोटी-बड़ी गाड़ियों को काटकर कबाड़ में तब्दील कर देना इन दुकानदारों के बाएं हांथ का खेल बना हुआ है।इन दुकानदारों के पास न तो कबाड़ खरीदने का लाइसेंस है और न ही वाहनों को काटने की प्रशासनिक अनुमति,फिर भी सभी काम बेखौफ होकर कर रहे हैं। जबकि क्षेत्र में चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा और फैक्ट्री में दिहाड़ी मजदूरों की साइकिलें व मोटरसाइकिलों के चोरी होने के मामले को भी बढ़ावा मिलता है।बावजूद जिम्मेदारों द्वारा अनदेखी उनकी संलिप्तता को बयां कर रही है !विश्वस्त सूत्रों की मानें तो जिम्मेदारों का कबाडी कारोबारियों से बेहद करीबी नाता है और यह नाता किसी रिश्ते का नहीं बल्कि लेनदेन का है !बताया जाता है कि जिम्मेदार हफ्ते व महीने के हिसाब से इन कबाडी करोबारियों से मोटी रकम लेते हैं और इनको संरक्षण प्रदान कर कारोबारियों के साथ स्वयं भी मालामाल हो रहे हैं,तभी तो जानकारी होते हुए किसी भी कबाडी कारोबारी पर कार्यवाही करने से बचते नजर आ रहे हैं !अब देखना यह है कि प्रसासन इन अवैध कबाड़ी पर अंकुश लगा पायेगा या नही

फर्जी पट्टों के आवंटन की खुले में रही जांच में न्यायालय के आदेश पर पट्टा आवंटन की फाइल रद्द

खरपड़ी के मजदूर, भूमिहीन को न्यायालय से दो साल के बाद मिला न्याय

प्रात: किरण, संवाददाता

हसनपुर। खरपड़ी में जिलाधिकारी के आदेश पर फर्जी पट्टों के आवंटन की खुले में हो रही जांच में बड़ी कार्यवाही की उम्मीद जताई गयी थी, वही 2 साल के इंतजार के बाद ग्राम के भूमिहीन मजदूरों न्याय मिला है ।क्योंकि ग्रामीणों के बयानों के अनुसार कई लोग 2019 में जांच में फंसते दिखाई दे रहे थे,बता दें पूर्व में गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव खरपड़ी के ग्रामीणों ने अमरोहा जिला अधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए गांव में फर्जी तरीके से पूर्व ग्राम प्रधान गंगाराम सैनी एवं लेखपाल मांगेराम शर्मा द्वारा किए गए फर्जी पट्टा आवंटन को निरस्त करने की मांग की थी। जिस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी बीके त्रिपाठी ने एसडीएम सदर को जांच अधिकारी नियुक्त किया था। वहीं मामले में नायब तहसीलदार सन्तोष कुमार की अगुवाई में तहसील स्तरीय टीम द्वारा खरपड़ी गांव पहुंचकर सरकारी विद्यालय में सभी ग्रामीणों के सामने खुली बैठक में ग्रामीणों के बयान दर्ज किए थे। और फजीर्वाड़े की टीम द्वारा जांच की गई। वहीं ग्रामीणो द्वारा दिये गये ब्यानो एंव दिखाए गये दस्ताबेजो के अनुसार के अनुसार फर्जी बाड़े की पोल खुल गई। जिसके बाद अधिकारी एंव संबंधित भी बगले झांकते दिखाई दिए थे। इससे पूर्व जिलाधिकारी कार्यालय पर ग्रामीणों ने अवगत कराया था कि राशन डीलर के 3 पुत्र एंव प्रधान के बेटी तथा दामाद के पट्टे भी जांच में पाए गए और कुछ आवंटित पट्टा धारकों की ग्राम सभा में नही रहने के बावजूद भी पट्टा आवंटन किया गया। करीब आधा दर्जन ग्राम पंचायत सदस्यो ने भी पट्टा आवंटन का कोई प्रस्ताव नहीं होने की बात कही थी जहां फजीर्वाड़े की लगातार छड़ी पर छड़ी खुल रही थी तो वहीं अधिकारी भी कानों पर हाथ रखने लगे। वहीं मामले में तत्कालीन कानूनगो अनुज कुमार सिंगल से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया जिला अधिकारी बीके त्रिपाठी के निदेर्शों पर गांव में पट्टों की जांच की गई थी। ग्रामीणों के बयान दर्ज किए गए और रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी गयी, वही ग्राम प्रधान विजय कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की बाबत फर्जी पट्टा आवंटन की शिकायतें लगातार की गई जिन पर न्यायालय के आदेश गत 26 मई 2023 के अनुरूप आदेश अनुक्रम में फर्जी आवंटन की फाइल निरस्त करते हुए आदेश दिया कि उपयुक्त विवेचना के आधार पर न्यायालय के आदेश के अंतर्गत कहा गया कि ग्राम खरपड़ी की भू०प्र०स० द्वारा कृषि आंवटन के संबंध में की गयी बैठक 11 अक्टूबर 2019 व आंवटन स्वीकृति 30 नवम्बर 2019 स्पष्ट रूप से प्रथम दृष्टया कूटरचित है, कोरम का अभाव है, मुनादी त्रुटिपूर्ण है, इस प्रकार आंवटन प्रकिया अवैध है। आंवटन भी अपात्र व्यक्तियों को किया गया है। एक ही परिवार के कई व्यक्तियों को आंवटन किया गया है। ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्य ने अपने रिश्तेदारो को बिना अनुमति लिये आंवटन किया गया है। कई आंवटीगण के पास परिवार में अधिक भूमि है तथा आंवटित व्यक्तियों से पात्रता कम में उपर आने वाले कई अनुसूचित जाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूर ग्राम में उपलब्ध थे जिन्हें आंवटन नहीं किया गया है। उ०प्र०रा०सहिता एवं नियमावली -2016 के सुसंगत प्राविधानों का पालन नहीं किये जाने के कारण प्रश्नगत आवंटन विधि के विपरीत है। ऐसी स्थिति में न्याय हित में प्रतिवादीगण के पक्ष में किया गया प्रश्नगत आंवटन विधि विरूद्ध एवं दूराभिसंधि से किये गया फर्जी एवं कूट रचित है। आंवटन प्रक्रिया दूषित होने के कारण कृषि आंवटन स्वीकृति 30 नवम्बर 2019 को निरस्त किया जाना आवश्यक बताया गया।

पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने दी 58 फीसद ज्यादा नौकरियां : स्मृति ईरानी

लखनऊ, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 70 हजार नवनियुक्त सदस्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भर्ती हुए सदस्यों को संबोधित भी किया। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 43 स्थानों पर किया गया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने युवाओं को 58 फीसदी ज्यादा नौकरियां दी हैं। अब तक 08 लाख 80 हजार से ज्यादा नौकरियां युवाओं को मिली हैं। उन्होंने कहा कि अगर रोजगार मिलने के बाद कॅरियर में वृद्धि करनी है तो हर क्षेत्र के बारे में जानकारी रखनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारी अपने ग्राहकों की लोन एप्लीकेशन को सिर्फ एक कागज का टुकड़ा न समझें। मध्यम वर्ग के लिए लोन का आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत होना, सपने के पूरे होने या टूट जाने जैसा होता है। ईरानी ने कहा कि नौकरियों के माध्यम से सेवा का मौका मिलना महत्वपूर्ण है। सेवा किस जगह से की जाए यह महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भारत में निजी और सरकारी सेक्टर दोनों ही जगह नौकरियों के निरंतर नए मौके सृजित हो रहे हैं। बड़ी संख्या में युवा स्वरोजगार के लिए भी आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत सरकार 40 करोड़ लोन दे चुकी है। इसमें से 27 करोड़ मुद्रा लोन महिलाओं को दिए गए हैं। युवाओं की मदद की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए सरकार ने 04 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। स्टैंड अप इंडिया के अंतर्गत 40 हजार करोड़ रुपये केवल महिला और अनुसूचित जन जाति के लोगों को मोदी सरकार के द्वारा दिए गए हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि रोजगार पाने वाला एक व्यक्ति हजारों लोगों की जिंदगी बदल सकता है। रोजगार मेले की इस पहल का समर्थन करते हुए राज्य सरकारों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में भी नियुक्तियां की जा रही हैं। देश भर से चुनी गई नई भर्तियां वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूली शिक्षा विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग तथा गृह मंत्रालय आदि सहित विभिन्न विभागों में सरकार में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोजगार मेले से, आगे के रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने और युवाओं को उनके सशक्तिकरण तथा राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने की उम्मीद की जाती है। नई शामिल की गई भर्तियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का भी एक अवसर प्राप्त हो रहा है, जहां 400 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम ह्यकहीं भी किसी भी डिवाइसह्न सीखने के प्रारूप के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

केंद्र की मोदी सरकार ने किसान सम्मान निधि से किसानों को किया सम्मानित: घनश्याम सिंह लोधी

- 34 स्वार टांडा विधानसभा के टांडा नगर में भाजपा का संयुक्त मोर्चा सम्मेलन आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा/टांडा। नगर में पृथ्वी बैंकट हॉल में केंद्र की मोदी सरकार के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 9 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी का संयुक्त मोर्चा सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा सांसद घनश्याम सिंह लोधी का कार्यकताओं ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया । जिसमें उन्होंने बोलते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने सबका साथ सबका विकास की नीति के अंतर्गत काम किया है भाजपा शासनकाल में हर वर्ग खुशहाल है मोदी सरकार द्वारा आज तक किसी सरकार द्वारा किसानों को सम्मान नहीं दिया गया भाजपा की मोदी सरकार ने किसानों को सम्मान निधि देकर उनका सम्मान किया है उज्जवला योजना के माध्यम से निशुल्क गैस सिलेंडर गरीबों को आवास एवं शौचालय प्रदान किए गए हैं प्रत्येक गांव में पक्की सड़कें तथा फोरलेन का निर्माण किया गया है आज भाजपा के शासनकाल में देश उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो चुका है इस मौके पर चमरोवा के पूर्व विधायक एवं स्वार ब्लाक के ब्लाक प्रमुख युसूफ अली ने कहा कि पहले ग्रामों में सड़के कच्ची हुआ करती थी गांव-गांव तक आज पक्की सड़कें हैं ग्रामीण क्षेत्रों तक भी विकास हुआ है पहले सिलेंडर लेने के लिए लंबी-लंबी लाइने लगती थी लेकिन आप होम डिलीवरी की सुविधा है भाजपा की सरकार ने लोगों की बेहतर सुविधा के लिए काम किया है इस मौके पर मसवासी के निवर्तमान चेयरमैन हरिओम मौर्य ने कहा कि भाजपा शासनकाल में किसान व्यापारी मजदूर सभी वर्गों को सरकार द्वारा लाभान्वित किया जा रहा है भाजपा के शासनकाल में आज महिलाएं भी सुरक्षित हैं अपराधियों को या तो जेल में या तो प्रदेश से बाहर किया जा रहा है भाजपा शासनकाल में महिलाएं सबसे ज्यादा सुरक्षित है इस मौके पर क्षेत्रीय मंत्री रवि रूहेला ,जिला उपाध्यक्ष राजकुमार चौहान, महेश मौर्य ,भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष ऋषभ ठाकुर, युवा मोर्चा जिला कार्यालय प्रभारी मयंक प्रताप मौर्य, पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष चेतन स्वरूप मौर्य, अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह सागर, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रेम पाल गंगवार, टांडा मंडल अध्यक्ष योगेश सैनी, रोहतास ठाकुर, पंकज सैनी, भाजपा मंडल महामंत्री संजीव कुमार वर्मा, पवन कुमार, सौरभ गुप्ता ,देवेंद्र दिवाकर, भाजपा युवा मोर्चा टांडा नगर अध्यक्ष अश्वनी वर्मा, विनेश मौर्य, अतर सिंह मौर्य, विजेंद्र सैनी, राजेश यादव, संजय कश्यप आदि सभी मोर्चों के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

दहेज लोभी सुसरालियों ने गर्भवती महिला को पीटा, पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

गजरौला। कोतवाली इलाके में एक पांच माह की गर्भवती महिला को दहेज के खातिर पीटा गया। विवाहिता के पति, सास और देवर पर गर्भवती के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। विवाहिता के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे उठाया। विवाहिता दर्द से कराह रही थी। उसे निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया।फिलहाल पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मुरादाबाद के मौहल्ला चार खंभे वाली गली निवासी गर्भवती की छोटी बहन डोली पुत्री चंद्रबोस ने बताया कि उन्होंने अपनी बड़ी बहन डिंपल की शादी सात माह पूर्व गजरौला के मौहल्ला अंबेडकर नगर निवासी पिंटू के साथ की थी। साथ ही शादी में काफी दान दहेज दिया था।आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज से खुश नहीं है और अतिरिक्त दहेज की मांग करते है। दहेज नहीं मिलने पर विवाहिता एवं पांच माह की गर्भवती के साथ मारपीट करते हैं। सोमवार को भी विवाहिता के साथ मारपीट की गई। उसके पेट में भी लात मारी गई। जिससे वह दर्द से कराहने लगी।महिला पेट में चोट लगने के कारण दर्द से कराहती रही।आसपास के लोग मौके पर आ गए और उन्होंने विवाहिता को संभाला। हालत खराब होने पर उसे निजी चिकित्सक के यहां ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष के लोग भी मौके पर आ गए। गर्भवती के मायके के लोगों ने थाने में आरोपियों के खिलाफ दहेज की खातिर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।मामले में एक आरोपी को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उधर जानकारी देते हुए गजरौला थाना प्रभारी अरिहंत कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है।मामले में जांच की जा रही है। जांच पड़ताल के बाद ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

आदमपुर में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, जंगल में मिला शव

परिजनों ने बिना कानूनी कार्रवाई के किया अंतिम संस्कार, चार महीने पहले हुई थी शादी

प्रात: किरण, संवाददाता

आदमपुर। थाना क्षेत्र के गांव में 25 वर्षीय युवक ने फांसी के फंदे पर लटककर अपनी जान दे दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। बिना पुलिस कार्रवाई के परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।बता दें कि आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव बीझनपुर निवासी 22 वर्षीय युवक की 4 माह पूर्व शादी हुई थी। शादी के बाद से वह खुशी-खुशी अपना वैवाहिक जीवन जी रहा था। लेकिन युवक पिछले कुछ दिन से परेशान चल रहा था। परिजनों की मानें तो वह खेतों पर घूमने के लिए गया था। लेकिन जब वह काफी समय तक नहीं लौटा तो परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू कर दिया।कुछ समय बाद परिजनों को सूचना मिली कि युवक जंगल में फंदे पर लटका हुआ है। सूचना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। आनन-फानन में शव को पेड़ से नीचे उतारा गया। जिसके बाद परिजनों ने उसे एक निजी चिकित्सक को दिखाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।वहीं परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। वहीं युवक की मौत से पत्नी समेत परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। थाना प्रभारी वरूण कुमार ने बताया कि मामला जानकारी में नहीं है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों का हुआ अन्नप्राशन

छह माह बाद स्तनपान के साथ शिशु को दें ऊपरी आहार: संजीव सिंह

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। बच्चों और गर्भवती को सुपोषित बनाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मंगलवार को अन्नप्राशन दिवस का आयोजन किया गया। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अधीन होने वाले इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों पर छह माह के बच्चों को तिलक लगाकर और खीर खिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।जिला कार्यक्रम अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि जनपद के सभी 1430 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मंगलवार को अन्नप्राशन दिवस मनाया गया। अन्नप्राशन कराने का मुख्य उद्देश्य माताओं को इस बात के लिए जागरूक करना है कि बच्चे की बढ़ती उम्र के साथ-साथ उसके आहार में बदलाव करने की आवश्यकता होती है ताकि बच्चे का विकास बाधित न हो तथा बच्चा स्वस्थ और तंदुरुस्त बना रहे।छह माह की आयु पूरी करने वाले बच्चों की माताओं को यह भी बताया गया कि बच्चे को स्तनपान के साथ-साथ पूरक आहार देना प्रारंभ करें जैसे दाल, दलिया, सब्जी, पोषाहार, आलू या उबला हुआ अंडा और इसके लिए किन बातों का ध्यान रखें जैसे पूरक आहार बच्चे को कैसे दिया जाए और पूरक आहार के रूप में बच्चे को क्या-क्या खिलाया जाए। साथ ही महिलाओं को बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक किया गया। इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि ऊपरी आहार के साथ-साथ दो साल तक बच्चे को स्तनपान कराना जरूरी है।महिलाओं को बताया गया कि जन्म से छह माह तक के बच्चे को केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए जिससे बच्चा स्वस्थ और तंदुरुस्त रहेगा। स्तनपान करने से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है। साथ ही बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास भी होता है। छह माह तक बच्चे को कोई भी ऊपरी आहार नहीं देना चाहिए जैसे-पानी और शहद आदि।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने शिवा, खुशी और सुशांत को तिलक लगाकर और खीर खिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उपस्थित महिलाओं को पोषाहार के लाभ के बार

संक्षिप्त खबरें

देसी कट्टा के साथ युवक हुआ गिरफ्तार

भागलपुर। जगदीशपुर थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को देसी कट्टा तथा एक जिंदा कारतूस के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया है, साथ ही एक मोटरसाइकिल भी जप्त किया गया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि देर रात्रि थाना क्षेत्र के सनहौला मोड़ पर एक बाइक को रोक कर तलाशी ली गई तो बाइक सवार बांका जिला अंतर्गत रजौन थाना क्षेत्र के लोढिया गोपालपुर के विपिन यादव के पुत्र कुंदन कुमार के पास से एक देसी कट्टा व एक जिंदा गोली बरामद किया गया। इसी दौरान बाइक पर सवार अन्य दो युवक मौके से भागने में सफल हो गया। वही पुलिस ने फरार दोनों युवकों की पहचान रजौन थाना क्षेत्र के कठौन गांव के गोल्डन दास व चकफरिया गांव के मदन कुमार हरिजन के रूप में की है। वही पुलिस फरार हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देने की कवायद शुरू कर दी है। वही पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पत्नी ने अपने पति सास और ससुर पर दर्ज कराई प्राथमिकी

हवेली खड़गपुर। थाना क्षेत्र के बनगामा पंचायत अंतर्गत लौहरा गांव में एक महिला ने घरेलू हिंसा मारपीट और प्रताड़ना करने को लेकर अपने ही पति सास और ससुर के खिलाफ एक आवेदन थाना को देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। अपने आवेदन में उद्देश्य मांझी की पत्नी कंचन देवी ने कहा है कि उसका पति उद्देश्य मांझी ससुर पांचों मांझी तथा सास शीला देवी आए दिन उसके साथ मारपीट करते हैं बार-बार छोटी सी बात प्रताड़ित करते हैं। आवेदन में कहा गया है कि तीन-चार दिन तक कमरे में बंद कर रखता है मेरा छोटा बच्चा है वही कमरे में बंद करने के कारण मेरे बच्चे को तकलीफ होती है प्रभारी थाना अध्यक्ष कीर्ति कमल ने बताया कि महिला के आवेदन पर उनके पति सास और ससुर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है पुलिस मामले की छानबीन रही है।

लखनपुर का दौरा का क्षेत्रीय विधायक ने ग्रामीणों से लिया फीडबैक

तारापुर। तारापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मानिकपुर अंतर्गत मुस्लिम बहुल क्षेत्र लखनपुर का दौरा क्षेत्रीय विधायक राजीव कुमार सिंह ने किया जहां विधायक ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक को क्षेत्र में साफ सफाई बिजली पक्की सड़क वाले आदि समस्याओं से अवगत कराया साथ ही ग्रामीणों ने गांव के बीचों-बीच बीच गुजरने वाली दरगाही नदी के सफाई का अनुरोध किया। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित समस्याओं से भी विधायक को अवगत कराया। ग्रामीणों की समस्या से रूबरू होते हुए विधायक ने तत्काल संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को ग्रामीण क समस्या के समाधान का निर्देश दिया है।

14 जून से दस बजे खुलेगा हरि सिंह महाविद्यालय

हवेली खड़गपुर। हरि सिंह महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने एक सूचना संख्या 38/2023 जारी कर महाविद्यालय को 10:00 बजे पूर्वाहन से खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं की समस्या को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि बीए पार्ट01- वर्ष2023 - 2027 में नामांकन के लिए छात्र छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुधवार 14 जून 2023 से महाविद्यालय को 10:00 बजे से खोला जाएगा।

निक्षय मित्र योजना के तहत गोद लिए पांच टीबी रोगियों के बीच किया गया पोषाहार का वितरण

पूर्णिया/ बीकोठी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बी. कोठी में सहायक चिकित्सा पदाधिकारी डॉ के के शर्मा की अध्यक्षता में प्रखंड के पांच टीवी रोगियों के बीच टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषण सहायता के लिए निश्चय मित्र के द्वारा पोषाहार वितरण किया गया। बताते चले कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा कोठी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अजय कुमार निश्चय मित्र बनते हुए समाज को एक प्रेरणा दिया है। निक्षय मित्र बनते हुए डॉ अजय कुमार दो टीबी रोगियों क्रमशः बड़हरा पंचायत निवासी कृष्ण आनंद राम एवं ठाड़ी पंचायत निवासी शंकर किस्कू को गोद लिया। यक्ष्मा सहायक श्री कमल चौधरी दो टीबी रोगियों क्रमशः सुखसेना पंचायत निवासी संजय मुर्मू और अर्बन्ना चकला निवासी मंजुला देवी को गोद लिया। वरिया यक्ष्मा प्रयोगशाला पर्यवेक्षक श्री दिलीप कुमार सिंह एक टीबी रोगी सुखसेना पंचायत के सभागाछी टोला निवासी महेंद्र कुमार मंडल को गोद लिया है। इस अवसर पर सहायक चिकित्सा पदाधिकारी डॉ के के शर्मा ने कहा कि, टीबी रोगियों को छह महीने तक पौष्टिक आहार की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि रोगी जल्द से जल्द ठीक होकर अपना सुखमय जीवन परिवार के साथ बिता सकें। और उन्होंने आम जनों को संबोधित करते हुए कहा कि, टीबी रोगियों को लगातार छह माह तक सरकारी दवाई का सेवन करना और साथ में पौष्टिक भोजन लेना बेहद जरूरी है।

अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को उतारा मौत के घाट

रामपुरखुर्द चकदाहा बहियार में एक युवक की हत्या, इलाके में फैली सनसनी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में अपराधी अपनी करतूतों को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे इसी कड़ी में एक ओर अपराधी द्वारा आए दिन क्षेत्र के कई इलाकों में गोलीबारी की घटना लगातार अंजाम दे खूनी खेल को दिनदहाड़े आजम दे रहे है जो थमने का नाम नही ले रहा है। एक तरफ जहां वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार डीआईजी विवेकानंद जैसे प्रतिष्ठित पुलिस अफसर भागलपुर की कमान संभालने के साथ ही अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कई हथकंडे अपना रहे हैं, वही क्षेत्र में चल रहे अपराधिक घटनाओं पर नकेल कसने की जद्दोजहद में जिले परिक्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों के साथ लगातार बैठक कर रणनीति बनाई जा रही है तो वहीं दूसरी ओर अपराधी अपने अपराधिक घटना को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे है। जिले में फिर एक बार गोलीबारी की घटना घटित होने का मामला सामने आया है। नाथनगर थाना क्षेत्र के रामपुरखुर्द गांव के मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चकदाहा बहियार में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया और बीच बहियार में मृतक युवक के शव को फेंक दिया है। वही अहली सुबह गांव वालों के शोर-शराबे से उक्त घटना की जानकारी का पता चल पाया है, कि किसी युवक को गोली मारकर खेत में फेंक दिया गया है। कुछ देर बाद उक्त मृत युवक की पहचान नाथनगर के रहने रामपुरखुर्द पंचायत के रामपुर हरिजन टोला के अनिल दास के 32 वर्षीय पुत्र नवीन कुमार के रूप में हुई है। घटना को लेकर बताया जाता है कि नवीन सेंटरिंग मजदूरी का काम किया करता था, उनके तीन बच्चे है। वही घटना को लेकर उसकी पत्नी ने बताया कि हमारे पति 12 जून को 5:00 बजे शाम से ही गायब थे और मोबाइल लेकर निकले थे, हम लोगों को जब पता चला तो घटनास्थल पर आकर देखते हैं कि उसकी गोली मारकर किसी ने हत्या कर दी है, और उसके पास जो मोबाइल था वह भी नहीं है, साथ ही उन्होंने कहा हम लोग रात भर अपने पति को ढूंढ रहे थे। हमें क्या पता अपराधियों ने हमारे पति के साथ यह कांड कर दिया है, जबकि मेरे पति से किसी की कोई दुश्मनी नहीं थी। वही मृतक 32 वर्षीय नवीन कुमार अपने पीछे अपनी पत्नी और 3 बच्चे को छोड़कर चला गया है। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने मृतक नवीन के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, और घटना के शिनाख्त करने में जुट गई है। वही घटना से आहत हुए परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है, जबकि हत्या होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। वही घटना को लेकर सिटी डीएसपी अजय चौधरी ने बताया कि प्रथम दृष्टि में यह प्रतीत हो रहा है कि सेंट्रींग मिस्त्री नवीन से कुछ लोगों ने पैसे और मोबाइल सिम छिनतई की घटना को अंजाम देने की बात कही है और उसी में अपराधियों और नवीन में झड़प हुई है, जिसके चलते उसको गोली मारी गई है। घटना की जांच में पुलिस जुट गई है, वही घटना स्थल व आसपास के क्षेत्र इलाके की जांच व अपराधियों की निशानदेही को लेकर डॉग स्क्वायड व फॉरेंसिक जांच टीम की मदद के साथ घटनास्थल की जांच की जा रही हैं, उम्मीद है जल्द सब कुछ सामने होगा।

तिथि बढ़ाने की मांग हेतू अभाविप ने परीक्षा नियंत्रण की अपील

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भागलपुर इकाई द्वारा पार्ट 1 की परीक्षा तिथि को बिना विलंब शुल्क के आगे बढ़ाने व पीजी नामांकन में पुनः नये छात्रों को फॉर्म भरने का मौका देने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधि मंडल परीक्षा नियंत्रक पदाधिकारी से मुलाकात की। मामले को लेकर विश्वविद्यालय संयोजक आशुतोष सिंह तोमर ने बताया कि इस मामले में परीक्षा नियंत्रक ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए फॉर्म भरने हेतु तिथि विस्तार के नोटिफिकेशन जारी करने की बात कही है। छात्र नेता की मांग थी कि 5 जून से फॉर्म भरा जाना था, लेकिन तिथि जारी होने के 2 दिन तक पोर्टल नहीं खुला था इसलिए छात्र हित को ध्यान में रखते हुए तिथि को बढ़ाया जाए। वहीं पीजी छात्रों को नामांकन में पुनः फॉर्म अप्लाई करने दिए जाने की मांग को लेकर भी डीएसडब्ल्यू के पास पहुंचे थे और नामांकन में नये छात्रों को मौका दिए जाने की मांग की। जिसपर डीएसडब्ल्यू ने कहा की नामांकन प्रक्रिया तय समय में पूरा करना है, इसलिए तिथि को बढ़ाना संभव नहीं है, लेकिन छात्र नेताओं ने जब ये कहा की अभी भी कई छात्र ऑनलाइन प्रक्रिया से कन्फ्यूज होकर अप्लाई नहीं कर पाए है, तो उक्त मामले पर डीएसडब्ल्यू ने कहा है कि पीजी के फर्स्ट लिस्ट के जारी होने के बाद पोर्टल खुलेगा तो उसमे फ्रेश कैंडिडेट्स को भी अप्लाई का मौका दिया जायेगा। जिसपर छात्र नेताओं ने भी सहमति जताई है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में विभाग सह संयोजक कुणाल पांडे, जिला संयोजक रोहित राज एवं रोहित कुमार सहित अन्य छात्रनेता मौजूद थे।

राहुल गांधी देश को जोड़ने का करते हैं काम तो वही भाजपा फैलाती है धार्मिक उन्माद : प्रवीण सिंह

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। कांग्रेस नेता प्रवीण सिंह कुशवाहा ने अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता के क्रम में विपक्ष भाजपा नेता के दिये दाढ़ी पर बयान को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दंगाई मानसिकता के हैं, इसलिए तो उन्हें राहुल गांधी की दाढ़ी को देखकर ओसामा बिन लादेन की याद आने की बात कही हैं। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दाढ़ी तो भारतीय सभ्यता और संस्कृति का द्योतक है। वही उन्होंने सम्राट चौधरी के दाढ़ी को लेकर सवाल करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी को अपनी दाढ़ी की क्वालिटी को भी बताना चाहिए कि उनकी दाढ़ी आशाराम की है, या फिर हाफिज सईद के स्टाइल की। साथ ही उन्होंने कहा कि दाढ़ी तो साधु-संत भी रखते हैं। भारत में तो सिक्ख समुदाय में दाढ़ी रखने की परंपरा तो पुरानी और धार्मिक है। दाढ़ी को लेकर दिये गये बयान से सारे हिन्दुस्तान के लोगों को जलील करने का काम किया है। दाढ़ी को लेकर दिये गये बयान के लिए उन्हें देश की जनता से माफी मांगना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राहुल गांधी की दाढ़ी पर बयान देकर सारे दाढ़ी रखने वालों को आतंकवादी से संबोधित करने का काम किया है, और अपमानित किया है। साथ ही उन्होंने कड़े शब्दों में कहा था सम्राट चौधरी बड़े ही ज्ञानी पुरुष हैं तो जरा ये बता दें कि अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक प्रखंड में कितनी यूनिवर्सिटी और कॉलेज खुलवाये हैं, जो वह अब पूरे बिहार के पंचायत लेवल पर यूनिवर्सिटी और कॉलेज खुलवाने चले हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य पर जोर देकर कहा कि सारा हिन्दुस्तान जानता है कि भाजपा धर्म के नाम पर केवल लड़वाने का काम करती है और उस आग में अपनी रोटी सेंकती है। इसका जबाव जनता समय आने पर जरूर देगी।

मीडिया से बात करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा ने राहुल गांधी के बारे में कहा कि वह हिंदुस्तान के लोगों से बेइंतहा मोहब्बत करते हैं, जिसके चलते उन्होंने 4000 किलोमीटर भारत जोड़ो पदयात्रा की। वहीं भारतीय जनता पार्टी लोगों में उन्माद और जातिवाद फैलाने का काम करते हैं, यह कहीं से सही नहीं है, आगामी 2024 के चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।

कांवरिया पथ में जिला प्रशासन के निर्देशन में अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर अंचल अधिकार अमित राज, थानाध्यक्ष प्रिय रंजन के नेतृत्व में कांवरिया पथ में बिहार सरकार के जमीन पर अवैध कब्जा कर रह रहे लोगों पर जिला प्रशासन का बुलडोजर चल पड़ा है। स्थानीय जिला प्रशासन व भारी संख्या में पुलिस बलों की मौजूदगी में बुलडोजर के माध्यम से सैकड़ों अतिक्रमण कर संचालित दुकानें को ध्वस्त कर जमीन मुक्त कराया गया। इस दौरान अंचल अधिकारी अमित राज ने बताया कि श्रावणी मेला तैयारी को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर कांवरिया पथ में जबरन बिहार सरकार के जमीन पर रह रहे लोगों द्वारा अतिक्रमण किये जमीन पर रहने वाले लोगों को बुलडोजर के माध्यम से लगी दुकान को हटाते हुए अतिक्रमण मुक्त कार्य किया जा रहा है, और शहर में अतिक्रमण मुक्त कब किया जाएगा के सवाल पर कहा कि उसकी तैयारी की जा रही है।

जनसेवक नियुक्ति की मांग को लेकर किया धरना सह हल्ला बोल प्रदर्शन जारी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार प्रदेश किसान सलाहकार संघ जिला इकाई भागलपुर व बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के बैनर तले अपनी मांगों को लेकर राज्य स्तरीय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर जिला कृषि कार्यालय संयुक्त कृषि भवन भागलपुर परिसर में आवाज बुलंद करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। वहीं प्रदर्शन के दौरान धरनार्थी किसान सलाहकार ने कहा है कि किसान सलाहकार को जनसेवक के पद पर जल्द से जल्द नियुक्त किया जाए और उसे उसका मूल वेतन दिया जाए साथ ही साथ इस कार्य को जल्द से जल्द करने की बात कही है। प्रदर्शन कार्यक्रम में जिला परिक्षेत्र के कई प्रखंडों से आये दर्जनों किसान सलाहकार मौजूद थे। वही धरनार्थी किसान सलाहकार के जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि हम लोग विगत 13 वर्षों से किसान सलाहकार के रूप में लोगों की सेवा कर रहे हैं, लेकिन हम लोगों को वेतन के रूप में मात्र 13 हजार रुपए मिलते हैं, जिससे घर चलाना काफी मुश्किल हो रहा है। वही बच्चों के स्कूल व ट्यूशन फी देने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हम लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द हम लोगों को जनसेवक के पद पर बहाल कर क्षेत्र कार्य में नियुक्त किया जाए, जिससे हम लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी और हम लोग अपने विभाग के लिए दिल से काम भी कर पाएंगे।

सड़क हादसे में तीन की मौके पर हुई मौत, आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में सड़क हादसे का दौर जारी है, आलम यह है कि बेलगाम वाहनों की जद्दोजहद में सड़क हादसों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है, आए दिन सड़क हादसे का शिकार हो कर लोग की मौत की गाल समा रहे हैं, स्थिति ऐसी है कि सड़क हादसे के शिकार हो मौत की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। इसी कड़ी में एक और ट्रैक्टर और ऑटो में जोरदार टक्कर की घटना घटित होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि नवगछिया पुलिस जिला के रंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 31 पर ट्रैक्टर और ऑटो की भीषण टक्कर में ऑटो रिक्शा पर सवार करीब एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल होने की सूचना सामने आई है। वही सड़क हादसे की घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने बिपरीत दिशा से आ रही यात्रियों से बड़ी एक ऑटो रिक्शा में जोड़दार टक्कर मार दी। वही उक्त घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं करीब आधे दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गये। जिसे मौजूद राहगीरों व स्थानीय लोगों की मदद से त्वरित इलाज के लिए नबगछिया अनुमंडल अस्पताल लेजाया गया। जहां से चिकित्सक द्वारा प्राथमिक इलाज के साथ ही सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रैफर कर भेज दिया गया है। जहां चिकित्सकों द्वारा भर्ती कर सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। वही घटना को लेकर बताया जा रहा है कि घटना के सभी घायल हुए लोग अररिया से भागलपुर एक मुंडन संस्कार के लिए आये हुए थे। जहां से वापस अररिया लौटने के क्रम में रंगरा चौंक के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने जोड़दार सीधी टक्कर मार दी। वही घटना की जानकारी प्राप्त होते ही रंगरा थाना पुलिस अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच घटना की जांच में जुट गई है। वही पुलिस ने मृतको की पहचान अररिया के देवेंद्र यादव, उसकी माँ संध्या देवी, सास चंदा देवी के रूप में की है। वही घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि देवेंद्र के बेटे मुकेश का मुंडन संस्कार कर सभी वापस लौट रहे थे। जिसमें घटना घटित हुई हैं। वही घटना कर शिकार हुए सभी घायलों का मायागंज अस्पताल में इलाज चल रहा है। वही दुर्घटना ग्रस्त ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुट गई है। वही पुलिस ने सभी मृतकों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने की कवायद में जुट गई है।

कोडरमा के सांसद प्रतिनिधि के सपरिवार गंगा में डुबे

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज के अजगैवीनाथ गंगा घाट पर कोडरमा के सांसद अन्नपूर्णा देवी के प्रतिनिधि उषा देवी के श्रद्धक्रम के बाद सांसद अपने सपरिवार के साथ शुद्धिकरण के लिए गंगा स्नान करने पहुचे थे, जहां गंगा स्नान करने के दौरान लगभग दस लोग गंगा में स्नान करने के क्रम में डुबने लगने जिसे देखने के साथ स्थानीय दुकानदारों की मदद से सात व आठ लोगों की जान बचा ली गई, जबकि दो लोग गंगा में डुबने पर लापता होने की जानकारी बतायी जा रही है। वही इस घटना में कोडरमा सांसद प्रतिनिधि उषा देवी के 15 बर्षीय बेटी प्रियांशु कुमारी व भांजा 25 बर्षीय पियूष कुमार जो गंगा में अबतक डुबने पर लापता बताया जा रहा है। वही घटना कि जानकारी पुलिस को मिलने पर घटना स्थल पर स्थानीय पुलिस, अंचल के राजस्व अधिकारी रवि कुमार, एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुचकर डुबे लोगों की खोजबीन करने की कवायद में जुटी हुई हैं। वही गंगा घाट पर मौजूद कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी के प्रतिनिधि उषा देवी के परिजन मिथलेश शर्मा ने बताया कि मां का देहांत होने के बाद श्राद्धक्रम घर में होने के बाद सपरिवार शुद्धिकरण के लिए गंगा स्नान करने पहुंचे थे। जहां गंगा में लगे बेरिकेंटिग टुटा हुआ था, जिससे उक्त जगह पर सपरिवार स्नान कर रहे थे तभी अचानक गहरे पानी होने पर सभी घर के सदस्य में दस लोग डुबने लगे जिसे देखते ही सोर मचाने पर स्थानीय लोगों की मदद से परिवार के आठ लोगों की जान बचाई जा सकी, लेकिन वही परिवार के दो लोग गंगा में डुबने से अबतक लापता है। जिसमें भतीजा पियूष कुमार है जो बीए के छात्र है, वही उक्त घटना में दुसरी बेटी प्रियांशु कुमारी है। वही उन्होंने कहा कि घटना के तीन घंटे के बाद गंगा घाट पर एसडीआरएफ टीम पहुची है, वही अगर एसडीआरएफ टीम ससमय गंगा घाट पर मौजूद रहते तो शायद लापता हुए लोगों की बरामदगी हो सकती थी। आश्चर्यजनक की बात है जहां गंगा घाट में सालों भर बेरिकेंटिग रहती हैं लेकिन प्रशासन द्वारा निगरानी नही किये जाने के कारण आए दिन नदी में डुबने जैसी घटना घटित होती रहती हैं, स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण इस तरह की घटना घटित होती रही हैं, अगर सजक्ता के साथ प्रशासन की टीम कार्य करती तो इतनी बड़ी घटना घटित नहीं होती की बात परिजन व स्थानीय लोगों ने कही है।

श्रावणी मेला के मद्देनजर नवनिर्माण निरक्षण भवन का हुआ विधिवत शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज के स्टेशन रोड के समीप केला गुदाम में बिहार सरकार भवन निर्माण विभाग के द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से निरक्षण भवन का निर्माण कार्य होना है, इसी कड़ी में स्थानीय विधायक प्रो. ललित नारायण मंडल व कार्यपालक अभीयंता विनय प्रसाद सिंह के द्वारा विधिवत रूप से भुमि पुजन करते हुए भवन निर्माण के ईंट की नीव रखकर निर्माण कार्य आरंभ किया। इस दौरान स्थानीय विधायक प्रो. ललित नारायण मंडल ने कहा कि बिहार सरकार के द्वारा अजगैवीनाथ धाम में कांवरियों की सुविधा एंव प्रशासनिक पदाधिकारियों के ठहराव को लेकर डेढ करोड़ रुपये की लागत से निरक्षण भवन की तैयारी को लेकर निर्माण कार्य शुरू कर दी गई है। भवन निर्माण के बाद बाहर से आगन्तु श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नही होगी, जिसके लिए बिहार सरकार के सौजन्य से आगन्तु श्रद्धालुओं सहित अधिकारी स्तर के लोगों के लिए ठहराव व्यवस्था की पहल शुरू करने की दिशा में भवन निर्माण कार्य की शुरूआत हुई है। वही कार्यपालक अभीयंता भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद विनय कुमार सिंह ने कहा कि डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बिहार सरकार के निर्देश पर नव निर्मित निरक्षण भवन की तैयारी युद्ध स्तर से शुरू कर दी गई है, जल्द ही आगन्तु श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिलेगा। इस दौरान जदयू प्रखंड अध्यक्ष सदानंद कुमार, महागठबंधन के नेता सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद थे।

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों के साथ किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) 13 जून। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर अनुमंडल सभागार तारापुर में एसडीओ राकेश कुमार रंजन की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान बारी बारी से मेला को सफल बनाने को लेकर सभी जनप्रतिनिधियों ने अपनी अपनी बातों को विस्तार पूर्वक रखा। वहीं पिछले वर्ष के भांति इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए बेहतर से बेहतर व्यवस्था हो को लेकर सभी लोगों ने अपना राय रखा। मुंगेर जिला के अंतर्गत पड़ने वाले 26 किलोमीटर की दूरी कमरांय से कुमरसार के बीच बिजली पेयजल शौचालय सहित कच्ची कमरिया पथ पर बालू गिराने से लेकर बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर लोगों ने अपना पक्ष रखा। कावंरिया पथ पर गोगाचक मनिया एवं कुमरसार सरकारी धर्मशाला का रंग रोगन इत्यादि विषयों पर मेला प्रारंभ होने के 10 दिन पूर्व सभी तरह के काम पूरे हो जाने को लेकर चर्चा की गई। बंद पड़े सरकारी जीपीटी चापानल एवं नए जीपीटी चापाकल लगाने को लेकर मेला से पहले ही जगह को चिन्हित करने पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार रंजन ने कहा की श्रावणी मेला को देखते हुए कंट्रोल रूम तारापुर थाना को बनाया जाएगा। कंट्रोल रूम में अग्निशमन गाड़ी मजिस्ट्रेट पर्याप्त मात्रा में पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। 26 किलोमीटर की दूरी में जगह जगह चिकित्सा शिविर पुलिस चौकी की व्यवस्था बहाल की जाएगी। जहां शिफ्ट वाइज पदाधिकारी से लेकर पुलिसकर्मी अपने ड्यूटी का बेहतर निर्वहन करेंगे। मुख्य रूप से श्रावणी मेला के दौरान कच्ची कमरिया पथ पर बिजली की बेहतर व्यवस्था बहाल हो इस पर विशेष रूप से लोगों ने बल दिया। बैठक में मेला प्रारंभ होने के पूर्व पूरे कमरिया पद का औचक निरीक्षण भी होना है जो समय से पूरी कर ली जाएगी।

बैठक में मुख्य रूप से डीएसपी पंकज कुमार अपर एसडीओ वसीम अकरम डीसीएलआर दीपक कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार अंचलाधिकारी बंदना कुमारी थाना अध्यक्ष राजेश कुमार रंजन लोजपा के राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह चंद्रर सिंह राकेश सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर चौधरी अधिवक्ता हरे कृष्ण वर्मा धर्मवीर भारती मुखिया कासिम रजा सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कालाजार रोगी खोज अभियान के लिए 13 प्रखंडों के 132 गांवों का किया गया चयन

पूर्णिया। जिले में सात दिवसीय कालाजार मरीजों की खोज अभियान का शुभारंभ आगामी 20 जून से शुरू होने वाला है। इस अभियान में विशेष रूप से आशा कार्यकर्ता डोर टू डोर भ्रमण कर कालाजार के संभावित मरीजों की खोज करेंगी। क्षेत्र भ्रमण के दौरान आशा कार्यकर्ता 15 दिन या इससे अधिक समय से बुखार पीड़ित वैसे मरीज जिनका बुखार मलेरिया व एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन के बावजूद ठीक नहीं हुआ हो। वैसे लोगों को कालाजार बीमारी से संबंधित जांच के लिए प्रेरित करने का काम करेंगी। जिला वेक्टर बॉर्न पदाधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद मंडल ने बताया ने बताया कि कालाजार रोगी खोज अभियान के लिए जिले के 13 प्रखंडों के 132 गांवों का चयन किया गया है। जहां हाल के वर्षों में कालाजार के नए मामले या संभावित मरीज सामने आया है। कालाजार खोज अभियान के तहत 178232 जनसंख्या वाले 34991 चिह्नित घरों का सर्वे किया जाना है। इसके लिए 146 आशा कार्यकर्ता एवं 82 आशा फैसिलिटेटर को लगाया जाएगा। जिला वेक्टर बॉर्न पदाधिकारी (डीवीबीओ) डॉ राजेन्द्र प्रसाद मंडल ने बताया कि राज्य मुख्यालय स्थित कार्यालय में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अपर निदेशक सह एसपीओ डॉ अशोक कुमार ने पत्र जारी कर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है। कालाजार प्रभावित गांवों में आगामी 20 जून से डोर टू डोर भ्रमण कर मरीजों की खोज होनी है। जिसके लिए आशा कार्यकताओं के प्रशिक्षण से लेकर अभियान के सफल संचालन तक का गाइड लाइन जारी किया गया है। जिसमें प्रचार प्रसार के लिए माइकिंग, बैनर पोस्टर के अलावा फ्लैक्स के संबंध में दिशा निर्देश दिया गया है। कालाजार लक्षण वाले मरीजों की सरकारी अस्पतालों में आरके-39 किट के द्वारा जांच की जाएगी। वहीं जिन लोगों का पूर्व में कालाजार का इलाज हो चुका हो या उनमें बुखार के साथ कालाजार के लक्षण दिखाई पड़े तो उनकी बोन मैरो व स्पीलिन एसपिरेशन जांच के लिए सदर अस्पताल में रेफर किया जाएगा।

जिला वेक्टर जनित नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीसीओ) रवि नंदन सिंह ने बताया कि कालाजार रोग को पूर्णतः खत्म करने को लेकर विभागीय स्तर से लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए ग्रामीण चिकित्सकों द्वारा संभावित मरीजों को जांच के लिए सरकारी अस्पताल भेजे जाने एवं व्यक्ति में रोग की पुष्टि होने पर उन्हें प्रोत्साहन राशि के रूप में 500 रुपये देने का प्रावधान है। क्योंकि कालाजार उन्मूलन में ग्रामीण इलाकों में कार्य करने वाले ग्रामीण चिकित्सकों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। आगे उन्होंने यह भी बताया कि कालाजार मरीजों के इलाज की सुविधा जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है। मरीजों को सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने पर श्रम क्षतिपूर्ति के रूप में सरकार द्वारा 7100 रुपये की राशि दी जाती है। पोस्ट कालाजार डर्मल लीशमैनियासिस (पीकेडीएल) के मरीजों को पूर्ण उपचार के बाद सरकार द्वारा 4000 रुपये श्रम क्षतिपूर्ति के रूप में दिया जाता है।

सलाहकार सोनिया मंडल ने बताया कि 15 दिनों से अधिक समय तक बुखार का होना कालाजार का लक्षण हो सकता है। इसके साथ ही भूख की कमी एवं पेट का आकार बड़ा होना कालाजार के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि जिन्हें बुखार नहीं हो लेकिन उनके शरीर की त्वचा पर सफेद दाग या गांठ बनना पोस्ट कालाजार डर्मल लीशमैनियासिस (पीकेडीएल) के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए कालाजार से ठीक हो चुके मरीजों को भी अनिवार्य रूप से जांच करानी चाहिए। समय रहते जांच नहीं करायी गयी त

तमन्ना भाटिया ने विजय वर्मा संग रिश्ते पर लगाई मुहर

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा बीते लंबे समय से अपने रिश्ते की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कई दफा इन्हें साथ में स्पॉट किया जा चुका है। साथ ही रुमर्ड कपल की कोजी तस्वीरें भी इंटरनेट जगत का तापमान बढ़ाती देखी जा चुकी हैं। वहीं, अब तमन्ना भाटिया अपने ताजा बयान से सोशल मीडिया की हलचल बढ़ाती नजर आई हैं। एक्ट्रेस ने विजय वर्मा संग अपने रिश्ते पर पक्की मुहर लगा दी है। तमन्ना भाटिया ने आखिरकार मान लिया कि उनका और विजय वर्मा का प्यार लस्ट स्टोरीज 2 के सेट पर शुरू हुआ था। इस फिल्म में दोनों पहली बार स्क्रीन साझा करते नजर आने वाले हैं। लस्ट स्टोरीज 2 का निर्देशन अमित रविंद्रनाथ शर्मा, कोंकणा सेन शर्मा, आर बाल्की और सुजॉय घोष ने मिलकर किया है। तमन्ना भाटिया ने अपने हालिया इंटरव्यू में विजय वर्मा को लेकर कहा, वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ मैं बहुत व्यवस्थित रूप से बंधी हूं। तमन्ना भाटिया ने अपनी बात में आगे जोड़ा, जी हां, वह बहुत खास हैं। उनके साथ मेरा बॉन्ड बहुत ही ऑर्गेनिक है। वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी मैं चिंता करती हूं, और मैं उनके साथ खुश रहती हूं। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को वर्ष 2023 की न्यू ईयर पार्टी के दौरान गोवा में स्पॉट किया गया था। कथित तौर पर दोनों का किसिंग वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद इनके अफेयर की खबरों ने तूल पकड़ा। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को कई दफा साथ में स्पॉट किया गया। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते पर चुप्पी साधी रखी। इसी को लेकर मीडिया के सवाल पर एक्ट्रेस ने कहा, हमने फिल्म साथ की है। ऐसी अफवाहें उड़ती रहती हैं। इसपर प्रतिक्रिया देना कोई जरूरी नहीं है। इसके आगे मैं कुछ नहीं कहना चाहती। तमन्ना भाटिया ने डेटिंग की खबरों पर कहा, आप किसी भी सह-कलाकार के प्रति आकर्षित नहीं होते, मेरे कई सह-कलाकार रहे हैं। अगर कोई किसी को पसंद करता है या कुछ फील करता है, तो यह कुछ ज्यादा ही खास होता है। दूसरे शख्स का पेशा क्या है, इसका इससे कोई लेना-देना नहीं होता।

दीपिका, कंगना की राह पर चली कृति, अभिनय के साथ-साथ अब प्रोडक्शन हाउस भी

पिछले नौ वर्ष से सिने उद्योग में कार्यरत कृति सेनन इन दिनों 16 जून को प्रदर्शित होने जा रही आदिपुरुष को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। ओम राउत द्वारा निर्देशित यह फिल्म रामायण महाकाव्य पर आधारित है। इस फिल्म में जहां एक्टर प्रभास प्रभु श्रीराम के रोल में नजर आएंगे तो वहीं कृति माता सीता का किरदार निभा रही हैं। अब फिल्म की रिलीज से पहले कृति सेनॉन को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल कृति अब एक्टिंग के साथ-साथ फिल्में प्रोड्यूस करने की तैयारी कर रही हैं। कृति एक ओटीटी फिल्म के जरिए प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने वाली हैं। कृति को इस फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई है और वह बतौर एक्ट्रेस भी इस फिल्म में काम करेंगी। हालांकि अब ना तो इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा हुआ है और ना ही फिल्म को लेकर कोई जानकारी सामने आई है। अपने फिल्मी करियर को लेकर बातचीत करते हुए कृति सेनॉन ने कहा, मुझे खुशी है कि ओम राउत ने मुझे जानकी के रूप में देखा, विकास बहल को गणपत की जस्सी दिखी और रोहित धवन ने मुझे अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए एक ग्लैमरस शहर की लड़की के रूप में देखा। मैं अपनी जिंदगी के इस चरण में बहुत ही एक्साइटेड और धन्य महसूस कर रही हूं और जो मुझे लगता है कि मेरे करियर का सबसे बेस्ट फेज है। यहां तक पहुंचने के लिए बहुत सारी निरंतरता, जुनून, हार्ड वर्क और खुद पर विश्वास करना पड़ा। मैं आज जहां हूं बहुत ही खुश हूं। लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि मैं अपनी आधी क्षमताओं का पता भी नहीं लगा पाई हूं। कृति ने आगे कहा कि मैं और भी अधिक काम करना चाहती हूं। बता दें कि एक्ट्रेस कृति सेनॉन ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्मों से की थी। कृति पहली बार साल 2014 में आई फिल्म नेनोक्कडीने में नजर आई थीं। इसी साल उन्होंने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

जल्द काम पर लौटना चाहती हैं नेहा मर्दा

बालिका वधु एक्ट्रेस नेहा मर्दा ने 7 अप्रैल 2023 को एक बेटी को जन्म दिया। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वो कैसे एक नई मां के तौर पर अपने मदरहुड के फेज को एंजॉय कर रही हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि वो जल्द ही पर लौटने का मन बना रही हैं। बीते दिनों ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी का नाम और चेहरा रिवील किया था। एक्ट्रेस ने नन्हीं बेटी का नाम अनन्या अग्रवाल रखा है।

जल्द मुंबई जाने और काम पर लौटने का प्लान कर रही

इंटरव्यू में नेहा ने कहा- 'मैं अपने सातवें महीने के दौरान अपनी मां के घर पर शिफ्ट हो गई थी। मैं अभी भी वहीं हूं, क्योंकि मैं अपने ठीक होने के लिए ब्रेक लेना चाहती थी। इसके अलावा अभी मेरी बेटी के लिए ट्रैवल करना सेफ नहीं है, क्योंकि वो समय से पहले पैदा हुई है। मैं जल्द ही मुंबई वापस जाने और काम पर लौटने का प्लान कर रही हूं।'

अभी किसी शो का हिस्सा होने मेरे लिए गलत होगा

नेहा से सवाल किया गया कि क्या उनके हाथ में कोई प्रोजेक्ट है, जिसे वो करने का मन बना रही हैं? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें कई प्रोजेक्ट्स ऑफर हुए हैं, लेकिन अपनी बेटी के चलते वो इन्हें एक्सेप्ट नहीं कर सकती हैं। उन्होंने कहा- अभी किसी भी शो का हिस्सा होने मेरे लिए गलत होगा, क्योंकि मैं अभी अपने बच्चे को स्तनपान करा रही हूं। मुझे नहीं पता कि आने वाले महीनों में मेरी बेटी को किन चीजों की जरूरत होगा या मेरे लिए चीजें कैसी होंगी।

दोबारा काम शुरू करने में नेहा को है हिचकिचाहट

बालिका वधु और कुंडली भाग्य जैसे सीरियल में काम कर चुकीं एक्ट्रेस ने बताया कि पोस्ट प्रेग्नेंसी के बाद वजन बढ़ने के कारण उन्हें फिर से काम शुरू करने में हिचकिचाहट हो रही है। नेहा ने कहा- 'हो सकता है कि लोग मुझे शो में वापस लेने के लिए तैयार हों और मेरे शरीर के साइज के बारे में परेशान न हों। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अभी इसके लिए तैयार नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मैं अपने शरीर को लेकर अनकंफर्टेबल हूं या मैं डिलीवरी के बाद कैसी दिखती हूं यह सोचकर परेशान हूं। मैं थोड़ा और स्वस्थ होना और वेट लूज करना चाहती हूं। ताकि, मैं अपना कमबैक पूरे जोरों से शुरू कर सकूं।' नेहा ने बताया कि अब वो धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं और अपने बच्चे को समय दे रही हैं। ऐसे में उनके लिए यह मोमेंट बेहद खास है, इसलिए उनके लिए समय निकालना जरूरी है। नेहा ने कहा- 'यह वक्त परमानेंट नहीं होने वाला है, इसलिए मैं हर पल को संजोना चाहती हूं।'

वकील का दमदार रोल निभाएंगी काजोल

काजोल अपनी अपकमिंग वेब सीरीज द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा के साथ अपना डिजिटल डेब्यू कर रही हैं। सीरीज का ट्रेलर मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया है, जिसमें दर्शकों को दिलचस्प और इंटेंस ड्रामा देखने को मिलेगा। द ट्रायल 14 जुलाई को डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

वकील का किरदार निभाएंगी काजोल

यह एक कोर्ट रूम ड्रामा सीरीज है। इस सीरीज में काजोल एक लॉयर का रोल प्ले कर रही हैं। ट्रेलर की शुरुआत एडिशनल जज राजीव सेनगुप्ता को रिश्वत के रूप में सेक्सुअल फेवर लेने के आरोप में गिरफ्तार होने के साथ होती है। उनकी पत्नी नोयोनिका यानी (काजोल) अपने जीवन को पटरी पर लाने के लिए एक वकील के रूप में काम पर लौटती हैं। इस सीरीज में जिशु सेनगुप्ता, शीबा चड्ढा, कुब्रा सैत, एली खान जैसे सितारे दिखाई देंगे।

इसी सीरीज की प्रमोशनल स्ट्रैटजी पर हुई थी ट्रोल

बता दें, एक्ट्रेस ने शुक्रवार दोपहर अपने सोशल मीडिया अकाउंट की सारी पोस्ट डिलीट कर दी थी। बाद में पता चला की यह उनकी आने वाली इस सीरीज के लिए एक प्रमोशनल नौटंकी थी जो अमेरिकी कोर्ट रूम ड्रामा द गुड वाइफ की रीमेक है। काजोल ने पोस्ट करते हुए लिखा था 'अपने जीवन के सबसे मुश्किल ट्रायल का सामना कर रही हूं।' जिसके बाद फैंस ने उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया।

द गुड वाइफ की रीमेक है ये सीरीज

सुपर्ण वर्मा द्वारा निर्देशित यह सीरीज अमेरिकी सीरीज द गुड वाइफ की हिंदी रीमेक है, जिसमें जुलियाना मार्गुलीज ने मुख्य भूमिका निभाई थी। ये सीरीज 2009 में शुरू हुई थी और इसके सात सीजन आ चुके हैं।

प्रशंसकों की भावनाओं के चलते यश का रावण बनने से इंकार!

पिछले कुछ दिनों से मीडिया में इस बात की जानकारी आ रही थी कि दंगल फेम निर्देशक रामायण आधारित फिल्म बनाने जा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने रणबीर कपूर और आलिया भट्?ट राम और सीता की भूमिका के लिए चुना है। इसके साथ ही यह कहा जा रहा था कि नितेश तिवारी रावण की भूमिका के लिए केजीएफ फेम अभिनेता यश को लेना चाह रहे हैं। बताया गया कि यश भी रावण की भूमिका को लेकर सकारात्मक हैं। उनका मानना कि फिल्म में राम के किरदार से ज्यादा चैलेंजिंग रावण का किरदार है। अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार यश ने इस फिल्म को करने से इंकार कर दिया है। हालांकि इस बात पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि यश को ऐसे चुनौती वाले रोल करना पसंद हैं। हालांकि जब उन्होंने अपनी टीम से इसके बारे में बात की तो कुछ और ही निकल कर सामने आया। यश की टीम मेंबर्स का मानना है कि अगर एक्टर स्क्रीन पर रावण का रोल करते हैं तो ये उनके फैंस को नागवार गुजर सकता है। इसी को देखते हुए यश भी इस प्रोजेक्ट से पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि एक पुराने इंटरव्यू में यश ने कहा था- मैं अपने फैंस की भावनाओं का काफी ख्याल रखता हूं। वे काफी सेंटीमेंटल हैं, अगर मैं उनके खिलाफ गया तो वे ओवर रिएक्ट भी कर सकते हैं। ईटाइम्स से जुड़े सोर्सेस का कहना है कि जब यश ने सुना तो कि फिल्म में रणबीर कपूर, भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं, तो वे इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने के लिए काफी एक्साइटेड हुए। उन्हें राम की अपेक्षा रावण का रोल ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगा। हालांकि अपनी टीम से बात करने के बाद उन्होंने अपना मन बदल लिया।

शाहरुख खान ने जवान के प्रमोशन पर तोड़ी चुप्पी

शाहरुख खान ने चार वर्ष के ब्रेक के बाद फिल्म पठान के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी की और यह बात साबित कर दी कि आखिर उन्हें इंडस्ट्री का किंग क्यों कहा जाता है। शाहरुख इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जवान की शूटिंग में व्यस्त हैं।

इसी कड़ी में उनकी लाडली बेटी सुहाना खान भी आगामी नेटफ्लिक्स फिल्म द आर्चीज के जरिए एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। जोया अख्तर के निर्देशन में बनी इस मूवी की खूब चर्चा हो रही है। इतना ही नहीं शाहरुख खान भी प्रतिष्ठित कॉमिक बुक सीरीज के लिए अपना समर्थन देते नजर आए हैं। वहीं, किंग खान ने आस्क एसआरके सेशन भी रखा, जिसमें उन्होंने कई सवालों के मजेदार जवाब दिए और एक बार फिर हेडलाइंस का हिस्सा बन गए।

द आर्चीज पर शाहरुख का रिएक्शन

शाहरुख खान ने बेटी सुहाना खान की फिल्म द आर्चीज के पोस्टर को अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर साझा किया है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, मुझे याद है कि जब मैं छोटा था (लाखों साल पहले) अपने आर्ची डाइजेस्ट को किराए पर लेने के लिए एडवांस में बुकिंग करता था। मुझे उम्मीद है कि फिल्म में बिग मूस भी है! पूरी कास्ट और प्यार को शुभकामनाएं। शाहरुख खान ने हैशटैग आस्क एसआरके का उपयोग करते हुए फैंस के लिए एक सवाल-जवाब सेशन रखा। इस दौरान किंग खान ने चाहनेवालों के सवालों के जवाब दिए और अपनी अपकमिंग फिल्म जवान पर भी बात की। सत्र के दौरान, शाहरुख ने फैंस के दिलों को लुभाते हुए अपने मजाकिया और प्रेरक व्यवहार का प्रदर्शन किया।

जवान के प्रमोशन पर कही यह बात

सेशन में, एक फैन ने शाहरुख से पूछा कि उनकी आगामी फिल्म जवान के लिए वह पर्याप्त प्रचार क्यों नहीं कर रहे हैं। इस सवाल के जवाब में सुपरस्टार ने लिखा, आप जवान प्रमोशन के बारे में पूछ रहे हैं, यही काफी है। एक दूसरे फैन ने लिखा, क्या आप सोचते हैं कि आप हैंडसम हैं। इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, नहीं मुझे पता है कि मैं हैंडसम हूं।

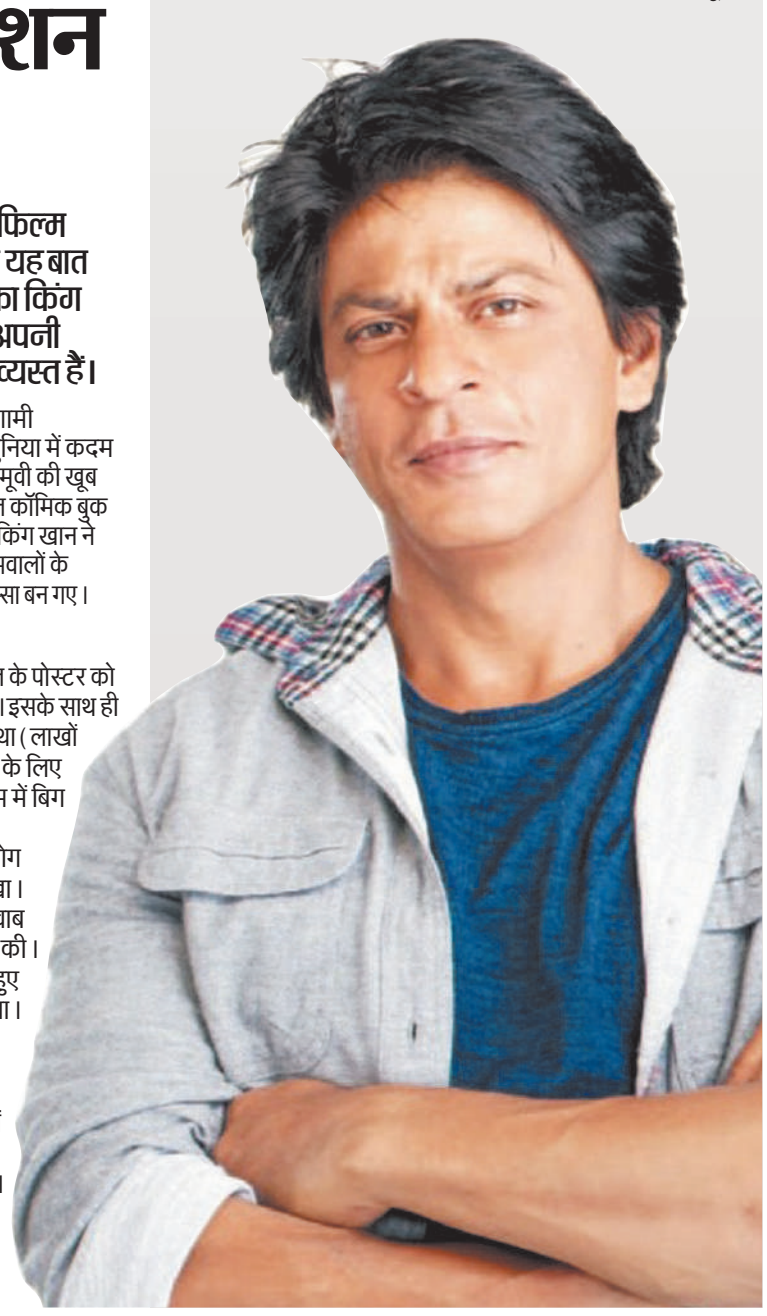

राजीव चंद्रशेखर बोले- डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा का मुद्दा वैश्विक चुनौती, आर्थिक वृद्धि पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा का मुद्दा एक वैश्विक चुनौती है और इससे निपटने के लिए मिलजुलकर काम करने की जरूरत है। वह यहां महाराष्ट्र में तीसरी डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) शिखर सम्मेलन में जी-20 प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की सुरक्षा कोई घरेलू मुद्दा नहीं है और न ही इसमें चुनिंदा सहयोग से काम चल पाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा के घरेलू, कानूनी, तकनीकी और आर्थिक पहलुओं में सुधार के लिए एक साझा समझ तैयार करनी होगी।

उपभोक्ता के विश्वास और व्यापार की विश्वसनीयता को नुकसान: उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी, वित्तीय-प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट आधारित कंपनियों के पास अब उपभोक्ताओं के बारे में तमाम संवेदनशील एवं व्यक्तिगत जानकारियां हैं। इनमें साइबर अपराध के सबसे ज्यादा मामले वित्तीय सेवा क्षेत्र में सामने आते हैं जबकि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और सोशल मीडिया से संबंधित अपराध उसके बाद हैं। मंत्री ने कहा कि ये प्रमुख क्षेत्र हैं जहां डाटा का उल्लंघन न केवल आर्थिक लागत का कारण बनता है बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और व्यापार की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाता है।

डिजिटल कायाकल्प एवं आर्थिक वृद्धि पर असर: चंद्रशेखर ने कहा, इन कंपनियों के पास मौजूद आंकड़े में सेंधमारी, फिरौती के लिए साइबर हमले और सेवा रोकने वाले हमले आम लोगों, व्यवसायों के साथ सरकारों के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। ऐसे अपराधों से उपभोक्ताओं का भरोसा कम होने का असर आखिरकार डिजिटल कायाकल्प एवं आर्थिक वृद्धि पर ही पड़ेगा।

चंद्रशेखर ने कहा कि बड़ी कंपनियों के पास लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए अपने सुरक्षा तंत्र को लगातार अपडेट करने के संसाधन हैं, लेकिन छोटे व्यवसायों यानी स्टार्टअप और एमएसएमई से ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती है, जो नवाचार में सबसे आगे हैं। उन्होंने कहा, चूंकि डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा एक वैश्विक चुनौती है और इससे निपटने के लिए एक साझेदारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जिसमें विश्वास बनाने, जागरूकता में सुधार करने और डिजिटल समाधान प्रदान करने के लिए सरकारें, व्यवसाय और विकास संस्थान शामिल हों।

सुरक्षा एजेंडे के बारे में विस्तार से बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सबसे पहले, सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह उन सुरक्षा खतरों का पता लगाए जो नवाचार में बाधा डालते हैं और आवश्यक सेवाओं पर भरोसा करें। चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि डिजिटलीकरण के वर्तमान युग में यह महत्वपूर्ण है कि देश उद्योग की बदलती मांगों के अनुसार डिजिटल स्किलिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के लिए अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन और सुधार करने में निवेश करे।

उन्होंने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि जी20 को सक्रिय रूप से इन मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और वैश्विक कार्यबल को लाभ पहुंचाने वाले परिणामों को प्राप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) कार्यान्वयन के ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने और वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था की उन्नति के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है।

उन्होंने कहा कि भारत कार्यक्रमों को सक्षम बनाने के अपने प्रयासों के साथ-साथ वैश्विक मानक साइबर कानून ढांचे के लिए भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए कई नीतियों पर भी सक्रिय रूप से काम कर रहा है। चंद्रशेखर ने नौ देशों के मंत्रियों की उपस्थिति में वैश्विक डीपीआई शिखर सम्मेलन और वैश्विक डीपीआई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। वैश्विक डीपीआई शिखर सम्मेलन में लगभग 50 देशों और 150 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नौ देशों ने मंत्री स्तर पर भाग लिया।

सट्टेबाजी व लत से जुड़े ऑनलाइन गेम पर लगेगी पाबंदी - चंद्रशेखर: केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि सरकार ने पहली बार ऑनलाइन गेमिंग को लेकर एक रूपरेखा तैयार की है। इससे सट्टेबाजी, उपयोगकर्ताओं के लिए हानिकारक और लत से जुड़े गेम को देश में प्रतिबंधित किया जाएगा।

चंद्रशेखर ने कहा कि रूपरेखा के तहत हम देश में 3 तरह के खेलों की इजाजत नहीं देंगे। ऐसे खेल जिनमें सट्टेबाजी शामिल है या उपयोगकर्ता के लिए हानिकारक हो सकता है और जिसमें लत का कारक शामिल है, देश में प्रतिबंधित कर किए जाएंगे। हालांकि उन्होंने इन खेलों की सूची नहीं बताई। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने कहा था कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक को विनियमित करेगी कि यह 'डिजिटल नागरिकों' को नुकसान न पहुंचाए।

ओटीटी प्लेटफार्म पर अपना दबदबा बढ़ाना चाहते हैं अंबानी

जिओ सिनेमा के प्रीमियम प्लान के साथ उतरे बाजार में नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम को देंगे सीधी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अरबपतियों में शुमार लगातार अपने बिजनस को आगे बढ़ा रहे हैं। मुकेश अंबानी अब तेजी से उभर रही ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सर्विस में तहलका मचाने की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकेश अंबानी अब नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम का दबदबा खत्म करने की प्लानिंग कर रहे हैं। मुकेश अंबानी ने जिओ सिनेमा के प्रीमियम कंटेंट के प्लान का खुलासा किया है। अंबानी इस कदम से ओटीटी प्लेटफार्म पर अपना वर्चस्व बढ़ाना चाहते हैं। बता दें कि जियो सिनेमा, जिसका नेतृत्व मुकेश अंबानी के बेटे आकाश अंबानी कर रहे हैं, उन्होंने पहले ही अपनी लाइब्रेरी में वार्नर ब्रदर्स और एचबीओ के स्पेशल शो शामिल कर लिए हैं। जियो सिनेमा सब्सक्राइबर्स को अब कई बेहद लोकप्रिय एचबीओ प्रोग्राम देखने का विकल्प मिल गया है।

मुकेश अंबानी के जियो सिनेमा का प्रीमियम सब्सक्रिप्शन स्पेस में प्रवेश करने का निर्णय रुपये के रूप में महत्वपूर्ण है। 999 रुपये में, जियो सिनेमा नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो और डिज़नी + हॉटस्टार जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार है। इधर नेटफ्लिक्स वार्षिक सदस्यता का विकल्प नहीं देता है। यह 149 रुपये से प्लान की शुरुआत कर रहा है। वहीं अमेज़न प्राइम वीडियो की वार्षिक सदस्यता रु 1499 और हाटस्टार के प्रीमियम वार्षिक सब्सक्रिप्शन की कीमत भी 1499 रुपये है। जियो सिनेमा का प्रीमियम सब्सक्रिप्शन कई सुविधाएं दे रहा है, जैसे एक साथ 4 डिवाइस पर कंटेंट स्ट्रीम करने की सुविधा उपलब्ध कराना।

आईपीएल से बढ़ाया कारोबार: जियो सिनेमा ने आइपीएल 2023 की मुफ्त लाइव स्ट्रीमिंग द्वारा भारत में एक आधार स्थापित करने में कामयाबी हासिल की है। जियो सिनेमा द्वारा वार्नर ब्रदर्स और एचबीओ से सामग्री जोड़ने का निर्णय केवल प्लेटफॉर्म की ओर अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने वाला है। अब आने वाले महीनों में स्ट्रीमिंग में और लड़ाई देखने को मिलने वाली है। यह देखा जाना बाकी है कि कैसे नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम और डिज़नी हॉटस्टार + जियो सिनेमा द्वारा उन्हें दी गई चुनौतियों का मुकाबला करेंगे।

चीनी के निर्यात पर अभी लगा रहेगा बैन

सरकार निर्यात पर लगे बैन को आगे बढ़ा सकती है, चीनी का उत्पादन कम होने की है आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी के एक्पोर्ट पर अभी रोक लगी हुई है। अब सरकार से आगे बढ़ा सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक, भारत कम से कम अगले सीजन की पहली छमाही तक चीनी निर्यात की परमीशन नहीं देने पर विचार कर रहा है। दरअसल इस साल भारत में मानसून के दौरान सामान्?य बारिश के बीच अल नीनो की स्थिति उत्?पन्?न होने की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। सरकार को चिंता है कि अल नीनो के चलते प्रोडक्शन पर असर पड़ सकता है और इसमें गिरावट आ सकती है। अल नीनो की स्थितियां मानसून के दौरान विकसित हो सकती हैं और मानसून के दूसरे चरण में इसका असर महसूस हो सकता है। कृषि क्षेत्र फसल उत्पादन के लिए मानसून की बारिश पर बहुत अधिक निर्भर करता है। अगर आसान भाषा में समझा जाए तो अल नीनो की वजह से तापमान गर्म होता है। वहीं

ला नीना के कारण तापमान ठंडा हो जाता है। अल नीनो प्रशांत महासागर में असामान्य रूप से गर्म पानी की मौजूदगी के जलवायु प्रभाव का नाम है। अल नीनो के दौरान, मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होता है। भारत से शिपमेंट में देरी से वैश्विक स्तर पर चीनी की कीमतों में उछाल आ सकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक, मौसम एक बड़ा नकारात्मक कारक है। पिछले साल मानसून की अच्छी बारिश के बावजूद चीनी उत्पादन में गिरावट आई थी। इस साल एल नीनो के साथ, हम जल्द निर्यात की अनुमति देने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं।

टाटा ने अपने कर्मचारियों को दिया छप्परफाड़ इनाम, 62 परसेंट तक उछल गई सैलरी

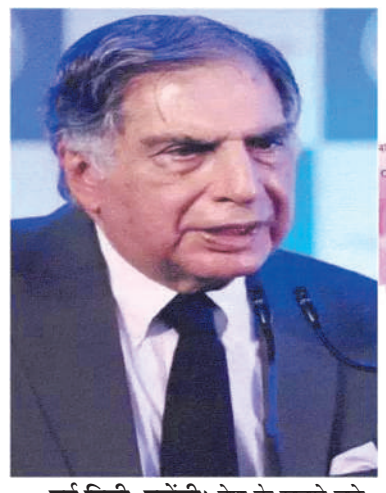

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने अपने टॉप एग्जीक्यूटिव्स को छप्परफाड़ इनाम दिया है। ग्रुप ने इस साल इन अधिकारियों को 62 फीसदी तक सैलरी हाइक दिया है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी ट्रेंट, इंडियन होटल्स और टाटा कंज्यूमर जैसे हाई ग्रोथ बिजनसेज के टॉप अधिकारियों की सैलरी में हुई है। 2022-23 में टाटा ग्रुप का सेल्स रेवेन्यू 97 अरब डॉलर रहा जो अब तक का रेकॉर्ड है। इस दौरान ग्रुप की अधिकांश कंपनियों की ग्रोथ 20 फीसदी से अधिक रही। ग्रुप के होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में इन कंपनियों के टॉप अधिकारियों को इस शानदार प्रदर्शन का इनाम दिया है। टोटल पैकेज में सैलरी, कमीशन और दूसरे बेनिफिट्स शामिल हैं। सबसे ज्यादा हाइक ग्रुप की रिटेल चेन ट्रेंट के सीईओ पी वेंकटसेलू को दिया गया है। उन्हें 5.12 करोड़ रुपये की सैलरी के साथ कुल 62 परसेंट हाइक दिया गया है।

ट्रेंट का नेट प्रॉफिट पिछले साल 10 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये रहा जबकि रेवेन्यू 80 फीसदी बढ़कर 8,242 करोड़ रुपये पहुंच गया। इंडियन होटल्स के सीईओ पुनीत चटवाल को 18.23 करोड़ रुपये की सैलरी के साथ 37 फीसदी हाइक मिली है। टाटा कंज्यूमर के सीईओ सुनील डिसूजा को 24 परसेंट हाइक मिला है और उनकी सैलरी अब 9.5 करोड़ रुपये पहुंच गई है। वोल्टास के प्रदीप बख्शी को 22 फीसदी और टाटा केमिकल्स के आर मुकुंदन तथा टाटा पावर के प्रवीर सिन्हा को 16-16 परसेंट हाइक मिला है। सबसे कम हाइक टीसीएस के राजेश गोपीनाथन को मिला। उनकी सैलरी में 13 फीसदी बढ़ोतरी हुई और यह 29.1 करोड़ पहुंच गई। हालांकि गोपीनाथन अब टीसीएस छोड़ चुके हैं।

टाटा ग्रुप का कारोबार कई सेक्टर्स में फैला है। इनमें टेक्नोलॉजी, स्टील, ऑटोमोटिव, कंज्यूमर एंड रिटेल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फाइनेंशियल सर्विसेज, एयरोस्पेस एंड डिफेंस, टूरिज्म एंड ट्रेवल, टेलिकॉम एंड मीडिया, ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट शामिल है। ग्रुप के कंपनियों की संख्या 30 पहुंच गई है। टाटा ग्रुप के एक अधिकारी ने कहा कि साल 2023 ग्रुप के लिए बेहद शानदार रहा। पिछले दो साल में टाटा की 28 लिस्टेड कंपनियों में से 26 ने मार्केट से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस दौरान ग्रुप के मार्केट कैप में 300,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। 28 में से 17 लिस्टेड कंपनियों ने पिछले फाइनेंशियल ईयर में 11 से 90 फीसदी रेवेन्यू ग्रोथ हासिल किया।

टाटा मोटर्स ने डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स ने डिविड़ेंड देने का फैसाल किया है। कंपनी ने हर ऑर्डिनरी शेयर पर 2 रुपये और ए ऑर्डिनिरी शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए अब रिकॉर्ड डेट का ऐलान भी कर दिया है। मंगलवार की सुबह कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत तक चढ़ गए थे। बता दें, 11 बजे के करीब टाटा मोटर्स के शेयर बीएसई में 0.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 569 रुपये के लेवल पर आकर ट्रेड कर रहे थे। शेयर बाजार को दी जानकारी में टाटा मोटर्स ने बताया है कि 29 जुलाई 2023 की तारीख को डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। यानी जिस किसी निवेशक का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उसे ही डिविडेंड का लाभ मिलेगा। पिछले एक महीने के दौरान टाटा मोटर्स के शेयरों की कीमतों में 6.60 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, साल 2023 के शुरुआत में टाटा ग्रुप के इस स्टॉक को खरीद कर होल्ड रखने वाले निवेशकों को अबतक 43.28 प्रतिशत का लाभ हो चुका है। शेयर बाजार में टाटा मोटर्स का 52 वीक हाई 576.65 रुपये है।

मर्जर की खबर के बाद रॉकेट बन गया यह एनर्जी शेयर, 19 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आईनॉक्स विंड एनर्जी के शेयर 19 पर्सेंट की तेजी के साथ 2,150 रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। वहीं, आईनॉक्स विंड एनर्जी के साथ विलय को बोर्ड की मंजूरी के बाद आईनॉक्स विंड 5 फीसदी फिसलकर 138.50 रुपये पर आ गया। आपको बता दें कि प्रमुख विंड एनर्जी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर, आईनॉक्स विंड ने सोमवार को घोषणा की कि रणनीतिक निर्णय तहत कंपनी के निदेशक मंडल ने आईनॉक्स विंड एनर्जी को आईनॉक्स विंड में मर्ज करने की योजना को मंजूरी दे दी है। विलय विभिन्न रेगुलेटरी अप्रूवल के अधीन है।

क्या है उद्देश्य: बोर्ड ने आईनॉक्स विंड एनर्जी के प्रत्येक 10 इक्विटी शेयरों के लिए 54 रुपये के इश्यू प्राइस के साथ जारी किए जाने वाले आईनॉक्स विंड के 158 इक्विटी शेयरों के साथ प्रस्तावित विलय के लिए स्वैप रेशियो को मंजूरी दे दी है, जबकि आईनॉक्स विंड एनर्जी के 10 शेयर 847 रुपये की कीमत पर जारी किए जाएंगे। आईनॉक्स विंड ने कहा कि इस मर्जर का उद्देश्य लिस्टेड संस्थाओं की संख्या को कम करके समूह की संरचना को सरल और कारगर बनाना है। आईनॉक्स विंड एनर्जी पवन ऊर्जा के प्रोडक्शन और बिक्री के कारोबार में लगी हुई है। यह पवन फार्मों के निर्माण, खरीद और कमीशनिंग (ईपीसी) के लिए सेवाएं प्रदान करती है और नवीकरणीय ऊर्जा में एक रणनीतिक व्यावसायिक हित रखती है। आईनॉक्स विंड विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यूटीजी) के निर्माण और बिक्री के कारोबार में लगी हुई है। यह डब्ल्यूटीजी और पवन फार्म विकास सेवाओं के लिए ईपीसी, संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) और सामान्य बुनियादी सुविधाएं सेवाएं भी प्रदान करता है।

टाटा का स्टॉक नई ऊंचाईयों पर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयरों में आज 5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी के एक शेयर का भाव 1678.35 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। यह ट्रेंट का नया 52 वीक हाई है। कंपनी के शेयरों में आई इस तेजी की बड़ी वजह कंपनी विस्तार प्लान को माना जा रहा है। आइए विस्तार से जानते हैं टाटा ग्रुप के विषय में -

आईपीओ ने निवेशकों को बनाया हकीकत, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट : कंपनी वित्त वर्ष 2024 में तेजी के साथ विस्तार का प्लान बना रही है। ट्रेंट का रिटेल ब्रांड इस वित्त वर्ष करीब 200 नए स्टोर खोल सकता है। पिछले एक महीने के दौरान टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने पहले जिस किसी निवेशक ने कंपनी के शेयरों पर दांव लगाकार होल्ड रखा होगा उन्हें अबतक 15 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिला है। बता दें, ट्रेंट के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 55 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

विदेश जाकर छुट्टियां मनाने के लिए ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी जेब, भारत में सबसे महंगा फ्लाइट टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में एविएशन सेक्टर में उधर-पुथल का दौरा जारी है। गो फर्स्ट के दिवालिया होने के बाद डोमेस्टिक एयरलाइंस ने फ्लाइट टिकटों में इजाफा कर दिया। खासकर उन रूटों पर फ्लाइट टिकट के दाम में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिनपर गो फर्स्ट एयरलाइन का दबदबा था। सिर्फ घरेलू ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल फ्लाइट टिकटों में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेशनल एयर फेयर में अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है। एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशल के मुताबिक एशिया पैसिफिक में फ्लाइट टिकटों के फेयर में अब तक की सबसे बड़ी तेजी देखने को मिली है।

ACI एशिया पैसिफिक ने कहा कि उन्होंने स्टडी में पाया है कि इंटरनेशनल एयरफेयर में 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। जबकि डोमेस्टिक रूट्स पर किराए में 10 फीसदी से कम की बढ़ोतरी हुई है। एसीए ने दुनिया के टॉप

10 एविएशन मार्केट के 36000 रूट्स पर ये स्टडी की। उन्होंने अपनी स्टडी में पाया है कि बीते कुछ सालों में इंटरनेशल एयर फेयर में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। जिन एविएशन मार्केट में इंटरनेशनल एयरफेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली है, उसमें भारत पहले नंबर पर है। ष्टढ्ढ के मुताबिक भारत में एयर फेयर में 41 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं श्व में 34 फीसदी, सिंगापुर में 30 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया में 23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कोरोना के बाद साल 2021 के अंत में इंटरनेशनल फ्लाइट एक बार फिर से शुरू हुए। पोस्ट कोविड हवाई किराए में सबसे ज्यादा तेजी आई है। वैश्विक स्तर इंटरनेशनल फ्लाइटकिराए में रॉकेट के रफ्तार से तेजी देखने को मिली है। डिमांड का असर फ्लाइट टिकटों के किराए पर देखने को मिला है।

2000 प्रतिशत चढ़ गए इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी के शेयर, 1000 करोड़ रुपये का मिला है ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों में मंगलवार को तूफानी तेजी आई है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर मंगलवार को 10 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 940.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का यह 52 हफ्ते का नया हाई लेवल है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 374.35 रुपये है। कंपनी के शेयरों में पिछले 3 साल में 2000 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है।

42 रुपये से 900 के पार पहुंचे कंपनी के शेयर: ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर 27 मार्च 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 42.35 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 13 जून 2023 को बीएसई में 940.55 रुपये पर पहुंच गए हैं।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों ने इस पीरियड में 2060 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 27 मार्च 2020 को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और कंपनी के शेयर न बेचे होते तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 22.21 लाख रुपये होती।

इस साल अब तक शेयरों में 75 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी: ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों में इस साल अब तक 75 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 2 जनवरी 2023 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 518.05 रुपये पर थे, जो कि अब 940.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों में करीब 39 पर्सेंट का उछाल आया है।

1000 करोड़ रुपये की इलेक्ट्रिक बसें सप्लाई करने का ऑर्डर: मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने पिछले दिनों बताया था कि उसे तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से 550 इलेक्ट्रिक बसें सप्लाई करने के लिए 1000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। इन बसों की डिलीवरी 16 महीने में की जानी है।

विंडीज दौरे से पुजारा-उमेश होंगे बाहर

टेस्ट में यशस्वी और टी20 में रिंकू-जितेश को मिल सकता है मौका

मुंबई । भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में लगातार दूसरी हार के बाद अगले महीने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज दौरे पर जाने वाली टीम से अनुभवी खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव का पत्ता कट सकता है। चयन समिति भविष्य के मुश्किल दौरों के लिए खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहती है। ऐसे में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को पुजारा और उमेश का रिप्लेसमेंट माना जा रहा है।

शिव सुंदर दास की अगुआई वाली चयन समिति और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगले ड्ढञ्जष्ट साइकिल में जाने से पहले कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जो कि कैरेबियन में सीरीज के साथ शुरू हो सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि इस टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में दो कमजोर कड़ी पुजारा और उमेश साबित हुए, जो लंबे समय से कुछ खास करने में नाकाम रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता देवांग गांधी ने पीटीआई से कहा- आपको युवाओं और अनुभव के बीच एक संतुलन बनाने की जरूरत है। विचार दीर्घकालिक होना चाहिए और आपको अभी दो साल के टेस्ट साइकिल को देखना होगा। मेरा मानना है कि यशस्वी जायसवाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। उन्होंने रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक बनाया है। .

एक अन्य पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पिछले दिसंबर में बांग्लादेश के दौरे के बाद से बीसीसीआई ने कोई भी ए टूर प्रोग्राम नहीं कराया जो कि गलत है। उन्होंने कहा- देखिए, उमेश अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं. लेकिन बिना ए टूर कार्यक्रम के आप नहीं जानते कि कौन तैयार है। एक समय था जब लगातार ए

टूर और शैडो सीरीज से हमारे पास मयंक अग्रवाल, ऋषभ पंत, हनुमा विहारी, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी तैयार थे।

क्या रोहित दो साल तक टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे – केएल राहुल सर्जरी के बाद कब वापसी करेंगे, इसकी तारीक तय नहीं है। इसके साथ ही वह कैप्टेंसी की दावेदारी में भी नहीं हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या कप्तान रोहित शर्मा अपने मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए दो साल और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे और अगला टेस्ट साइकिल पूरा करेंगे, जबकि वह तब तक लगभग 38 साल के हो चुके होंगे? फिलहाल यह एक बड़ा सवाल है।

एक और सवाल यह है कि अगर पुजारा को बाहर कर दिया जाता है तो अगले एक साल में उप-कप्तान के रूप में कौन बेहतर होगा, क्योंकि वेस्टइंडीज एक ऐसी टेस्ट टीम है जिसके खिलाफ एक युवा खिलाड़ी बतौर उपकप्तान आसानी से शुरुआत कर सकता है। पूर्व चयनकर्ता ने कहा- समस्या यह है कि आप पुजारा को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में मौका देते हैं और अगर वह रन बनाते हैं तो आपको उनके साथ एक और साल तक बने रहना होगा क्योंकि इसके बाद दिसंबर तक कोई टेस्ट नहीं है।

कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि 23 साल के शुभमन गिल को बतौर उपकप्तान तैयार करने का यही सही मौका है। अगर टीम मैनेजमेंट इस रोल के लिए किसी अनुभवी खिलाड़ी को ढूंढ रहा है तो रवींद्र जडेजा जैसे ऑल फॉर्मेट प्लेयर एक सही विकल्प साबित हो सकता है। हालांकि, देवांग गांधी ने यह भी कहा कि रविचंद्रन अश्विन जैसा खिलाड़ी भी इस रोल के एकदम सही साबित हो सकता है। इसके अलावा अजिंक्य रहाणे भी सही विकल्प हो सकते हैं।

भारत का वेस्टइंडीज का एक महीने का दौरा होगा। दौरे का आगाज 12 जुलाई से दो मैचों की टेस्ट सीरीज से होगा। टीम इसके बाद तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी जिसमें हार्दिक पांड्या की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की टीम मैदान में उतर सकती है। इस टीम में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय ऐसा प्रारूप है जहां टीम चयन के लिए चयनकर्ताओं के पास विकल्प की कोई कमी नहीं होगी। अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या का कप्तान रहना लगभग तय है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। इनमें रिंकू सिंह और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलना लगभग तय है।

टीम में ऋतुराज गायकवाड़ की वापसी के साथ जायसवाल को मौका मिल सकता है। आईपीएल में 27 विकेट लेने वाले मोहित शर्मा भी टीम वापसी कर सकते हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को टी20 में आराम दिया जा सकता है। वहीं, वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को आराम दिया जा सकता है। अलीगढ़ के रिंकू सिंह ने कोलकाता नाइट राइडर्स से खेलते हुए गुजरात के खिलाफ अंतिम ओवर में पांच गेंदों में पांच छक्के मारे थे।

तुषार देशपांडे ने नाभा के साथ की सगाई, स्कूल में हुआ था प्यार

नई दिल्ली । आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार गेंदबाजी करने वाले तुषार देशपांडे ने सगाई कर ली है। तुषार ने नाभा गदमवार के साथ सगाई की है। नाभा और तुषार बचपन के दोस्त हैं। तुषार स्कूल के दिनों से ही नाभा को पसंद करते थे। सगाई के बाद उन्होंने खुद फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी। तुषार की सगाई में टेस्ट क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली लाल लेदर गेंद भी रखी गई थी। इसी के ऊपर दोनों अंगूठियां रखकर तुषार और नाभा ने फोटो खिंचाई। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई।

तुषार देशपांडे की सगाई में चेन्नई के ऑलराउंडर शिवम दुबे और उनकी पत्नी अंजुम खान भी पहुंची थीं। क्रिकेटर ध्रुमिल भी इस सगाई समारोह का हिस्सा बने। अंजुम ने इस सगाई की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में शेयर की हैं। शिवम दुबे और तुषार काफी अच्छे दोस्त हैं। इस साल चेन्नई को जीत दिलाने में दोनों का अहम योगदान रहा है। तुषार देशपांडे आईपीएल इतिहास के पहले इंपैक्ट प्लेयर रहे हैं। वहीं, शिवम दुबे ने अधिकतर मैचों में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में कमाल का प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2023 में तुषार का कमाल

तुषार देशपांडे ने आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 16 मैच में 21 विकेट अपने नाम किए। वह अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। वहीं, टूर्नामेंट में विकेट लेने के मामले में वह छठे नंबर पर रहे। आईपीएल में कुल 23 मैच खेलने वाले तुषार ने इस सीजन ही शानदार प्रदर्शन किया है। इससे पहले उन्होंने कुल सात आईपीएल मैच खेले थे और चार ही विकेट ले पाए थे। इस सीजन शानदार प्रदर्शन के बाद उनके भारतीय टीम में आने की संभावना भी बढ़ गई है।

बारिश में खुली बस में परेड के साथ मैनचेस्टर सिटी ने मनाया जीत का जश्न

मैनचेस्टर। बारिश और शैंपेन में भीगते हुए मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ियों ने हजारों प्रशंसकों के बीच खुली बस में शहर की परेड के साथ चैम्पियंस लीग फुटबॉल खिताब जीतने का जश्न मनाया। परेड की शुरूआत में खराब मौसम और बारिश के कारण विलंब हुआ लेकिन प्रीमियर लीग, एफए कप और चैम्पियंस लीग खिताबों से लैस दो नीली बसें शहर की सड़कों पर घूमती रही जिसमें खिलाड़ी, सिगार पीजे मैनेजर पेप गार्डियोला बैठे थे।

उनकी टीशर्ट पर लिखा था, ''ट्रेबल विनर्स।'' गार्डियोला ने कहा, '' इस बारिश में ही यह परेड होनी थी वरना यह मैनचेस्टर नहीं है। हमें धूप नहीं, बारिश चाहिये थी और यह परफेक्ट है।'' सिटी ने इंटर मिलान को 1 . 0 से हराकर चैम्पियंस लीग फाइनल जीता। यह उनका पहला चैम्पियंस लीग खिताब है लेकिन टीम छह साल में पांच प्रीमियर लीग खिताब और दूसरा एफए कप जीत चुकी है।

चीन में हिरासत में लिए गए दिग्गज फुटबॉल स्टार मेसी !

बीजिंग । फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी को चीन में एयरपोर्ट पर रोका गया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। लियोनेल मेसी के पासपोर्ट और वीजा को लेकर कुछ दिक्कत थी जिस कारण उन्हें रोका गया था, मगर बाद में मामला सुलझ गया।

अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी चीन में मुश्किल में फंस गए है। चीन के एयरपोर्ट पर स्टार फुटबॉलर को हिरासत में लिया गया है। एयरपोर्ट पर हिरासत में लिए जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। चीन पुलिस ने मेसी को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की है। वीडियो में दिख रहा है कि लियोनेल मेसी बीजिंग एयरपोर्ट पर चीनी पुलिसवालों से घिरे हुए है। दरअसल इन दिनों लियोनेल मेसी अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले एक फ्रेंडली मैच में खेलने के लिए चीन गए है। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 15 जून को होना है। इस मुकाबले में हिस्सा लेने के लिए जब वो बीजिंग एयरपोर्ट पर पहुंचे तो एयरपोर्ट से बाहर निकलने के दौरान पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

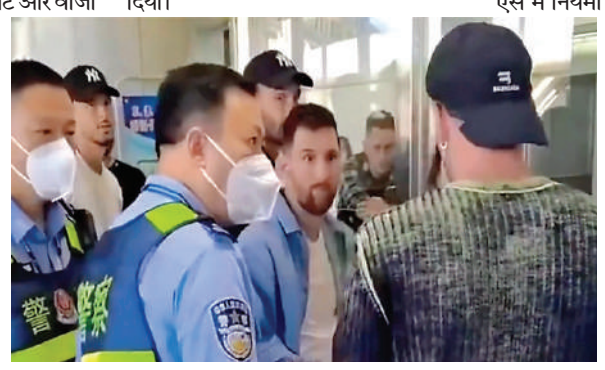

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने 10 जून को लियोनेल मेसी को हिरासत में लिया था, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने लियोनेल मेसी को उनके पासपोर्ट की वजह से हिरासत में लिया था। लियोनेल मेसी के पास अर्जेंटीना और स्पेनिश दोनों ही देशों के पासपोर्ट है। चीन की यात्रा करने के दौरान लियोनेल मेसी अर्जेंटीना के नहीं बल्कि स्पेनिश पासपोर्ट से यात्रा कर रहे थे। वहीं स्पेनिश पासपोर्ट पर चीन का वीजा नहीं था। ऐसे में नियमों का पालन न होने पर ही चीनी पुलिस अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर लियोनेल मेसी को रोका था।

फैंस को था मेसी का इंतजार – लियोनेल मेसी को अर्जेंटीना के पासपोर्ट की जगह स्पेन के पासपोर्ट से यात्रा करने के कारण कुछ समय के लिए एयरपोर्ट पर रुकना पड़ा था। इस पूरे मसले को सुलझने में करीब आधे घंटे का समय लगा था, जिसके बाद चीन में एंट्री का वीजा लियोनेल मेसी को दिया गया। वीजा मिलने के बाद ही मेसी चीन में एंट्री कर सके। वहीं चीन में भी स्टार फुटबॉलर की दमदार फॉलोइंग है। ऐसे में फैंस एयरपोर्ट के बाहर उनका इंतजार करते रहे। बता दें कि ये सातवीं बार है जब लियोनेल मेसी चीन के दौरे पर है।

सिंधू और प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में, त्रीशा-गायत्री बाहर

जकार्ता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मंगलवार को यहां इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 प्रतियोगिता के पहले दौर में स्थानीय दावेदार ग्रिगोरिया मारिस्का तुंजुंग के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज की। पिछली दो प्रतियोगिताओं के पहले दौर से बाहर होने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने इंडोनेशिया की विरोधी खिलाड़ी को 38 मिनट में 21-19 21-15 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सिंधू की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। उन्हें इंडोनेशिया की इस खिलाड़ी के खिलाफ इसी साल मैड्रिड मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में हार का सामना करना पड़ा था।

विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर खिसकी सिंधू के खिलाफ ग्रिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुछ अच्छे अंक जुटाए और ग्रिगोरिया की लगातार तीन गलतियों से ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बना ली और फिर गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू बेहतर लय में नजर आईं। ग्रिगोरिया ने भी काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिंधू गेम और मैच जीतने में सफल रही। सिंधू की ग्रिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा है। सिंधू की आगे की राह आसान नहीं होगी क्योंकि अगले दौर में उन्हें तीसरी वरीय ताइ जू यिंग से भिड़ना है।

अश्विन को ड्रॉप करने के फैसले पर सुनील गावस्कर हुए आग बाबूला, सरेआम रोहित-द्रविड़ की लगाई क्लास

नई दिल्ली । भारतीय टीम को वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209रनों से करारी शिक्सत मिली। इस हार के बाद टीम इंडिया का एक बार फिर से ड्ढञ्जष्ट स्नद्बठ्ठड्डद्य जीतने का सपना अधूरा रह गया।

भले ही इस बात को दो दिन बीत चुके हो, लेकिन अभी तक इस हार का दर्द भारतीय फैंस और दिग्गज भुला नहीं पा रहे है।

रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ पर कई दिग्गज से लेकर फैंस अपनी भड़ास निकाल रहे है। वहीं, प्लेइंग-11 में रविचंद्रन अश्विन को शामिल नहीं करने के फैसले पर हाल ही में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अश्विन जैसा बर्ताव इस टीम में किसी के साथ नहीं हुआ है। आइए जानते हैं रविचंद्रन अश्विन को मौका नहीं मिलने पर सुनील गावस्कर ने क्या कहा है?

दरअसल, डब्ल्यूटीसी के फाइनल मैच में भारतीय टीम की हार के बाद टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने रविचंद्रन अश्विन (को प्लेइंग-11 से बाहर रखने के फैसले पर अपनी भड़ास निकाली है। गावस्कर ने इस फैसले पर कप्तान रोहित शर्मा, कोच राहुल द्रविड़ और विराट कोहली से लेकर रवि शास्त्री को लपेट लिया है।

अश्विन को प्लेइंग-11 से बाहर रखने के फैसले पर महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी हैरानी जताई थी। उन्होंने कहा था कि टीम मैनजमैंट का ये फैसला उनके समझ से परे है।

इस कड़ी में गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, ÷आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 भारतीय गेंदबाज आर अश्विन को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की प्लेइंग-ड्ढढ्ढ से ड्रॉप करने का फैसला सही नहीं था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास 5 बाएं हाथ के बैटर्स थे और जबकि एक बाएं हाथ के खिलाड़ी ट्रेविस हेड मौजूद थे, जिन्होंने पहली पारी में शतक जड़ा था, दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने पहली पारी में 48 और दूसरी में नाबाद 66 रन ठोके थे। इस दौरान अश्विन के साथ जैसा बर्ताव हुआ ऐसा किसी के सा नहीं हुआ।

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान हॉकी को आर्थिक मदद

कराची। चेन्नई में अगस्त में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भागीदारी का मार्ग प्रशस्त करते हुए पाकिस्तान हॉकी महासंघ को सरकार ने ढाई करोड़ रूपये आवंटित किये हैं। पाकिस्तान खेल बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि ओमान में एशियाई जूनियर कप में राष्ट्रीय जूनियर टीम के अच्छे प्रदर्शन के बाद अंतर प्रांत समन्वय मंत्री अहसान मजारी ने इस सहायता को मंजूरी दी। अधिकारी ने कहा, '' इस धनराशि से जूनियर टीम के खिलाड़ियों और अधिकारियों को दैनिक भत्ते और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भागीदारी का खर्च दिया जायेगा।''

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तानी टीम के डच कोच सीगफ्राइड एकमैन की तनख्वाह भी जल्दी ही दी जायेगी। एकमैन महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण टीम को छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। पीएसबी और पीएचएफ के बीच चुनाव और संवैधानिक मसलों पर मतभेद होने के कारण सरकार की ओर से आर्थिक सहायता बंद हो गई थी। अब मसला सुलझने के कारण धनराशि आवंटित की गई है।

दो साल में चार शतक लगा पाए हैं रोहित, विराट और पुजारा: भारतीय टेस्ट टीम में बड़े बदलाव की जरूरत !

नई दिल्ली । विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की लगातार दूसरी हार ने शिवसुंदर दास की अगुवाई वाली चयन समिति की माथा-पच्ची को बढ़ा दिया है। टेस्ट चैंपियनशिप का अगला फाइनल दो साल बाद 2025 में खेला जाना है। 2023-25 की टेस्ट चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए चयन समिति को अभी से कड़े फैसले लेने होंगे। खासतौर पर बिग थ्री कप्तान रोहित शर्मा (उम्र 36 साल), विराट कोहली (उम्र 34 साल) और चेतेश्वर पुजारा (उम्र 35 साल) की उम्र, फॉर्म, पिछला प्रदर्शन और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मंथन करने का वक्त आ गया है। टेस्ट चैंपियनशिप की फाइनल की हार का सबसे बड़ा असर पुजारा और उमेश यादव पर पड़ने जा रहा है। विशुद्ध टेस्ट बल्लेबाज पुजारा 2021-23 की टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र में 17 टेस्ट में 32 की औसत से सिर्फ 932 रन बना पाए, जिसमें एक शतक शामिल रहा।

इंग्लैंड में खेलने के बावजूद नहीं चले पुजारा – ओवल में खेलने वाली भारतीय टीम में पुजारा एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे, जिन्हें फाइनल में तैयारी का पूरा मौका मिला। वह ससेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेले और जमकर रन भी बनाए, लेकिन फाइनल में वह नहीं चले। चयनकर्ता नंबर तीन के महत्वपूर्ण स्थान पर पुजारा पर लगातार भरोसा करते आए हैं, लेकिन सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में उनकी 77 रन की पारी और चट्टोग्राम में बांग्लादेश के खिलाफ बनाए गए 90 और 102 रन के अलावा उनके बल्ले ने निराश ही किया।

रणजी, ईरानी, दलीप ट्रॉफी दोहरे शतक लगाए हैं यशस्वी ने – जुलाई में भारत को वेस्टइंडीज में उसके खिलाफ दो टेस्ट खेलने हैं। देखने वाली बात यह होगी कि इस सीरीज के लिए 35 साल के पुजारा को मौका दिया जाता है या फिर रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल जैसे युवा को आजमाया जाता है। पुजारा को अगर इस सीरीज में मौका मिला और उन्होंने वहां रन बनाए तो उन्हें दिसंबर, 2023 में होने वाली अगली सीरीज में भी मौका मिलेगा। ऐसे में नंबर तीन की जगह पर किसी युवा को मौका देने में देर भी हो सकती है। पूर्व चयनकर्ता देबांग गांधी तो यशस्वी की वकालत करते हुए कहते हैं कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौका देने का वक्त आ गया है। उनका संयम जबरदस्त रहा है। उनको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन देने का यह सही समय है।

उमेश का विकल्प भी आजमाने का समय – उमेश यादव भी 35 साल के हो चुके हैं। घर में तो उनका प्रदर्शन फिर भी ठीक रहा है, लेकिन विदेशी धरती पर वह प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। एक पूर्व चयनकर्ता का कहना है कि उमेश अपने कॅरिअर के अंतिम दौर में हैं, लेकिन उनके विकल्प मौजूद नहीं हैं। इंडिया ए कार्यक्रम के तहत हमारे पास एक समय हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, मयंक अग्रवाल जैसे विकल्प मौजूद रहते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। बंगाल के मुकेश कुमार जरूर विकल्प दिख रहे हैं, लेकिन उनके पास तेजी नहीं है। ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराने वाली टीम इंडिया के सदस्य रहे टी नटराजन पर बाद में विश्वास नहीं दिखाया गया।

भारतीय कप्तान बनने वाले हैं पिता, मैदान में जीत के बाद फैंस के साथ ऐसे शेयर की गुड न्यूज

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री जल्द ही पापा बनने वाले है। इस गुड न्यूज को सुनील छेत्री ने मैच में जीत हासिल करने के बाद मैदान पर खास अंदाज में दर्शकों के साथ साझा किया। इंटरकांटिनेंटल कप के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने 12 जून को वनुआतु को 1-0 से मात दी। इस मुकाबले में इकलौता गोल सुनील छेत्री ने किया, जिसकी बदौलत भारतीय टीम का फाइनल का टिकट पक्का हुआ। भारतीय टीम इस पूरे मकुाबले के दौरान वनुआतु की टीम पर हावी रही। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 164 वें स्थान पर काबिज वनुआतु को मात दी है। इस मुकाबले में सुनील छेत्री ने 81वें मिनट पर गोल किया और टीम को जीत दिलाई। इस मुकाबले के दौरान सुनील छेत्री ने गेंद को अपने जर्सी में छिपा लिया। उन्होंने स्टेडियम में मौजूद अपनी पत्नी को देखते हुए खास अंदाज में जश्न मनाया। वहीं जिस तरह से छेत्री ने मैदान पर जश्न मनाया उससे उन्होंने बता दिया है कि वो पिता बनने के लिए बेहद उत्साहित है।

पत्नी को देखकर जताई खुशी – इस मैच के दौरान सुनील छेत्री ने अपनी पत्नी सोनम भट्टाचार्य को देखकर खुशी जताई और उन्हें फ्लाइंग किस भी किया। वहीं सुनील छेत्री की पत्नी ने भी जीत के बाद पति की हौसलाअफजाई की और उनके लिए तालियां भी बजाई। इस दौरान सोनम भी बेबी बंप के साथ नजर आई थी।

ऐसा रहा था मुकाबला – करिश्माई खिलाड़ी और कप्तान सुनील छेत्री के गोल के दम पर भारत ने इंटरकांटिनेंटल कप के अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को यहां वनुआतु को

1-0 से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट पक्का किया। भारतीय टीम पूरे मैच के दौरान हावी रही लेकिन विश्व रैंकिंग में 164 वें स्थान पर काबिज वनुआतु की रक्षापंक्ति ने उसे काफी देर तक बढ़त लेने से रोके रखा। छेत्री ने मैच के 81वें मिनट में शुभाशीष बोस के द्वारा बायें किनारे से बॉक्स की ओर भेजी गयी गेंद को अपने बायें पैर से गोल पोस्ट में डाल दिया। टीम गुरुवार को अपने आखिरी राउंड रोबिन मैच में लेबनान का सामना करेगी। विश्व रैंकिंग में 101वें स्थान पर काबिज भारत पूरे मैच में हावी रहा। टीम ने शुरुआती हाफ में 62 प्रतिशत समय तक गेंद को अपने नियंत्रण में रखा और गोल करने के 13 प्रयास किये। दुनिया में 164 वें स्थान पर काबिज वनुआतु की टीम इस दौरान एक बार भी भारतीय गोल पोस्ट पर निशाना नहीं साध सकी। पदार्पण कर रहे नंदकुमार सेकर ने प्रभावित किया लेकिन उन्होंने गोल करने के कई मौके भी गंवाये। उनके पास 36वें मिनट में महेश नौरेम के बनाये मौके पर भारत को बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका था लेकिन उन्होंने गेंद का गोलपोस्ट से दूर मार दी। नौरेम ने इसके बाद अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों के लिए कई मौके बनाये। मैच के 40वें मिनट में दायें ओर से लगाये उनके क्रास को छेत्री गोल में नहीं बदल सके।दूसरे हाफ में भी नौरेम के एक और प्रयास पर छेत्री का हेडर गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गया। गोल की तलाश में भारतीय कोच इगोर स्टिमक ने पांच मिनट के अंदर चार बदलाव करते हुए अनिरुद्ध थापा, जैक्सन सिंह और सहल अब्दुल समद और लल्लिंजुआला छांगते को मैदान में उतारा। खिलाड़ियों को बदलने के बाद टीम के आक्रमण को गति मिली लेकिन भारतीय खिलाड़ी वनुआतु के शारीरिक रूप से मजबूत खिलाड़ियों की रक्षापंक्ति को नहीं भेद पा रहे थे। छेत्री ने मैच के आखिरी 10 मिनट में एक बार करिश्मा करते हुए टीम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना में नर्स की मौत पर रहस्य बरकरार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में 19 वर्षीय एक नर्स की मौत पर रहस्य बना हुआ है। पुलिस मामले में हत्या और आत्महत्या के बीच उलझी हुई है। पुलिस को संदेह है कि नर्स सिरिशा ने पानी की टंकी में कूदकर आत्महत्या की है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। रविवार की सुबह परिगी थाना क्षेत्र के कल्लापुर गांव के पास तालाब में सिरिशा का शव मिला। शव पर चोट के कई निशान थे। शनिवार की रात पिता और देवर से झगड़े के बाद वह घर से निकली थी। पोस्टमार्टम रविवार को किया गया, लेकिन पुलिस के अनुरोध पर एक महिला चिकित्सा अधिकारी ने सोमवार को गांव का दौरा किया और फिर से शव की जांच की। उनकी राय में, मौत पानी के कारण सांस नली के अवरुद्ध होने के कारण हुई। पुलिस ने सिरिशा के पिता जंगैया और उसके देवर अनिल से पूछताछ की, जिन्होंने खाना बनाने से इनकार करने पर कथित तौर पर उसकी पिटाई की थी। पुलिस ने सिरिशा के कॉल डेटा का भी विश्लेषण किया लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं लगा। जांच में पता चला कि सिरीशा अपने पिता और देवर द्वारा उसे प्रताड़ित करने और उसका मोबाइल फोन छीनने के बाद से परेशान थी। उसने घर पर आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन उन्होंने उसे रोक दिया। कुछ देर बाद सिरिशा घर से चली गई और जब वह देर रात तक नहीं लौटी तो उसके परिजनों ने तलाश शुरू की। उनकी कोशिश नाकाम रही तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। अगले दिन सुबह सिरिशा का शव गांव के पास पानी की टंकी में मिला। पुलिस को शक है कि वह टंकी में कूद गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। सर्किल इंस्पेक्टर वेंकटरमैया ने कहा कि वे सभी एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को सिरीशा की मौत पर एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन रेखा शर्मा ने डीजीपी अंजनी कुमार को पत्र लिखकर तीन दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। उन्होंने डीजीपी से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

दिल्ली में टैक्सी ड्राइवर की गोली मार कर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका इलाके में निजी दुश्मनी को लेकर एक व्यक्ति ने 38 साल के एक टैक्सी ड्राइवर की उसकी कार के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने मंगलवार को ये जानकारी दी। मृतक की पहचान गालिबपुर निवासी धीरेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सोमवार की शाम साढ़े सात बजे खैरा मोड़ के पास हत्या की वारदात हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, धीरेंद्र अपनी टैक्सी में मृत पाया गया। उसके शरीर पर बंदूक की गोली के निशान थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि एक संदिग्ध खैरा मोड़ पर उससे मिलने आया था। दोनों धीरेंद्र की कार में बैठे और बातचीत कर रहे थे, इस दौरान संदिग्ध ने धीरेंद्र को गोली मार दी। अधिकारी ने कहा, आरोपी को पकड़ने के लिए हमने कई टीमों का गठन किया है। हमारे पास इस मामले में महत्वपूर्ण सुराग हैं। प्रथम दृष्टया, व्यक्तिगत दुश्मनी हत्या के पीछे संदिग्ध कारण है।

बेंगलुरु में मां की हत्या कर ट्रॉली बैग में शव लेकर महिला पहुंची थाने

बेंगलुरु, एजेंसी। एक चौंकाने वाली घटना में बेंगलुरु में एक महिला ने अपनी ही मां की हत्या कर दी और फिर शव को एक ट्रॉली बैग में भरकर पुलिस स्टेशन ले आई। पुलिस ने मंगलवार को ये जानकारी दी। आरोपी महिला की पहचान 39 वर्षीय सेनाली सेन के रूप में हुई है, जो बिलेकहल्ली इलाके के एनएसआर ग्रीन अपार्टमेंट में रहती है। वह पश्चिम बंगाल की रहने वाली है और छह साल से यहां रह रही है। मृतका की पहचान 70 वर्षीय विभा पाल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, अपार्टमेंट में सेनाली अपनी मां, पति और सास के साथ रहती थी। मृतका विभा पाल और सेनाली की सास में लगभग हर दिन झगड़ा होता था और एक समय तो विभा पाल ने धमकी भी दी थी कि वह नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या कर लेगी। पुलिस ने कहा कि रोज-रोज के झगड़ों से निराश सेनाली ने जबरदस्ती अपनी मां को नींद की 90 गोलियां खिला दीं और जब विभा पाल ने पेट दर्द की शिकायत की तो उसने कथित तौर पर दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बाद में आरोपी महिला शव को एक ट्रॉली बैग में भरकर सीधे थाने आ गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

बृजभूषण मामले में दिल्ली पुलिस ने 3 देशों से मांगी मदद, जुटा रही सीसीटीवी और फोटोज

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूएफआई यानी भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस की जांच जारी है। खबर है कि पहलवानों और सरकार के बीच बातचीत में 15 जून तक का समय तय हुआ है। खास बात है कि इस जांच में अब तीन और देशों (कजाकिस्तान, मंगोलिया और इंडोनेशिया) की एंट्री होती नजर आ रही है। दिल्ली पुलिस इन देशों की मदद से सबूत जुटा रही है। कई पहलवानों ने सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने तीनों देशों में कुश्ती संघों को नोटिस भेजा है। यहां सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें देने के लिए कहा गया है। दरअसल, महिला पहलवानों ने 2016, 2018 और 2022 में यहां पर यौन उत्पीड़न किए जाने के आरोप लगाए हैं। पहलवानों ने जंतर मंतर पर जारी अपने धरना प्रदर्शन को हाल ही में खत्म कर दिया है। इधर, कुश्ती महासंघ में चुनाव की तैयारियां जारी हैं। फेडरेशन ने सोमवार को जानकारी दी है कि 4 जुलाई को चुनाव आयोजित होंगे। इसके लिए हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश महेश मित्तल को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। खास बात है कि सिंह यह चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इसकी वजह उनका तीन बार का अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल है। नियमों के तहत वह किसी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। हाल ही में कुछ पहलवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। उसके बाद कुछ पहलवान धरना प्रदर्शन खत्म कर वापस हो गए थे। अब कहा जा रहा है कि पहलवानों को 15 जून तक आरोपपत्र दाखिल होने का इंतजार है। इसके बाद आंदोलन को लेकर बड़ा ऐलान किया जा सकता है। रेसलर विनेश फोगाट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर तक पर सवाल उठा चुकी हैं। इससे पहले भी सरकार की तरफ से जांच के लिए कमेटी गठित की जा चुकी थी। शुरुआत में पहलवान सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे। फिलहाल, दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ दो स्न्नढ्ढक्रदर्ज की हैं।

एनआईए ने जेल में बंद अलगाववादी हुर्रियत नेता की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जेल में बंद अलगाववादी हुर्रियत नेता अयाज अकबर की संपत्ति कुर्क कर ली। एनआईए सूत्रों ने बताया कि दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश से लैस एजेंसी के अधिकारियों ने जिले के शाल्टेंग इलाके में अकबर की संपत्ति को कुर्क कर लिया। सूत्रों ने कहा, आम जनता को सूचना देने के लिए कुर्क की गई संपत्ति पर नोटिस लगाया गया है। अकबर पिछले छह साल से जेल में है। एनआईए ने सोमवार को कुपवाड़ा जिले में जहूर अहमद वटाली की संपत्ति कुर्क की थी।

लेब्राडोर ने घर में घुसकर बच्चे को नोचा, घसीटकर हड्डी तोड़ी; मालिक ने दी धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी।
गीता कॉलोनी में पालतू कुत्ते ने घर में घुसकर पांच साल के मासूम पर हमला कर दिया। उसके बाएं हाथ पर काटा और घसीटकर हाथ की हड्डी तोड़ दी। शोर सुनकर परिजन दौड़े और बच्चे को कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया। परिजन बच्चे को अस्पताल लेकर गए, जहां सोमवार को उसके हाथ की सर्जरी की गई। आरोप है कि इसका विरोध करने पर कुत्ते के मालिक और उसके रिश्तेदारों ने गाली-गलौज की और धमकी दी। बच्चे के पिता की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित बच्चा परिवार के साथ गीता कॉलोनी के शास्त्री नगर इलाके में रहता है। पिता निजी

कंपनी में काम करते हैं। बच्चे के 39 वर्षीय पिता ने बताया कि शनिवार शाम को वह दफ्तर गए थे। उनका बेटा और अन्य लोग घर में मौजूद थे। घर का दरवाजा खुला हुआ था और उनका बेटा घर में खेल रहा था। शाम करीब 7.30 बजे पड़ोसी का पालतू कुत्ता (लेब्राडोर मादा) अचानक से घर में घुस गया और बेटे पर हमला कर दिया। उनके बेटे का बायां हाथ दांतों से पकड़ लिया और काटते हुए इधर-उधर घसीटने लगा।

शोर सुनकर परिजन दौड़े और कुत्ते को भगाकर बच्चे को बचाया। बच्चे के हाथ से खून निकल रहा था और वह दर्द से चीख रहा था। परिजन तुरंत बच्चे को यमुना बाजार स्थित संत परमानंद अस्पताल लेकर गए, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। पीड़ित परिजनों को आरोप है कि घटना के बाद जब उन्होंने कुत्ता मालिक से उपचार कराने के लिए कहा तो वह भड़क गया। आसपास रहने वाले उसके रिश्तेदार भी पहुंच गए और उनके साथ गाली-गलौच करने लगे। इसके बाद धमकी भी देने लगे। वह झगड़े से बचने के लिए तुरंत अपने बच्चे लेकर अस्पताल चले गए और पुलिस को सूचना दी। बच्चे के पिता का आरोप है कि कुत्ता मालिक ने शाम को घुमाने के दौरान कुत्ते को खुला छोड़ रखा था। जिससे कुत्ता उनके घर में घुस गया और बच्चे को निशाना बनाया। अगर कुत्ते को घुमाते समय पकड़कर रखते तो ऐसा नहीं होता। वहीं अगर वह कुत्ते के साथ में रहते तो भी उसके घुसते ही काबू कर सकते थे और ऐसी घटना नहीं होती। बच्चे के पिता ने बताया कि बेटे के बाएं हाथ की हड्डी टूटी है। इसके बाद सोमवार को कई घंटे की सर्जरी के दौरान उसके हाथ में तार डाले गए। बाद में उसे ऑपरेशन थियेटर से निकालाकर वॉर्ड में शिफ्ट किया गया। उनका बेटा अभी कुछ दिनों तक अस्पताल में रहेगा। उसे ठीक होने में लंबा समय गेगा।

मुंबई के जुहू में चार नाबालिग लड़के डूबे, दो का शव बरामद

मुंबई, एजेंसी।
बीएमसी आपदा नियंत्रण ने मंगलवार को बताया कि मुंबई पुलिस ने जुहू के पास समुद्र में बह गए चार नाबालिक लड़कों में से दो के शव बरामद कर लिए हैं और दो अन्यकी तलाश फिर से शुरू की गई है। जुहू कोलीवाड़ा इलाके में ये सभी लड़के सोमवार शाम अरब सागर में बह गए थे। पुलिस ने धर्मेश वलजी फौजिया और शुभम योगेश भोगानिया, दोनों 16 के शव बरामद किए और उन्हें आर.एन. कूपर अस्पताल भेज दिया। दो अन्य, मनीष योगेश भोगानिया (12) और जय रोशन ताजबरिया (15) अभी भी समुद्र में लापता हैं। बिपोरजोय चक्रवाती तूफान से पहले समुद्र उफान पर है और ऊंची लहरें उठ रही हैं। सोमवार शाम डूबने वाले कुल पांच पीड़ितों में से एक लड़के को स्थानीय लोगों और मछुआरों ने बचा लिया था।

गुरुग्राम में नए मेट्रो रूट पर बनेंगे 27 आधुनिक स्टेशन, यात्री उठा सकेंगे लजीज खाने से लेकर शॉपिंग तक का मजा

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम में हुडा सिटी सेंटर से लेकर साइबर सिटी तक नए मेट्रो रूट पर 27 आधुनिक स्टेशन बनाए जाएंगे। हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएमआरटीसी) ने इस पर तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। मेट्रो स्टेशन में मॉल, फूड कोर्ट और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी खुलेंगे, ताकि यहां पर यात्री सफर के साथ-साथ खरीदारी भी कर पाएंगे। टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही कंपनी को मेट्रो रूट और स्टेशन का डिजाइन करने के लिए कार्य आंवटन किया जाएगा। बता दें कि सात जून को केंद्रीय कैबिनेट ने 28.50 किलोमीटर लंबे इस रूट को मंजूरी दे दी थी। स्टेशन और रूट को डिजाइन करेगी कंपनी = एचएमआरटीसी ने स्टेशन और रूट डिजाइन करने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। जल्द ही कंपनी का चयन कर काम आवंटित कर दिया जाएगा। कंपनी मेट्रो रूट के 27 स्टेशन और एक डिपो के रूट का भी डिजाइन तैयार करेगी। इसके लिए कंपनी को एचएमआरटीसी की तरफ से हिदायत दी गई है कि वह आधुनिक मेट्रो स्टेशन और रूट का डिजाइन तैयार करें। इसमें स्टेशन में फूड कोर्ट,मॉल की तरफ कंपनियों के आउटलेट और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की भी सुविधा हो। यात्रियों से प्रतिक्रिया भी ली जाएगी = मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों के लिए हर सुविधा उपलब्ध होगी। लोगों से फीडबैक भी लिया जाएगा। हर मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों की बेहतर सुविधाओं के लिए लिफ्ट,एक्सीलेटर,शिकायत केंद्र,सहायता केंद्र, टिकट मशीन के साथ-साथ व्हील चेयर भी होगी। स्टेशन पर लिफ्ट और एक्सीलेटर के लिए एचएमआरटीसी 135.47 करोड़ रुपये का अलग से बजट रखा है। 27 मेट्रो स्टेशन किस लोकेशन पर बनेंगे, वहां पर पार्किंग के लिए सुविधा अर्जित की जा सकती है भी या नहीं, इसका भी अध्ययन किया जाएगा। उसके बाद रिपोर्ट साझा होगी। ऐसे में पूराने गुरुग्राम में बनने वाले मेट्रो स्टेशन के आसपास पार्किंग के लिए जगह मिल पाना काफी मुश्किल होगा।

वीडियो कॉल कर न्यूड हुई महिला, रिटायर्ड जज का बेटा बना सेक्सटॉर्शन का शिकार

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में एक रिटायर्ड जज के बेटे को सेक्सटॉर्शन का शिकार बनाए जाने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने रिटायर्ड जज के बेटे को वीडियो कॉल कर उनका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। आरोपी ने उन्हें कॉल कर ब्लैकमेल भी किया। रिटायर्ड जज की शिकायत पर इस संबंध में गुरुग्राम के सेक्टर-17/18 थाने में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में रिटायर्ड सेशन जज ने कहा कि उनका बेटा वकील है। 11 जून को वह अपने बेटे के साथ घर के साथ बने अपने दफ्तर में बैठकर बात कर रहे थे, तभी बेटे के मोबाइल पर एक वीडियो कॉल आई, कॉल रिसीव करते ही दूसरी ओर से एक महिला दिखाई दी, जिसने तुरंत अपने कपड़े उतारने शुरू कर दिए। वह कुछ समझ पाते इससे पहले ही आरोपियों ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और कुछ देर बाद फोन करने वाली उस महिला ने उनके बेटे के मोबाइल पर उन्हें यह आपत्तिजनक वीडियो के पास भेज दी।

2660 फर्जी कंपनियां...15 हजार करोड़ का घोटाला, इस तरह सरकारी खजाने को लगाते थे चूना

नई दिल्ली, एजेंसी।
फर्जी तरीके से कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराकर 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का फजीवाड़ा करने वालों ने तीन टीम बना रखी थी। नोएडा पुलिस अब टीम सी को दबोचने की तैयारी में है। टीम बी के शेष और टीम सी के सभी आरोपियों की सूची तैयार की जा रही है। रिमांड के दौरान गिरफ्तार में आए आरोपियों से हुई पूछताछ में टीम सी की जानकारी मिली है।

डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि आरोपी तीन टीम में काम करते थे। पहली और दूसरी टीम के अधिकतर आरोपियों को दबोच लिया गया है। टीम ए में वह लोग शामिल थे, जो फर्जी तरीके से सिम सक्रिय कराते थे और उसे टीम बी को बेच देते थे। टीम बी संबंधित पेन कार्ड और सिम का इस्तेमाल कर फर्जी कपंनी बनाती थी।

फर्जी कंपनी को टीम बी टीम सी को दे देती थी। इसके लिए वह लाखों रुपये अदा करते थे। टीम

सी में कई कारोबारी और सफेदपोश के नाम होने की जानकारी भी पुलिस को मिली है। टीम सी में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नोएडा पुलिस ने दो अलग टीम बनाई हैं। गिरफ्त में आए आरोपियों की संपत्ति की भी जांच चल रही है। इनके खिलाफ नोएडा पुलिस गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। टीम सी की तलाश एसटीएफ की टीम को भी है। एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान, जो तथ्य निकलकर सामने आए हैं, उस आधार पर दबिश का दौर आगे भी जारी रहेगा। अन्य फरार आरोपियों की तलाश में सोमवार को भी पुलिस की आठ टीमों ने राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में दबिश दी। यूपी के कई शहरों में सिलसिलेवार दबिश चल रही है। हालांकि, सोमवार को कोई अन्य आरोपी दबोचा नहीं जा सका है। नोएडा पुलिस ने 11 दिन पहले 2660 फर्जी कंपनी बना जीएसटी में रजिस्ट्रेशन कराकर 15 हजार करोड़ से अधिक का फ्रॉड करने वाले एक अंतरराज्यीय रैकेट का खुलासा किया था।

तेजी से गायब हो रहीं पेरू की महिलाएं, लोग बोले- यही हाल रहा तो देश में एक भी लड़की नहीं बचेगी

पेरू एजेंसी।
दक्षिण अमेरिकी देश पेरू इन दिनों एक अलग किस्म की चुनौती से जूझ रहा है। सिर्फ 3.2 करोड़ की आबादी वाले इस देश में हर साल लगभग 5 हजार महिलाएं गायब हो जाती हैं। इसमें से ज्यादातर की कभी कोई खबर नहीं मिलती। गायब हुई ज्यादातर लड़कियां नाबालिग या फिर कम उम्र की होती हैं। छोटी-सी आबादी में हर साल बड़ी संख्या में महिलाओं के गायब होने के बाद लोग चिंतित हैं। वहां के महिला संगठन प्रशासन के विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि यही स्थिति रही तो एक दिन ऐसा आएगा जब पेरू में कोई महिला नहीं रह जाएगी। देश में तेजी से गायब होती महिलाओं के बीच एक रिपोर्ट आई है। 'व्हाट हैपेंस टू देम' नाम की इस रिपोर्ट में गायब हुई महिलाओं से संबंधित आंकड़े बताए गए हैं।

इस रिपोर्ट के मुताबिक पेरू में साल 2022 में कुल 5380 महिलाएं गायब हुई थीं। जबकि इस साल के शुरूआती चार महीनों में ही 3500 से ज्यादा महिलाएं गायब हो चुकी हैं। हर साल हजारों लड़कियों के गायब होने की रिपोर्ट लिखाई जाती है। बावजूद इसके पुलिस महज कुछ सौ लड़कियों को ही ढूंढ पाती है। गायब होने वाली लड़कियों के बारे में पेरू और दुनिया भर के मीडिया में कई तरह की बातें

कही जाती हैं। पेरू की पुलिस का तर्क है कि ज्यादातर लड़कियां अपनी मर्जी से जाती हैं और देश के किसी सुदूर हिस्से में गुमनामी में जीवन बसर करती हैं। लेकिन पेरू में ही पुलिस की इस थ्योरी पर भरोसा नहीं किया जाता। वहां काम करने वाले नारीवादी संगठनों का दावा है कि ज्यादातर लड़कियों के गायब होने के पीछ संगठित अपराधी गिरोह हैं। जो रेप और मानव तस्करी के लिए लड़कियों का अपहरण करते हैं; और अपने मकसद में कामयाब नहीं होने पर लड़कियों की हत्या भी कर देते हैं।

जबकि कई लोगों का यह मानना है कि मेडिकल माफिया लड़कियों के अपहरण के बाद बॉडी से जरूरी अंग निकालकर उनकी हत्या कर देते हैं। इन अंगों को ब्लैक मार्केट के जरिए अमीर देशों को भेजा जाता है। 2016 में 24 साल की स्टेफनी डियाज अपनी दो छोटी बच्चियों के साथ एक बर्थडे पार्टी में गई थीं। उनकी बड़ी बेटी की उम्र 5 साल तो छोटी सिर्फ 8 महीने की थी। उस पार्टी के बाद स्टेफनी और उनके बच्चे कभी घर नहीं लौटे। 7 साल बाद भी पुलिस उनके बारे में कोई सुराग नहीं ढूंढ पाई है।

भारतीय पत्रकारों को चीन में रहने की मंजूरी नहीं: आखिरी जर्नलिस्ट से देश छोड़ने को कहा

बीजिंग, एजेंसी।
चीन ने भारत के आखिरी पत्रकार को भी देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। यह पत्रकार न्यूज एजेंसी पीटीआइ का है और उसके चीन में रहने से संबंधित डॉक्यूमेंट्स को रिन्यू नहीं किया गया है।

चीन का आरोप है कि भारत में उसके जर्नलिस्ट्स से सही बर्ताव नहीं किया जाता। लिहाजा, वो भी सख्त कदम उठाने पर मजबूर है। हालांकि सोमवार को चीन के रुख में कुछ नरमी देखी गई। उसकी फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा- उम्मीद है, दोनों देश इस तनाव को दूर करने के लिए बीच का रास्ता निकाल लेंगे।

बहरहाल, भारत से पहले यही सलूक अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी किया जा चुका है। डोनाल्ड ट्रम्प जब प्रेसिडेंट थे, तब उन्होंने चीन की इन हरकतों का माकूल जवाब दिया था। सोमवार को पहली बार चीन के विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों में पत्रकारों को लेकर चल रहे तनाव पर रिएक्शन दिया। फॉरेन मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन वांग वेनबिन ने कहा- हालिया कुछ सालों में चीन के पत्रकारों के साथ भारत में सही बर्ताव नहीं किया गया। वह भेदभाव का शिकार हुए। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि भारत हमारे पत्रकारों को वीजा जारी करता रहेगा। वांग ने आगे कहा- हम ये भी उम्मीद करते हैं कि भारत में हमारे जर्नलिस्ट्स के लिए जो परेशानियां पैदा की जाती हैं, उन्हें खत्म किया जाएगा। ऐसे हालात बनाए जाएंगे, जिससे दोनों देशों के पत्रकार एक-दूसरे के देश में सुकून से काम कर सकें। दो महीने पहले तक चीन में भारत के कुल तीन पत्रकार थे। पिछले दिनों चीन सरकार ने 2 जर्नलिस्ट्स के वीजा डॉक्यूमेंट्स और बाकी जरूरी पेपर्स रिन्यू करने से इनकार कर दिया। लिहाजा, इन दोनों को भारत लौटना पड़ा। चीन की तरफ से कहा गया कि भारत भी उसके पत्रकारों के साथ यही सलूक करता है।

पाकिस्तानी फौजी अफसर आतंकी संगठन के साथ जुड़े,कैप्टन, वायुसेना के चीफ टेक्नीशियन तक बागी, सरकार की नीतियों से खफा जवान

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान में सेना और सुरक्षाबलों को निशाना बनाने वाला आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान मजबूत होता जा रहा है। इस कड़ी में उसके साथ सेना के वे लोग भी जुड़ रहे हैं, जो सरकार की नीतियों से असंतुष्ट हैं। बागी होने वालों में आर्मी, नेवी, एयरफोर्स सभी के अफसर भी शामिल हैं। ने ऐसे लोगों के नामों का ऐलान जिहादी चैनल तकबीर मीडिया पर किया है। वीडियो में उनके नाम और फोटो दिखाए गए हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक सुरक्षा विश्लेषक ने कहा, ने मेजर जनरल (रिटायर्ड) जहीर उल इस्लाम अब्बासी का नाम गुप्त रखा है। अब्बासी की तालिबान से जुड़ाव की बात उस वक्त भी उजागर नहीं की गई, जब उसका कोर्ट मार्शल किया जा रहा था। अब्बासी को 1995 में बेनजीर भुट्टो की सरकार के खिलाफ एक तख्तापलट की साजिश में शामिल होने के लिए 7 साल की सजा मिली थी।

उसने तख्तापलट को 'ऑपरेशन खिलाफ' नाम दिया था, जो नाकाम रहा था। रिहाई के बाद उसने 1999 में मुशर्रफ के कहने पर 'हिज्ब अल्लाह पाकिस्तान' नाम से एक धार्मिक-राजनीतिक पार्टी बनाई। सुरक्षा विश्लेषक ने प्रतिबंधित में शामिल होने वाले सशस्त्र बलों के जवानों के नाम उजागर करना गंभीर बताया है। उन्होंने कहा, 'यह तालिबान द्वारा सशस्त्र बलों के कर्मियों की भर्ती करने का बड़ा प्रयास है। सुरक्षा बल इन भगोड़ों के खिलाफ अभियान चलाकर उनके सफाए का प्रयास करेंगे। अब्बासी पूर्व आर्मी कमांडर रहा है। सियाचिन क्षेत्र में तैनाती के दौरान उसने भारतीय सेना की चौकियों पर हमले की योजना बनाई और अंजाम दिया। विश्लेषक अब्बासी को आतंक का पर्याय बताते हैं। वह अपने हिज्ब अल्लाह पाकिस्तान गुट के जरिए शरिया कानून लागू करना चाहता था।

अमेरिका में समुद्र किनारे मरी हुई मिली लाखों मछलियां, इनमें ज्यादातर मैनहेडन प्रजाति की, ज्यादा गर्मी के चलते पानी में दम घुटा

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में लाखों मछलियां समुद्र के किनारे मरी हुई मिली हैं। मामला क्विंटाना बीच का है। अधिकारियों के मुताबिक इन मछलियां की मौत तापमान बढ़ने के चलते पानी में सांस नहीं ले पाने के कारण हुई। टेक्सास में वाइल्ड लाइफ डिपार्टमेंट के अधिकारी के मुताबिक गर्म पानी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।

इससे मछलियों को सांस लेना मुश्किल होता है और वो मर जाती हैं। इस प्रोसेस की वजह से मरने वाली ज्यादातर मछलियां मैनहेडन प्रजाति की हैं। सोशल मीडिया पर इनके वीडियो वायरल हो रहे हैं।

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक गर्मियों में इस तरह से इन मछलियों का मरना आम है। समुद्र में गहरे पानी के मुकाबले किनारे का पानी ज्यादा तेजी से गर्म होता है। कई बार मछलियां

किनारे के पास वाले पानी मे फंस जाती हैं और वापस नहीं लौट पाती हैं। मछलियों के मरने से पहले वो पानी के ऊपर आकर ऑक्सीजन लेने की कोशिश करती हैं, जबकि कुछ ठंड के लिए बिल्कुल तलहटी में चली जाती हैं। टेक्सास में मरी हुई मछलियों को किनारे पर आना शुक्रवार से जारी है। हालांकि, प्रशासन ने कहा है कि वो इन्हें हटाते जा रहे हैं और बीच साफ कर रहे हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक गर्मियों में इस तरह से इन मछलियों का मरना आम है। समुद्र में गहरे पानी के मुकाबले किनारे का पानी ज्यादा तेजी से गर्म होता है। कई बार मछलियां किनारे के पास वाले पानी मे फंस जाती हैं और वापस नहीं लौट पाती हैं। मछलियों के मरने से पहले वो पानी के ऊपर आकर ऑक्सीजन लेने की कोशिश करती हैं, जबकि कुछ ठंड के लिए बिल्कुल तलहटी में चली जाती हैं। टेक्सास में मरी हुई मछलियों को किनारे पर आना शुक्रवार से जारी है। हालांकि, प्रशासन ने कहा है कि वो इन्हें हटाते जा रहे हैं और बीच साफ कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129